हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 226, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 फरवरी, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

राम, कृष्ण व शिव में आस्था रहेगी तो भारत रहेगा : योगी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को मथुरा पहुंचे। वे यहां जीएलए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सीएम योगी ने जीएलए विवि के 11वें दीक्षांत समारोह में उपाधि प्रदान की। इससे पूर्व कुल सचिव और कुलाधिपति का स्वागत संबोधन हुआ। सीएम योगी ने इस दौरान कहा कि राम, शिव और कृष्ण ही भारत की पहचान हैं। तीनों के प्रति पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक आस्था है और ऐसा जब तक रहेगा भारत का बाल भी बांका नहीं होगा।

सीएम ने कहा कि 'आप मंदिर जाएं या न जाएं। पूजा करें या न करें। ये आपके विषय हैं। आप लेटकर, बैठकर कैसे भी पूजा करते हैं। ये आपका विषय है। आस्था को किसी पर थोपने का काम नहीं किया, हमने सबको जोड़ने का काम किया। ज्ञान के लिए सभी दिशाओं को खुला रखो। जैसे एक विदेशी आक्रांता ने नालंदा के सबसे बड़े पुस्तकालय में आग लगाई थी। लोगों ने समझाया कि भारत की धरोहर को नष्ट करने का काम कर रहे हैं। उसने कहा कि कैसा ज्ञानङ्क, क्या

इसमें जो ज्ञान है, वो कुरान से ज्यादा है। अगर है तो उसकी हमें जरूरत नहीं है। इस विकृत मानसिकता को दुनिया ने स्वीकार नहीं किया। जब भी कोई अपनी बात को जबरन दुनिया पर थोपता है, तो उसे मान्यता नहीं मिलती है।' सीएम योगी ने कहा कि 'जब साधना नहीं थी, तब भी नालंदा जैसे विश्वविद्यालय दुनिया को रास्ता दिखाते थे। युवा वहां पर ज्ञान प्राप्त करते थे। ऐसे ही उदाहरण पेश करने होंगे। ये सरकार के भरोसे नहीं होगा। ये आपके और सरकार के सामूहिक प्रयास से होगा।' जीएलए विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह में सीएम योगी ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के मेधावियों को 22 गोल्ड मेडल, 22 सिल्वर मेडल और 3136 उपाधियां दीं। पीएचडी के 47, बीएससी ऑनर्स बायोटेक के 42, बीएससी ऑनर्स कैमिस्ट्री के 27, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के 16, बीए ऑनर्स, इकोनॉमिक्स के 13, बीबीए के 174, बीबीए ऑनर्स 114, बीबीए फैमिली बिजनेस 38, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग 18, बीकॉम ऑनर्स 88, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 56, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 62, इलेक्ट्रॉनिक्स 2, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 129, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग 103, कम्प्यूटर साइंस के 765, बीटेक सीएस सीसीवी 35, बीटेक सीएस डीए 37, एलएलएम सीडीपीएल के 5 विद्यार्थियों को उपाधि दी गई।

सीएम योगी ने किया मेट्रो टनल की खुदाई का शुभारंभ, एक दिन में 12 मीटर खोदेगी टीबीएम

आगरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा पहुंच गए हैं। खेरिया एयरपोर्ट पर आगरा के जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद मुख्यमंत्री आगरा किला के सामने रामलीला मैदान पहुंचे, यहां मेट्रो के टनल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। रविवार को उन्हें आना था, लेकिन ऐन वक्त पर गाजियाबाद में पार्टी कार्यक्रम में जाने के कारण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। मुख्यमंत्री ने रामलीला मैदान में लॉन्चिंग शाफ्ट पहुंचकर रिंग सेगमेंट पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद पूजा-अर्चना कर बटन दबाकर टनल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। आगरा में टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) को गंगा और यमुना का नाम दिया गया है, जबकि कानपुर में इनका नाम ताप्ती और नाना था। हर दिन 10-12 मीटर तक टनल तैयार की जाएगी। यूपी मेट्रो कारपोरेशन की ओर से आगरा मेट्रो के भूमिगत भाग में अप एवं डाउन ट्रैक के लिए दो समानांतर सुरंगों का निर्माण किया जाना है। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश मेट्रो कॉरपोरेशन पर्यावरण के सभी मानकों का पालन करते हुए समय से छह माह पूर्व पूर्वी कॉरिडोर के कार्य को संपन्न करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ा है। आज यहां पर गंगा और यमुना दो अंडरग्राउंड टनल निर्माण के कार्य का शुभारंभ हुआ है। मुझे प्रसन्नता है कि उत्तर प्रदेश में हम पहले से ही लखनऊ, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और कानपुर में मेट्रो सेवाओं का संचालन कर रहे हैं। आगरा में विकास और रोजगार के बेहतर सृजन के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट के अत्याधुनिक साधन की यहां के जनप्रतिनिधिगण लंबे समय से मांग करते रहे हैं। हमारा प्रयास है कि दिसंबर 2023 तक हम लोग कोरिडोर के कार्य जो लगभग 6 किलोमीटर है, इसे पूरा करने में सफल होंगे। इसके लिए दो कोरिडोर पहले विकसित करने के लिए स्वीकृति दी गई है, जो 29 किलोमीटर 400 मीटर लंबा है। कोरिडोर के कार्य पर युद्ध स्तर पर कार्य चल रहा है। सुरक्षा के सभी मांगों को पूरा किया जा रहा है और आज यहां पर पुनर्निर्माण के कार्यक्रम का भी हमने शुभारंभ किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्विन-कुकटॉप मॉडल का किया अनावरण, बोले- देश में ऊर्जा की जरूरत बढ़ती जा रही

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को बेंगलुरु में भारत ऊर्जा सप्ताह 2023 कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, राज्यपाल थावरचंद गहलोत और सीएम बसवराज बोम्मई भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने इंडियन ऑयल द्वारा विकसित सोलर कुकिंग सिस्टम के ट्विन-कुकटॉप मॉडल का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने अपना संबोधन भी दिया। अपने संबोधन में सबसे पहले उन्होंने तुर्किए के भूकंप में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना जताई। पीएम मोदी ने कहा कि इस समय तुर्की में आए भूकंप पर हम सभी की नजर बनी हुई है। कई लोगों की मृत्यु और काफी नुकसान की खबरें हैं। तुर्की के आसपास के देशों में भी नुकसान की आशंका है। भारत भूकंप पीड़ितों की हर संभव मदद के लिए तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बेंगलुरु टेक्नोलॉजी, टैलेंट और इनोवेशन की एनर्जी से भरा एक शहर है। मेरी तरह आप भी यहां के युवा ऊर्जा को अनुभव कर रहे होंगे। ये भारत की जी-20 प्रेसिडेंसी कैलेंडर का पहला बड़ा एनर्जी इवेंट है।

देश में लोगों की ऊर्जा जरूरत बढ़ती जा रही- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में ऊर्जा की जरूरत लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों की जरूरत पूरी करने के लिए हमारी सरकार हर मोर्चे पर तैयार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित राष्ट्र बनने के संकल्प के साथ चल रहे भारत में ऊर्जा क्षेत्र के लिए अभूतपूर्व संभावनाएं हैं। 21वीं सदी में दुनिया के भविष्य को तय करने में ऊर्जा क्षेत्र एक प्रमुख भूमिका निभाता है। ऊर्जा के नए संसाधनों को विकसित करने और ऊर्जा परिवर्तन में आज भारत सबसे मजबूत आवाजों में से एक है।

महामारी और युद्ध के प्रभाव के बावजूद भारत ने सबसे अच्छा किया- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महामारी और युद्ध के प्रभाव के बावजूद 2022 में भारत का एक वैश्विक उज्ज्वल स्थान रहा है। बाहरी परिस्थितियां जो भी रहीं लेकिन भारत ने आंतरिक लचीलापन की वजह से हर चुनौती को पार किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि IMF द्वारा हाल ही में किए गए विकास प्रक्षेपण से पता चलता है कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। महामारी और युद्ध के प्रभाव के बावजूद 2022 में भारत एक 'ग्लोबल ब्राइट स्पॉट' रहा है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2022 के अंत तक 10% इथेनॉल ब्लेंडिंग का लक्ष्य निर्धारित किया, हमने इस लक्ष्य को 5 महीने पहले हासिल कर लिया। हमने E20 ब्लेंडेड पेट्रोल की उपलब्धता को 2025 तक बढ़ा दिया है। कर्नाटक CM बसवराज बोम्मई ने कहा कि अगले 5 वर्ष नवीकरणीय ऊर्जा, हाइड्रोजन और अमोनिया सहित ऊर्जा के नए अवतारों के उत्पादन के लिए बहुत महत्वपूर्ण होने वाले हैं... हमारा लक्ष्य देश में नंबर-1 इलेक्ट्रॉनिक वाहन निर्माण करना है और हमारे पास इलेक्ट्रॉनिक वाहन नीति भी है जो निवेशकों के अनुकूल है।

चीन ने स्वीकारा, अमेरिकी सीमा में उड़ने वाला गुब्बारा उसी का था, गहरा सकता है विवाद

बीजिंग। अमेरिका द्वारा स्पाई बैलून को मिसाइल से गिराने के एक दिन बाद ही चीन में स्वीकार लिया है कि वो गुब्बारा चीन का था। बीजिंग ने इस बात की पुष्टि की है कि लैटिन अमेरिका के ऊपर उड़ने वाला गुब्बारा चीनी था। दूसरी ओर पेंटागन ने आज ही बयान जारी कर कहा है कि वो चीनी जासूसी गुब्बारे के अवशेष बरामद करने के लिए छानबीन कर रहा है।

अमेरिका के एयरस्पेस में दो बार दिखे इस स्पाई बैलून के दिखने के बाद दोनों देशों में विवाद बढ़ गया था। अमेरिका का आरोप है कि चीन उसकी सीमा के अंदर इस तरह के गुब्बारे भेजकर जासूसी करना चाह रहा था। बता दें कि यह गुब्बारा अमेरिका के वायुसेना बेस के ऊपर उड़ता दिखा था। इस बेस को न्यूक्लियर लॉन्च साइट के रूप में भी जाना जाता है। चीन पर जासूसी का आरोप लगाते हुए अमेरिका ने बीते दिन ही उसकी सीमा में दिख रहे स्पाई बैलून को मार गिराया था।

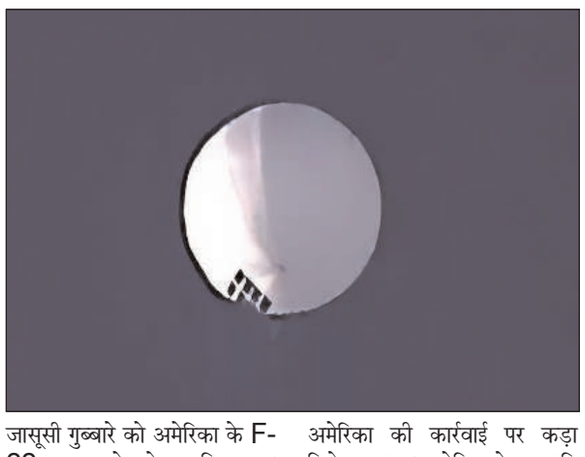

जासूसी गुब्बारे को अमेरिका के F-22 फाइटर जेट ने नष्ट किया था। बाइडन ने अटलांटिक तट के पास इसे गिराने के लिए अपनी सेना को बधाई भी दी।

करीब एक सप्ताह तक अमेरिकी वायुसीमा में रहने वाले स्पाई बैलून के चलते अमेरिका व चीन के संबंधों में तनाव पैदा हो गया है। बीते दिन अमेरिका ने गुब्बारे को मार गिराया, जिसके बाद चीन ने अमेरिका की कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बताया कि उन्होंने बुधवार को इस गुब्बारे को मार गिराने के आदेश दिए थे लेकिन रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने इसके समुद्र के नजदीक पहुंचने तक इंतजार करने की सलाह दी थी। गुब्बारे और उसमें लगे उपकरणों के मलबे से नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए ऐसा करना जरूरी था।

मोदी सरकार का बजट गरीबों पर 'गुपचुप स्ट्राइक' पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने लगाए कई आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मोदी सरकार के केंद्रीय बजट पर निशाना साधा है। उन्होंने आम बजट को गरीबों पर एक 'गुपचुप स्ट्राइक' करार दिया है। उन्होंने कहा है कि चाहे गरीब हो या मध्यम वर्ग, ग्रामीण हो या शहरी, सभी रुपये में आ रही गिरावट और आय में कमी जैसी समस्याओं को झेल रहे हैं। एक अखबार में छपे लेख में सोनिया गांधी ने कहा बजट में गरीब और मध्यम वर्ग के लिए आवंटन को कम करके स्थिति को और खराब किया जा रहा है। उन्होंने कहा, चार साल में कीमतों में वृद्धि का मतलब है कि रुपया 2018 की तुलना में काफी नीचे गिर गया है। सोनिया गांधी ने कहा, मोदी सरकार के निजीकरण ने राष्ट्रीय संपत्तियों को बहुत ही सस्ते में निजी हाथों में सौंप दिया है, इससे बेरोजगारी बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, यहां तक कि सरकार एलआईसी और एसबीआई जैसे सार्वजनिक संस्थानों को भी अपने खास दोस्तों के स्वामित्व वाली प्रबंधन कंपनियों में निवेश करने के लिए मजबूर कर रही है, इससे

करोड़ों गरीब और मध्यम वर्ग के भारतीयों की गाढ़ी कमाई को भी खतरा है। सोनिया गांधी ने अपने लेख में कहा, अब समान विचारधारा वाले दलों का कर्तव्य है कि वे हाथ मिलाएं और इस सरकार के गलत कार्यों का विरोध करें और साथ में उस बदलाव का निर्माण करें जिसे लोग देखना चाहते हैं।

'विद्वान' के तौर पर किया पंडित शब्द का उपयोग, भागवत के जातिवाद वाले बयान पर बोला RSS

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जातिवाद को लेकर दिए गए बयान पर अब RSS ने बयान जारी किया है। देश में एक ही जाति की भागवत की बात पर आरएसएस नेता सुनील आंबेकर ने कहा कि वे विद्वान के लिए पंडित शब्द का उपयोग कर रहे थे। बता दें कि आरएसएस प्रमुख ने बीते दिन कहा था कि भारत में पंडितों ने ही जाति का विभाजन किया है, नहीं तो सब एक ही जाति के थे।

पंडितों ने किया जातियों में अंतर- मोहन भागवत ने बीते दिन मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा था कि जाति, वर्ण और संप्रदाय केवल पंडितों द्वारा बनाया गया था। उन्होंने कहा कि अगर जातियों में विभाजन नहीं होता तो हमारे समाज के बंटवारे का फायदा कोई दूसरा नहीं उठा पाता, जिसके चलते देश पर आक्रमण हुए। भागवत ने कार्यक्रम में हिंदुओं से सवाल किया कि क्या हिंदू समाज को नष्ट होने का भय दिख रहा है? यह बात आपको

कोई ब्राह्मण नहीं बता सकता। आपको स्वयं समझना होगा। संघ प्रमुख ने कहा कि हमारी समाज के प्रति भी कुछ जिम्मेदारी होती है। जब हर काम समाज के लिए है, तो कोई ऊंचा या नीचा कैसे हो सकता है? भगवान ने हमेशा कहा है कि हमारे लिए सब एक हैं। उनमें कोई जाति-वर्ण नहीं है। लेकिन श्रेणियां पंडितों ने बनाईं, जो गलत था। देश में विवेक, चेतना, सभी एक है। उसमें कोई अंतर नहीं है। बस मत अलग-अलग हैं। धर्म को हमने बदलने की कोशिश नहीं की। भागवत ने कहा कि संत रविदास एवं बाबासाहब आंबेडकर ने समाज में सामंजस्य स्थापित करने का काम किया। संत रविदास ने देश और समाज के विकास के लिए मार्ग दिखाया। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संत रविदास का कद तुलसीदास, कबीर और सूरदास से भी बड़ा है। इसलिए उन्हें संत शिरोमणि माना जाता है। यद्यपि वे शास्त्रार्थ में ब्राह्मणों को नहीं हरा सके, लेकिन वे कई दिलों को छूने और उन्हें ईश्वर में विश्वास दिलाने में सक्षम थे।

उमा भारती ने स्वामी पर साधा निशानाः बोलीं- बेचारे कहीं के नहीं रहे, जहां गए वहां हार गए

हमीरपुर। मध्यप्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हमीरपुर जिले में राठ के चित्रगुप्त इंटर कॉलेज पहुंची। उन्होंने सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य और समाजवादी पार्टी पर जमकर हमला बोला। पत्रकारों द्वारा स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर सवाल करने पर उमा भारती ने कहा कि वह बेचारे कहीं के नहीं रहे, हमारे यहां से गए और वहां भी हार गए। कहा कि उनके बयान से सपा का चेहरा सामने आ गया है। उमा भारती बोलीं कि ये वही लोग हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोलियां चलवा दी थीं। बुंदेलखंड में अन्न पशुओं के सवाल पर कहा कि गौपालन सरकार नहीं समाज की जिम्मेदारी है। जब किसान गो मूत्र और गोबर से आर्गेनिक खेती करने लगेगा तो अपने आप यह समस्या समाप्त हो जाएगी। वहीं उन्होंने स्वामी ब्रन्हानंद जी की समाधि स्थल पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। स्वामी को उन्होंने चाणक्य जैसा संत बताय ।

तुर्किये और सीरिया में 1300 से ज्यादा लोगों की मौत, 7.8 तीव्रता के भूकंप ने मचाई तबाही

अंकारा। तुर्किये और सीरिया में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी के अनुसार सोमवार को तुर्किये के नूर्दगी से 23 किमी पूर्व में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। तकरीबन एक मिनट तक आए इस भूकंप की वजह से कई इमारतें धराशायी हो गईं है। इमारतों के मलबे के नीचे दबने से कुल 1300 से अधिक लोगों की मौत हो गई है।

तुर्किये में 912 तो सीरिया में 400 लोगों की मौत- जानकारी के अनुसार, भूकंप से दोनों देशों को जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। तुर्किये में 912 तो सीरिया में 400 से ज्यादा लोगों की जान इस भूकंप के चलते गई है। वहीं, घायलों का आंकड़ा 1900 के पार चला गया है। सरकारी ब्रॉडकास्टर टीआरटी की तस्वीरों के मुताबिक, तुर्किये

में इमारतों को काफी नुकसान पहुंचा है और लोग बचने के लिए बफीर्ली सड़कों पर जमा हो गए हैं। रॉयटर्स के अनुसार, भूकंप लगभग एक मिनट तक आया और इससे कई इमारतें गिर गईं और कई मकानों की खिड़कियां टूट गईं।

पीएम मोदी बोले- इस दुख की घड़ी में भारत तुर्किये के साथ- तुर्किये में भूकंप के चलते लोगों की मौत पर पीएम मोदी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि तुर्किये में जनहानि और संपत्ति के नुकसान से मैं काफी दुखी हूं। पीएम ने कहा कि भारत तुर्किये के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है और इस त्रासदी से निपटने के लिए हर संभव सहायता देने को तैयार है। हैबरटर्क टेलीविजन की मानें तो मलत्या, दियारबाकिर और मालट्या के पड़ोसी प्रांतों में भी कई इमारतें गिर गईं। हालांकि, हताहतों की संख्या पर तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। भूकंप के झटके लेबनान और सीरिया में भी महसूस किए गए। सीरिया के राज्य मीडिया ने बताया कि उत्तरी शहर अलेप्पो और मध्य शहर हमा में कुछ इमारतें ढह गईं। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज (जीएफजेड) के अनुसार मध्य तुर्किये में 10 किमी की गहराई में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया है। तुर्किये के डिजास्टर एंड इमरजेंसी मैनेजमेंट अथॉरिटी (एएफएडी) ने बताया कि भूकंप एक मिनट तक महसूस किया गया। तुर्किये के अधिकारियों ने अभी तक किसी के मरने या घायल होने की सूचना नहीं दी है, लेकिन सोशल मीडिया नेटवर्क पर पोस्ट किए गए वीडियो में कई इमारतों को धराशायी हुई दिखाया गया है। इससे पहले नवंबर 2022 में तुर्किये में भूकंप के झटके महसूस हुए थे। उस वक्त रिएक्टर स्केल पर तीव्रता 5.9 मापी गई थी। जिसकी वजह से करीब 50 लोग घायल हुए थे।

'भारत सरकार की वैक्सीन नीति अच्छी, लेकिन यह मेरी व्यक्तिगत राय', बोले थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने भारत सरकार की वैक्सीन नीति की तारीफ की है। एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत सरकार की वैक्सीन नीति अच्छी है। वैक्सीन आपने भी लगवाई और हमने भी लगवाई जो कि प्रभावी रही। वैक्सीन का प्रभाव लोगों पर अच्छा है। हालांकि उन्होंने अपने इस बयान को व्यक्तिगत बताया है। शशि थरूर ने एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा कि मुशर्रफ हमारे कट्टर दुश्मन थे, जो कारगिल के लिए जिम्मेदार थे, लेकिन 2002 के बाद यह अलग कहानी थी। पीएम वाजपेयी की भाजपा सरकार ने पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम की बातचीत की। भाजपा न जाने क्यों अपने ही पीएम पर अपनी नीतियों को लेकर हमला करना चाहती है। जब मुशर्रफ का निधन हुआ, तो मुझे दोनों की याद आई-एक कट्टर दुश्मन लेकिन उसके बाद 4 साल तक उन्होंने शांति के लिए काम किया। अगर वे वाजपेयी पर हमला करना चाहते हैं, तो मैं इसे भाजपा पर छोड़ता हूं। हम वाजपेयी जी को लेकर विनम्र हैं।

संपादकीय

जोखिम की दवा

हालांकि बाद में उन मामलों पर अलग-अलग दावे सामने आए। लेकिन अब भारत में ही बनी एक अन्य दवा की वजह से अमेरिका में कई लोगों की आंखों की रोशनी चले जाने और एक व्यक्ति की मौत की खबर आई है। अमेरिका में सेंटर फार डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन यानी सीडीसी के मुताबिक इस दवा की वजह से संक्रमण के प्रकोप में बारह राज्यों के कम से कम पचपन लोग बीमार हो गए। कुछ ही अंतराल पर ऐसी खबरें कई स्तर पर चिंता पैदा करती हैं। किसी दवा की वजह से सामने आए दुष्परिणाम की अगर इक्का-दुक्का ऐसी घटनाएं होती हैं, तो उसे प्रभावित व्यक्ति में एलर्जी मान कर इलाज किया जाता है। लेकिन अगर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को एक ही तरह की प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ रहा है, तो निश्चित रूप से यह दवा में मौजूद किसी तत्त्व का दुष्परिणाम हो सकता है, जिसकी जांच-परख किए बिना उसे बेचने और इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी गई। फिलहाल इस दवा को खरीदने और उपयोग न करने की सलाह दी गई है। संबंधित दवा कंपनी ने इसका उत्पादन रोक दिया है। मगर इससे एक बार फिर यह सवाल उठा है कि जो दवाएं किसी बीमारी या परेशानी से बचाव या उसका इलाज करने के लिए बनाई जाती हैं, वही लोगों के भीतर नया रोग पैदा करने से लेकर मौत तक की वजह कैसे बन जाती हैं! किसी भी स्थिति में दवा के दुष्परिणाम की वजह से मरीज की जिंदगी खतरे में पड़ती है या उसके रोग का इलाज ज्यादा जटिल हो जाता है तो यह विडंबना ही है। दवा बनाने वाली हर कंपनी अपनी दवाओं के असर और उनकी लाभकारी उपयोगिता के बारे में काफी बढ़-चढ़ कर दावे करती हैं। दवाओं के बारे में पेश की गई सूचनाओं में उसे हर कसौटी पर गुणवत्ता से लैस बताती हैं। लेकिन अगर उन दवाओं के इस्तेमाल से शरीर में कोई नुकसान होने के अलावा मौत तक का खतरा पैदा हो जाता है तो इसकी क्या वजह है! किसी भी दवा के निर्माण के बाद उसे खुले बाजार में भेजने से पहले उसका हर स्तर पर सुरक्षित होना सुनिश्चित किया जाता है। यह पहलू हर कंपनी अपने प्रतिनिधियों के जरिए जोर देकर बताती रहती है। फिर ऐसी दवाएं कई लोगों के लिए त्रासदी की वजह कैसे बन जाती हैं? हैरानी की बात यह भी है कि अमेरिका में जिस दवा के उपयोग से लोगों की आंखों की रोशनी चली गई, वह अमेरिका के बाजार में तो भेजा जाता है, मगर भारत में इसकी बिक्री नहीं की जाती है! वहीं कई बार ऐसी दवाएं भी भारत में आसानी से मिलने और उनके उपयोग की खबरें आती रहती हैं, जिन पर किसी दूसरे देश में पाबंदी होती है। अगर कोई एक दवा एक जगह नुकसान या खतरे की वजह बन सकती है तो वही किसी अन्य स्थान पर पूरी तरह सुरक्षित कैसे मान ली जाती है? अगर सरकार के पास बाकायदा औषधि की गुणवत्ता की जांच-परख और निगरानी आदि के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन जैसा चौकस तंत्र है तो वह दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी को लेकर क्या करता है! किसी कंपनी को दवा बनाने और उसे बेचने की इजाजत देने के लिए जांच प्रक्रिया आदि को लेकर क्या मानक अपनाए जाते हैं?

विवाह की उम्र

सरकारों ने इसके खिलाफ कड़े कानून बना रखे हैं। प्रशासन ऐसी शादियों पर नजर रखने का प्रयास करता है ताकि निर्धारित उम्र से पहले बच्चों का गठबंधन न होने पाए। मगर इन तमाम कोशिशों के बावजूद बहुत कम उम्र में बच्चों की शादी कर देने का चलन बंद नहीं हुआ है। अब ऐसी शादियों के खिलाफ असम सरकार ने व्यापक अभियान शुरू किया है। असम पुलिस का कहना है कि उसने ऐसे आठ हजार लोगों को चिह्नित किया है, जिन्होंने कम उम्र में शादी की या कराई। उनमें विवाह कराने वाले पंडित और मौलवी भी शामिल हैं। वहां की पुलिस ने इस मामले में दो हजार चौवालीस लोगों को गिरफ्तार भी किया है। राज्य सरकार का कहना है कि ऐसे विवाहों को अवैध करार दिया जाएगा। चौदह साल से कम उम्र की लड़की के साथ विवाह करने वालों के खिलाफ पाक्सो अधिनियम के तहत और चौदह से अठारह बरस के बीच की लड़कियों से विवाह करने वालों के खिलाफ बाल विवाह रोकथाम अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज होगा। हालांकि असम सरकार की इस सख्ती से वहां के प्रभावित लोगों में नाराजगी देखी जा रही है, मगर सामाजिक बदलाव के लिए उठाए गए सरकारों के ऐसे कदम को अनुचित नहीं कहा जा सकता। बेशक देश में साक्षरता दर बढ़ी है, लड़कियों को पढ़ा-लिखा कर सशक्त बनाने पर जोर है, इसका असर भी काफी देखा जा रहा है, मगर हकीकत यह भी है कि बहुत सारे वर्गों, खासकर निम्न वर्ग में विवाह की उम्र आदि को लेकर जागरूकता का अभाव है। कई समुदायों में आज भी यह मान्यता बनी हुई है कि कन्या के रजस्वला होते ही उसका विवाह कर देना चाहिए। कई समाजों में तो लड़के और लड़कियों का बचपन में ही विवाह कर दिया जाता है, फिर उनके योग्य होने के बाद गौना किया जाता यानी उन्हें साथ रहने दिया जाता है। कई समुदायों में लड़कियों की सुरक्षा के लिहाज से भी जल्दी विवाह कर दिया जाता है। वहां माना जाता है कि विवाह के बाद लड़की की अस्मिता पर प्रहार बंद हो जाता है। इन्हीं सब मान्यताओं और धारणाओं के चलते आज भी कम उम्र में विवाह का सिलसिला नहीं रुक पा रहा है। मध्यप्रदेश में तमाम कड़ाई के बावजूद हर साल अखा तीज के दिन बहुत सारे नाबालिगों की शादियां कर दी जाती हैं। मगर वैज्ञानिक तथ्य यह है कि कम उम्र में लड़कियों का विवाह कर देने और फिर उनके मां बन जाने का सीधा असर उनके स्वास्थ्य पर पड़ता है। वे जीवन भर शारीरिक रूप से कमजोर और बीमारियों से घिरी रहती हैं। वे स्वस्थ बच्चों को जन्म नहीं दे पातीं। कम उम्र में ही उनकी मौत हो जाती है। शिशु और मातृ मृत्यु दर पर काबू पाना इसी वजह से चुनौती बना हुआ है। ऐसे में असम सरकार का बाल विवाह के विरुद्ध अभियान उचित ही है। मगर इस कड़ाई में उसे यह देखने की जरूरत होगी कि जिन परिवारों के एकमात्र कमाऊ सदस्य इस अभियान में गिरफ्तार होंगे, उनके परिवार का भरण-पोषण कैसे चलेगा। राज्य सरकार को विरोध भी इसी वजह से झेलना पड़ रहा है। पर इससे न सिर्फ वहां, बल्कि दूसरे राज्यों के लोगों को भी एक सबक तो मिलेगा कि कम उम्र में विवाह करने या कराने के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं।

उपेक्षा की शिकार विरासत की बावड़ियां

कुछ बावड़ियां इतनी सम्मोहक हैं कि उनके आसपास के परिवेश में कुछ परिवर्तन करके उन्हें महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में बदला जा सकता है।भारतीय रिजर्व बैंक ने जुलाई 2018 में जब सौ रुपए का नया नोट जारी किया, तो उस पर एक ओर गुजरात की प्रसिद्ध रानी जी की बावड़ी का चित्र छापा। इस शृंखला के अलग-अलग मूल्यों के नोटों पर भारत की अलग-अलग धरोहरों के चित्र छापे गए हैं। रानी जी की वाव के नाम से प्रसिद्ध पाटन स्थित इस बावड़ी को एशिया की सबसे भव्य बावड़ी माना जाता है।

इसका निर्माण सन 1063 में राजा भीमदेव की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने कराया था। बरसों तक पुरातत्त्व की यह अमूल्य धरोहर सरस्वती नदी की गाद के नीचे दबी रही। बाद में भारतीय पुरातत्त्व विभाग ने इसे खोज निकाला और तब से यह हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करती है। यूनेस्को ने 22 जून, 2014 को इसे विश्व विरासत घोषित किया। दरअसल, देश के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद बावड़ियां न केवल अपने समय के स्थापत्य का गौरवशाली प्रतिनिधित्व करती, बल्कि अपने निर्माण काल की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों के बारे में भी जानकारी देती हैं। प्राचीनकाल में बावड़ियों को बनवाने का मूल उद्देश्य यही था कि यात्रा कर रहे लोगों या जनसामान्य को अपनी आवश्यकता का जल आसानी से उपलब्ध हो जाए। इसीलिए प्रायः यात्रा मार्गों पर, मंदिरों के बाहर, किसी सार्वजनिक स्थल के निकट बावड़ियों का निर्माण करवाया जाता था। ये बावड़ियां कुएं या कुंडों से इस दृष्टि से अलग होती थीं कि बहुधा इनमें ऐसी व्यवस्था होती थी कि आवश्यकता महसूस होने पर व्यक्ति या पूरा कारवां कुछ समय के लिए इनमें आश्रय ले सकता था। मसलन, राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराणा की बावड़ी में आवश्यकता पड़ने पर एक पूरी सैन्य टुकड़ी को छिपाया जा सकता था। यह बावड़ी नौ मंजिला है। बावड़ियों का स्थापत्य उन्हें बनवाने वाले की आर्थिक हैसियत का भी परिचय देता है। जो लोग सामर्थ्यवान होते थे, वे भव्य अलंकरण वाली बावड़ियों का निर्माण करवाते थे।

राजस्थान के बूंदी शहर को तो बावड़ियों का शहर ही कहा जाता है। अरावली की उपात्यकाओं में बसे इस छोटे से शहर में सत्तर भव्य बावड़ियां हैं। यहां भी एक रानी जी की बावड़ी है, जो मुख्य बाजार में स्थित है। इस बावड़ी के मध्य भाग में बने तोरणों का भव्य अलंकरण बरबस ही मन मोह लेता है। जलस्तर तक पहुंचने के लिए सौ सीढ़ियां हैं। 1984 तक यह बावड़ी उपेक्षा की शिकार थी। फिर कुछ लेखकों ने लगातार लेख लिखकर इसकी दुर्दशा की ओर जिम्मेदार लोगों का ध्यान आकर्षित किया। आज यह बावड़ी बूंदी आने वाले पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षणों में एक है। इस बावड़ी का निर्माण बूंदी के रावराजा अनिरुद्ध सिंह की रानी ने 1699 ईसवी में करवाया था। माना जाता है कि जब शक भारत आए तो बावड़ियों के निर्माण की कला भी लाए। मगर लोक बावड़ियों के अस्तित्व को उनसे भी प्राचीन मानता है। हरियाणा के पिंजौर और उसके आसपास स्थित बावड़ियों का संबंध पांडवों से जोड़ा जाता है। मान्यता है कि अपने निर्वासन के समय एक वर्ष तक पांडव इस इलाके में रुके थे। उन्हें आशंका थी कि कौरव या उनके गुप्तचर उनके पीने के पानी में विष मिला सकते हैं, इसलिए वे रोज नई बावड़ी खोदते और उसके जल का इस्तेमाल करते थे।

इस इलाके में तीन सौ से अधिक बावड़ियां हैं। इनमें से बहुत-सी अब नष्ट हो चुकी हैं। मध्य भारत के महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल माउंट आबू में एक मंदिर की तलहटी में स्थित दूध बावड़ी के बारे में भी माना जाता है कि यह बावड़ी मंदिर में आने वाले

देवताओं के लिए दूध का स्रोत थी। स्थानीय लोग इस दूध बावड़ी को दिव्य गाय कामधेनु का प्रतीक भी मानते हैं। यों इतिहासकारों का मानना है कि राजस्थान की चांद बावड़ी मौजूदा बावड़ियों में सबसे पुरानी है। चूंकि बावड़ियों का निर्माण पुण्यकर्म माना जाता है, इसलिए उनके वास्तु आदि के बारे में भी कुछ खास नियम थे। प्राचीन ग्रंथ अपराजितप्रेच्छा और विश्वकर्मा वास्तुशास्त्र में बावड़ियों के निर्माण के बारे में विस्तार से लिखा गया है। अपराजितप्रेच्छा के अनुसार बावड़ी में श्रीधरा, जलसांई, ग्यारह रूद्र, उमा-महेश्वर, कृष्ण, दंडपाणि, भैरव, दिक्पाल, मातृकाओं, गंगा और नवदुर्गा का निवास अवश्य होना चाहिए। यही कारण है कि मुगल काल में बनी बावड़ियों में भी इन देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को उत्कीर्ण किया गया है। माना जाता है कि इनके कारण बावड़ी नकारात्मक शक्तियों के प्रभाव से मुक्त रहती है। इसका एक मनोवैज्ञानिक कारण यह भी था कि देवताओं की उपस्थिति के कारण लोग इन बावड़ियों को गंदा नहीं करते थे।

पुरानी दिल्ली में भी कई भव्य बावड़ियां हैं। प्राचीनकाल में बावड़ियां कितनी महत्त्वपूर्ण रही होंगी, इसका अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले के नरवर नगर के ऐतिहासिक किले में नल-दमयंती के महल के सामने एक तालाब स्थित है और उस तालाब के पेटे में भी आठ कुएं और नौ बावड़ियां हैं। दरअसल, तालाब के सूख जाने पर भी ये कुंए और बावड़ियां जरूरत के लिए जरूरी पानी को स्वयं में सहेजे रखते होंगे। युद्धकाल में किलों में स्थित जलाशयों का संरक्षण बहुत ही महत्त्वपूर्ण हो जाया करता था, क्योंकि उस दौर में जलापूर्ति के लिए आज की तरह नल नहीं हुआ करते थे। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं, जब हमलावरों ने किले के अंदर जल स्रोत को इस हद तक गंदा कर दिया कि किले में बंद थोड़े से सैनिकों को मजबूरन बंद फाटक खोलकर दुश्मन की वृहत्त सेना का सामना करना पड़ा। देवगढ़ के राजा जाटवा शाह ने तो अपनी जनता और सैनिकों के लिए देवगढ़ और उसके आसपास आठ सौ से अधिक बावड़ियों और कुंओं का निर्माण करवाया था, ताकि जल संकट के कारण उसके राज्य को किसी अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। कई बावड़ियों के एक सिरे पर मंदिर हुआ करता था। दरअसल, बावड़ियों का निर्माण करवाना पुण्य का काम माना जाता रहा है और अपना पुण्य कार्य अपने आराध्य को समर्पित करने के लिए लोग बावड़ियों के ठीक सिरहाने मंदिर का निर्माण भी करवा देते थे। यह भी होता था कि किसी वृहत्त मंदिर परिसर में जल संबंधी समस्त जरूरतों की पूर्ति के लिए एक या दो बावड़ी का निर्माण करवा दिया जाता था, ताकि भक्त, यजमान और पुजारी जल संबंधी आवश्यकताओं के लिए किसी अन्य पर आश्रित न रहें। बावड़ियां ऐतिहासिक दृष्टि से तो महत्त्वपूर्ण हैं ही, अगर उन्हें उचित संरक्षण मिले तो वे वर्षा जल संचय और भूजल स्तर को बनाए रखने में भी बड़ा योगदान कर सकती हैं। कुछ बावड़ियां इतनी सम्मोहक हैं कि उनके आसपास के परिवेश में कुछ परिवर्तन करके उन्हें महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में बदला जा सकता है। मसलन, देवगढ़ इलाके में आठ सौ बावड़ियां खुदवाई गई थीं, उनमें से पंद्रह को प्रशासन द्वारा खोज लिया गया है। प्रशासन या सरकार चाहे तो इन बावड़ियों का जीर्णोद्धार करके एक ऐसा सर्किट बना सकती है, जिसमें लोग सभी बावड़ियों तक जा सकें। कुछ प्राचीन बावड़ियां मंदिरों के किनारे हैं। उन्हें धार्मिक पर्यटन से जोड़ा जा सकता है। राजस्थान की आभानेरी बावड़ी, गुजरात की रानी जी की वाव इतनी विशाल हैं कि इनके अंदर सुनियोजित तरीके से विशिष्ट सांस्कृतिक मेलों की शुरूआत की जा सकती है। अभी अनेक बावड़ियों पर असामाजिक तत्त्वों ने कब्जा किया हुआ है। बावड़ियों के संरक्षण की ईमानदार पहल उन्हें पुनः जीवन की मुख्यधारा से जोड़ेगी और यह सच साबित कर देगी कि प्राचीन बावड़ियां अभी अर्थहीन नहीं हुई हैं।

फैसला बनाम विवेक

सही फैसलों के लिए आयु, अनुभव, ज्ञान, समझ, स्थिति, परिपक्वता आदि की जरूरत होती है। बचपन में तो हम उनका अर्थ नहीं समझते, लेकिन बालिग होते-होते घर-परिवार में रूबरू होते फैसले आसानी से देख सकते हैं। अगर हम थोड़ी सूझ-बूझ और रुचि रखते हैं तो इस उम्र में फैसला लेने की परंपरागत सीख बड़ों से मिलनी शुरू हो जाती है। जिंदगी में समय के साथ पड़ाव बदलते हैं। एक उम्र में फैसले देखते हैं, फिर उनका पालन करते हैं और फिर चाहे-अनचाहे फैसले लेने का भार खुद पर आ पड़ता है। जब बड़े फैसले लिए जाते हैं तो कभी-कभी नासमझी में वे गलत, बेमतलब और आधारहीन लगते हैं, पर जब खुद फैसले लेने पड़ें तो मनमानी करते हैं, जिससे औरों को दिक्कत होती है।

तेजी से बदलते सामाजिक, आर्थिक और तकनीक के दौर में सोच बदल रही है, जिससे घर-परिवार में लिए गए फैसलों पर अमल से पहले ही प्रश्नचिह्न लगने संभव हो गए हैं। ऐसे में फैसला सही अंजाम तक पहुंचने से पहले ही दम तोड़ने लग जाता है। जहां परिवार में एक होकर, एक स्वर में फैसले लिए जाते हैं, वे आमतौर पर पार उतर जाते हैं। इससे समाज में मजबूती भी दिखती है। अगर बचपन से फैसलों की प्रक्रिया से अपने को जोड़े रखा जाता है तो सही फैसले लेने में कुशलता और दूरदर्शिता जल्द आ सकती है। जब मुखिया ने गुण-दोष के बाद फैसला लिया तो उसको लागू करवाने में उसकी मदद करनी चाहिए, तभी फैसले सिरे चढ़ते हैं। सच यह है कि परिपक्वता के अभाव में एक भी गलत फैसला गलत राह पर ले जा सकता है। इसलिए समझ-बूझ वाले व्यक्ति को यह सवाल हमेशा मथता है कि सही और गलत निर्णय की रूपरेखा क्या हो। निर्णय के वक्त यह बात कौंधती रहनी चाहिए कि उसमें दूरदृष्टि और सूझबूझ रहे। मोटे तौर पर निर्णय करने के तीन प्रधान तत्त्व हैं- अनुभव, ज्ञान और व्यक्त करने की शक्ति। फैसले लेने का हकदार कोई भी व्यक्ति उसकी सफलता और विफलता की जिम्मेदारी से नहीं बच सकता। अगर काम, क्रोध, मद, मोह, लोभ, जिद, स्वार्थ आदि विकारों में रहकर निर्णय लिए जा रहे हैं तो वे बेहतर नहीं होंगे। वहीं निर्णयों की जड़ में प्रेम, मेल-मिलाप या सरलता है और वे विवेक से प्रेरित हैं तो उसका फल आशाजनक और उत्साहवर्धक होगा। ऐसे करते समय कुछ परेशानी हो सकती है, पर संतोषजनक फल के आसार बने रहेंगे।

निर्णय तभी अर्थवान हैं जब उन पर विवेक साथ हो। विवेक की जीवंतता के लिए निरंतर अभ्यास की आदत हमेशा बनी रहनी चाहिए। निर्णय के समय विवेक जाग्रत करता है कि क्या उचित और क्या अनुचित है। अगर हम विवेक को अनसुना करते हैं और विकारों से युक्त होकर निर्णय लेते रहते हैं तो उनके दुखद परिणाम जीवन भर कचोटते हैं। ऐसे में विवेक को अनसुना करेंगे तो वह हमें सतर्क करना छोड़ देता है। खुद आत्ममंथन करते हुए गलती का दोष किस्मत पर थोपकर पल्ला झाड़ने से बचना चाहिए। अगर कुछ पसंद नहीं तो खुद को खंगालने और चर्चा करने की जरूरत है, लेकिन चुप रहकर किसी निर्णय तक नहीं पहुंचना चाहिए। एक मिनट में जिंदगी नहीं बदलती है, पर एक मिनट सोचकर लिया हुआ फैसला पूरी जिंदगी बदलने की कुव्वत रखता है। एक इच्छा कुछ नहीं बदलती, एक निर्णय जरूर कुछ बदलता है, लेकिन निश्चय सब कुछ बदल सकता है।

हमें निर्णयों से पड़ने वाले प्रभाव से सबक लेना चाहिए। यहां तक कि कुछ गलत फैसले जिंदगी का सही मतलब समझा जाते हैं। सही निर्णय से जहां दोहरा आत्म-विश्वास पैदा होता है, वहीं गलत निर्णय से दोहरा अनुभव मिलता है। किस्मत किसी का निर्णय नहीं बदल सकती पर उसका निर्णय किस्मत बदल सकता है। सही समय पर सही फैसले करके जिंदगी को आसान बनाना पड़ता है। निर्णय के वक्त जिद नहीं, दृढ़ता हो कमजोरी नहीं, बहादुरी हो जल्दबाजी नहीं, सब्र हो घमंड नहीं, विनम्रता हो..! परिणाम तो भविष्य में पड़ा हुआ है। सुलझा हुआ मनुष्य वह है, जो अपने निर्णय खुद करता है और उनके परिणाम के लिए शुद्ध रूप से दूसरे को दोष नहीं देता। जब आदमी अपनी गलतियों का वकील और दूसरों की गलतियों पर जज बनता है, तब फैसले नहीं, फासले हो जाते हैं। दूरदृष्टि से कुछ फैसले दिल पर पत्थर रखकर लिए जाते हैं। वे फैसले अच्छे नहीं होते, जो घर और समाज में दूरी बढ़ा जाते हैं। जीवन के तीन मंत्र- आनंद में वचन नहीं दिया जाए, क्रोध में उत्तर नहीं दिया जाए और दुख में संभलकर निर्णय लिया जाए। जीवन सच में सुंदर है और उसको सुंदर और सकारात्मक बनाए रखने की जिम्मेदारी हमारी है। अपने निर्णयों की नींव बदलें और फिर देखें कि जिंदगी कितनी सुंदर हो जाएगी। उचित समय पर उचित निर्णय से हमारी योग्यता परिलक्षित होती है।

चाइना को अमेरिका में जासूसी गुब्बारा इसलिए भेजना पड़ा क्योंकि चीनी उपग्रह 'खास' जानकारी नहीं दे पा रहे?

चीन दुनिया का सबसे ताकतवर देश भले नहीं है लेकिन जासूसी के मामले में वह दुनिया में सबसे बड़ा चैम्पियन है। अमेरिका सहित दुनिया के तमाम देशों में अपने अवैध चीनी पुलिस स्टेशनों का संचालन हो, अमेरिका में लगातार घुसपैठ करने के प्रयास हों या फिर मोनटाना इलाके में विशालकाय गुब्बारे के माध्यम से अमेरिका की जासूसी कराने की बात हो...ड्रैगन हर वह कदम आजमा रहा है जोकि उसे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका के बारे में गुप्त जानकारियां मुहैया करा सकता है। चीन को लेकर अमेरिका की चिंता स्वाभाविक भी है क्योंकि हाल के दिनों में अमेरिका में कई स्थानीय लोगों के पास से चीनी हथियार बरामद हुए, अमेरिकी सेना में चीनी जासूस पकड़ा गया इसके अलावा हालिया कई साइबर हमलों में चीन का हाथ सामने आया जिससे बाइडन प्रशासन चिंतित नजर आ रहा है।

जहां तक अमेरिका में आये चीनी गुब्बारे की बात है तो आपको बता दें कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय पेंटागन ने बताया है कि अमेरिका के हवाई क्षेत्र में चीनी जासूसी गुब्बारा देखा गया है जिसका आकार तीन बसों के बराबर बताया जा रहा है। पेंटागन के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल पैट राइडर के मुताबिक, अमेरिकी सरकार को एक जासूसी गुब्बारे का पता चला है और उस पर नजर रखी जा रही है। पैट राइडर ने कहा, गुब्बारे के बारे में पता चलते ही अमेरिकी सरकार ने संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि गुब्बारा वाणिज्यिक हवाई क्षेत्र से काफी ऊंचाई पर है और इससे जमीन पर लोगों को कोई खतरा नहीं है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को इस घटना के बारे में जानकारी दी गई है और पेंटागन इससे निपटने के लिए तमाम विकल्पों पर गौर कर रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की चीन यात्रा से कुछ दिन पहले यह घटना घटी है।

वैसे जिस क्षेत्र में चीनी जासूसी गुब्बारा उड़ता दिखाई दिया वहां सैन्य लिहाज से अमेरिका के महत्वपूर्ण ठिकाने हैं। अमेरिका में सवाल यह भी उठ रहा है कि यह गुब्बारा आखिर वहां तक पहुँचा कैसे और क्यों पहले इस पर नजर नहीं पड़ी? अमेरिका में विपक्ष ने यह भी सवाल किया है कि क्यों चीनी गुब्बारे को गिराने के लिए तत्काल आदेश नहीं जारी किये गये? इस संबंध में हालांकि अमेरिकी सरकार का कोई आधिकारिक बयान तो नहीं आया है लेकिन बताया जा रहा है कि ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिली और अमेरिकी उत्तरी कमान के जनरल ग्लेन वैनहर्क ने जमीन पर लोगों की सुरक्षा को संभावित खतरे के मद्देनजर कार्रवाई करते समय विशेष सावधानी बरतने को कहा है। बताया जा रहा है कि चीनी गुब्बारे पर कार्रवाई करने के लिए अमेरिका के एफ-22 लड़ाकू विमानों को तैयार रखा गया है। हालांकि अमेरिकी सरकार की पहली प्राथमिकता यही दिखी कि संवेदनशील सूचनाओं को विदेशियों के हाथ लगने से रोका जाये। अमेरिकी अधिकारियों का यह भी कहना है कि जासूसी गुब्बारा नागरिक उड्डयन के लिए कोई खतरा नहीं था क्योंकि वह वाणिज्यिक एयरलाइनों द्वारा उपयोग की जाने वाली हवाई ऊंचाई से "काफी" ऊपर था। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि चीन अपने उपग्रहों का उपयोग करके पहले ही जो जानकारी एकत्र कर सकता है, उससे अधिक जानकारी यह जासूसी गुब्बारा हासिल नहीं कर पायेगा।

उधर, मोनटाना क्षेत्र जहां चीनी जासूसी गुब्बारा दिखा है वह कम आबादी वाला क्षेत्र भले है लेकिन अमेरिका के लिए यह क्षेत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहीं पर अमेरिकी एयरफोर्स का स्पेशल बेस है, साथ ही यहां पर अमेरिका के कुछ परमाणु ठिकाने भी बताये जा रहे हैं। खबरें हैं कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जल्द ही रूस का दौरा करने जा रहे हैं इसलिए यह चीन का एक प्रयास भी हो सकता है कि अमेरिका की परमाणु ताकत का अंदाजा लगाया जाये और उस पर जिनपिंग अपने रूस दौरे के दौरान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से चर्चा कर सकें।

रविदास जयंती पर रक्त दान शिविर आयोजित

प्रखर वाराणसी। आध्यात्मिक गुरु रविदास के 646वी जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस रक्तदान शिविर का आयोजन वाराणसी में गुरु रविदास जी की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर की प्राचीर पर किया गया था। शिविर का उद्घाटन श्री गुरु रविदास जन्म स्थान पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष व डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख, संत निरंजन दास जी व एनआईडी फाउंडेशन के संस्थापक तथा चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के चांसलर सतनाम सिंह संधू द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर में, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा विज्ञान संस्थान, सर सुंदरलाल अस्पताल और पंडित दीन दयाल उपाध्याय सरकारी अस्पताल वाराणसी के ब्लड बैंक की टीम ने, डॉ वीरेंद्र कुमार सिंह और डॉ संदीप कुमार के नेतृत्व में भाग लिया। हर साल दुनिया भर से संगत श्री गुरु रविदास की जयंती मनाने के लिए सीर गोवर्धनपुर आती है। संत रविदास जी को 'शिरोमणि संत' भी कहा जाता है। शिविर में सभा को संबोधित करते हुए एन.आई.डी फाउंडेशन के संस्थापक सतनाम सिंह संधू ने कहा, "गुरु रविदास जी ने समाज के गरीब और वंचित वर्गों के उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुरुजी ने कई सामाजिक बाधाओं के बावजूद, मानव जाति को आध्यात्मिक मार्ग चुनने और एक साधारण जीवन जीने का संदेश दिया और यह मानव जाति के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत बना। हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुरु रविदास जी की शिक्षाओं के प्रति श्रद्धा व सम्मान का प्रगटावा किया है। प्रधान मंत्री ने सीर गोवर्धनपुर के विकास और सौंदर्यीकरण के लिए 50 करोड़ रुपये की घोषणा की है और इसके तहत अब तक कई परियोजनाएं पूरी भी हो चुकी हैं।" संधू ने कहा कि एनआईडी फाउंडेशन रक्तदान पर जागरूकता पैदा करने पर काम करेगा ताकि पूरे देश में जरूरतमंदों को रक्त की कमी को दूर किया जा सके। इस संदर्भ में सर सुंदरलाल अस्पताल, आई.एम.एस, बी.एच.यू के डॉ संदीप कुमार ने कहा कि, "भारत एक ऐसा देश है जहाँ सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं और हर साल लगभग 30,000 लोग वक्त पर ब्लड ना मिल पाने के कारण मर जाते हैं। ऐसे में रक्त दान शिविरों का महत्व बढ़ जाता है, जहां युवा आगे आकर जरूरतमंदों की मदद कर सकते हैं। और मुझे यह बताते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि एन.आई.डी फाउंडेशन द्वारा लगाए गए आज के इस रक्तदान शिवर में देश भर से आए लोगों ने बढ़-चढ़ कर अपना योगदान दिया है और 300 यूनिट रक्त दान करके इस शिवर को सफल बनाया है"। इस अवसर पर बोलते हुए डेरा सचखंड बल्लां के प्रमुख संत निरंजन दास जी ने कहा, "हम आज संत रविदास जी की जयंती के उत्सव पर, भक्ति आंदोलन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें भक्ति गीतों, कविताओं तथा आध्यात्मिक शिक्षाओं के माध्यम से सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जन्म स्थान मंदिर के विस्तारीकरण के लिए, हमारे प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने कई पहलें की हैं और कई परियोजनाओं की घोषणा की है। संत रविदास जन्मस्थान विकास परियोजना के प्रारंभिक कार्यों में से, मंदिर के पास लंगर हॉल, शौचालय ब्लॉक और पार्क बन कर तैयार हो चुके हैं। 4.5 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पार्क में गुरु रविदास जी की 25 फीट ऊँची कांस्य से बनी प्रतिमा, कंसर्टिना वायर्ड बाउंड्री, मार्ग, फव्वारे, शौचालय ब्लॉक, खेल का मैदान, खुला व्यायामशाला, पार्किंग जोन और आकर्षक लैंडस्केपिंग बनाए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग में 3 से 13 तक होगा धरना प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन, लखनऊ के प्रान्तीय अध्यक्ष पद्मनाम त्रिवेदी एवं प्रान्तीय महामंत्री जेपी पाण्डेय, वाराणसी क्षेत्र लो०नि०वि० वाराणसी के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनय कुमार गौतम एवं क्षेत्रीय महामंत्री अच्छेलाल पाल द्वारा प्रदेश व क्षेत्र में कार्यरत खण्डीय सहायको मे व्याप्त समस्या जैसे स्थाईकरण, जेष्ठतासूची, पदोन्ति, के विलम्ब से निस्तारण हेतु संघ द्वारा लगातार विभागीय अधिकारियों से पत्राचार करने के उपरान्त भी समस्याओं का निस्तारण न किये जाने के कारण मजबूरी वश संघ के प्रान्तीय नेतृत्व एवं क्षेत्रीय नेतृत्व ने अपने पत्रांक 05 / मि०एसो० वा०क्षे० दिनांक 01 फरवरी 2023 द्वारा धरना प्रदर्शन / हडताल की नोटिस / सूचना दी गई है। सदन में लो०नि०वि० गाजीपुर के जिलाध्यक्ष श्री अनिल कुमार त्रिपाठी एवं जिला महामंत्री श्री सुरेन्द्र यादव द्वारा अधिशासी अभियन्ता लो०नि०वि० को धरना प्रदर्शन / हडताल की नोटिस / सूचना दी गई, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय अधिकारियों की होगी। तद्क्रम में दिनांक 03 तथा 04 फरवरी को लोक निर्माण विनाय स्थित कार्यालय के समस्त खण्डों में कार्यरत खण्डीय सहायकों द्वारा अपने हाथ पर काली पट्टी बाधकर राजकीय कार्य करते हुए विरोध जताया गया तथा आज सोमवार को अपने उपस्थित पंजिका पर हस्ताक्षर करते हुए कलमबंद कर अपने मागो पर लो०नि०वि० प्रान्तीय खण्ड के प्रगड में समस्त कर्मचारी एक जूट होकर अपने माँगो को जोश के साथ नारेबाजी कर अड के सभी अधिशासी अभियन्ता से अनिल कुमार त्रिपाठी जिलाध्यक्ष एवं सुरेंद्र यादव जिलामहामंत्री द्वारा मिलकर आज कलमबंद करके अनुरोध किया गया उनके आश्वासन के साथ विरोध जताया गया और यह भी अवगत करया कि समस्याओ के निराकरण न होने तक पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पूर्व में दिये गये निदेशर्नुसार कार्यक्रम चलता रहेगा। आज के कार्यक्रम में मि०एस० के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार त्रिपाठी एवं जिला महामंत्री सुरेन्द्र यादव कार्यकारी अध्यक्ष रूद्र प्रकाश यादव उपाध्यक्ष , मन्नू सिंह यादव, संगठन मंत्री सुनिता देवी, मनोज सिंह यादव, अपित कुमार तिवारी, कृष्ण चंद्र शर्मा अशोक कृष्णमोहन, विरेन्द्र राजभर, एवं खण्डी देवी व खण्डीय अध्यक्ष के साथ-साथ समस्त खण्डों के लिपिक वर्ग उपस्थित रहे।

नई निर्गत नीतियों के विषय में हुआ ओरियंटेशन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के रायकीय बालिका इण्टर कालेज महुआबाग के सभाकक्ष में जनपद के विभिन्न विद्यालयो के छात्र/छात्राओं को विभिन्न विभागों की नई निर्गत नीतियों के विषय में एक दिवसीय ओरियेन्टेसन कार्यक्रम का आयोजन प्रोफेसर एच सी एस राठौर पूर्व कुलपति केन्द्रीय विश्वविद्यालय साऊथ बिहार बोधगया की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथ एवं अन्य अतिथियों ने सयुक्त रूप से माँ सरस्वती के छविचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके पश्चात छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत वहां उपस्थित विभिन्न विभागो के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभागीय योजना की जानकारी देते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथि ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को इस प्रकार के कार्यक्रम में शामिल होने का मौका प्रथम बार मिला है बच्चों को अपने देश, राज्य एवं अपने आसपास होने वाले कार्यक्रमों एवं सरकार की नीतियों के बारे में जानकारी होनी चाहिए। अपनी हॉबी के अनुसार बच्चे अपने कार्य क्षेत्र में आगे बढ़े अब नई तकनीकों का दौर चल रहा है नव युवा अपना स्टार्टअप स्टार्ट करके देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को इस कार्यक्रम के विषय में जानकारी प्राप्त होने तथा इन को जागरूक करने के लिए आज इस कार्यक्रम को आयोजित किया जा रहा है उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से देश-विदेश से बहुत अधिक निवेश उत्तर प्रदेश में आने की संभावना है आने वाले समय में देश के युवाओं को अर्थव्यवस्था से जोड़ना है इसीलिए आज यह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उन्होने कहा कि जितने भी लघु एवं कुटीर उद्योग हैं उन को बढ़ावा दिया

जाए एवं उन्होंने छात्र छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि सभी छात्र छात्राएं अपने दैनिक जीवन के लिए एक लक्ष्य बनाएं जिससे वह मजबूत हो सके एवं देश की भी अर्थव्यवस्था मजबूत हो सके तथा उन्होंने बैंकों के माध्यम से ऋण वितरण के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी तथा देश में उत्पादन की मात्रा को बढ़ाने पर भी अपने विचारों को रखा। उन्होने कहा कि देश में जितने भी उद्योग धंधे बंद पड़े हैं उनको दोबारा से शुरू कराया जाए तथा घरेलू उद्योगों को भी प्रोत्साहन दिया जाए घरेलू उद्योग बहुत ही शीघ्रता से शुरू किए जा सकते हैं बैंक से भी उन्हें सहायता मिल सकती है जिससे वह अपना उद्योग स्थापित आसानी से कर सकें।

कृषि और किसान समृद्ध हो- भानुप्रताप सिंह

प्रखर ब्यूरो मनिहारी/गाजीपुर। भाजपा के मंडल मनिहारी प्रथम और मनिहारी द्वितीय की कार्यसमिति बैठक मंडल अध्यक्ष हंसराज राजभर और नीतू जायसवाल की अध्यक्षता मे अलग अलग हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष भानुप्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता को सेवा का अवसर मानते हुए सनातन संस्कृति के पुनरोत्थान के साथ साथ देश के नवनिर्माण के प्रति लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि कृषि और किसान समृद्ध हो जनता सबल और स्वस्थ हो इसके लिए बजट मे सरकार ने पुरी पुरी व्यवस्था दी है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मोटे तथा बिना रासायनिक उर्वरकों से पैदा अनाज कभी हमारे जीवन के आधार स्तम्भ थे और लोग स्वस्थ और निरोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार पुनः लोगों से आह्वान किया कि हम प्राकृतिक कृषि को अपनाए और मोटे आनाजों से अपने चिकित्सा बजट को कम करें। मनिहारी प्रथम की बैठक महर्षि शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान खड़वा डीह मे तथा मनिहारी द्वितीय कि बैठक हंसराजपुर बाजार मे हुई। डाटा प्रबंधन एवं सरल एप्प संचालन समबन्ध में तकनीकी जानकारी प्रदीप सिंह दिया और बताया कि संगठन कार्यों के प्रत्येक गतिविधियों की जानकारी यहाँ संकलित की जा सकती है। कार्य समिति का संचालन चंद्रकांत सिंह एवं मोनू तिवारी ने किया। इस अवसर पर डा मुराहु राजभर, रवि प्रकाश पांडेय, अरुण सिंह, अशोक सिंह झब्बल, नागेन्द्र गुप्ता, अखिलेश सिंह, जगदीश सिंह , आनंद शंकर सिंह, राजकुमार बिंद, मणिकराज चौबे, जितेंद्र पाल, दुर्गेश सिंह,दीपक सिंह सहित आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

मोदी सरकार के खिलाफ कांग्रेस ने एसबीआई और एलआईसी का किया घेराव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जिला कॉग्रेस कमेटी ने स्थानीय शहर कोतवाली क्षेत्र के महुआबाग स्थित एलआईसी का घेराव कर नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में मिश्रबाजार स्थित एसबीआई की मुख्य शाखा के सामने धरना प्रदर्शन कर सरकार को अडानी ग्रुप को गलत तरीके से राष्ट्रीयकृत बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों द्वाराऔर एलआईसी में जमा जनता के पैसे से आर्थिक फांयदा पहुंचाने के आरोप में धरना प्रदर्शन किया और एसबीआई के सामने राष्ट्रपति को संबोधित पत्रक गाजीपुर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि मजिस्ट्रेट के हवाले से दिया। जिसमें हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट की विस्तार से निष्पक्ष जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश या संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) बनाकर जांच की मांग की है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि आम लोगों की जिंदगी भर की कमाई डूब रही है, जिससे आमआवाम चिंतित है, ऐसे में कांग्रेस कैसे चुप रहेगी, आज सरकार के दबाव में अडानी समूह पर भारतीय बैंकों का लगभग 80 हजार करोड रुपए बकाया है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कभी भी किसी खास भारतीय कारपोरेट घराने के खिलाफ नहीं रही है, लेकिन हम क्रोनी कैपिटलिज्म (घोर पूंजीवाद) के खिलाफ हैं, हम चुनिंदा अरबपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए नियम बदलने वाली सरकार और उच्च पदस्थ लोगों के विचार के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि भारत की आम जनता के लिए आज कांग्रेस सदन से सड़क

तक लड़ाई लड़ रही है और अंतिम दम तक लड़ती रहेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक अमिताभ अनिल दुबे ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आज अपने पूंजीपति दोस्त अडानी को देश का पैसा लूटने में अहम सहयोग दे रही है। आज देश की दो प्रमुख संस्थाए एसबीआई और एलआईसी की गिरती माली हालत किसी से छिपी नहीं है। आम लोगों की जिंदगी भर की कमाई आज खतरे में है। ऐसे में हमेशा गरीबों और किसानों व्यापारियों के मुद्दों पर बात करने वाली कांग्रेस पार्टी चुप कैसे रह सकती है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव जनक कुशवाहा पूर्व प्रदेश सचिव रविकांत राय, पूर्व शहर अध्यक्ष शफीक अहमद, पीसीसी सदस्य अजय कुमार श्रीवास्तव, आशुतोष गुप्ता, मुसाफिर बिंद, ज्ञान प्रकाश सिंह मुन्ना , हरिवंश चौहान,एवं हामिद अली एडवोकेट, राजीव सिंह, मंसूर जैदी, संदीप विश्वकर्मा, दिव्यांशु पांडे, उषा चतुर्वेदी, हिमांशु श्रीवास्तव मनीष राय अनुराग पांडे देव नारायण सिंह, सती राम सिंह, युसूफ जमाल जैदी, जफरुल्लाह अंसारी , हर्ष पांडे, विपुल विनायक,गायत्री गुप्ता, रईस अहमद, रतन तिवारी आलोक यादव, बृजेश पासवान,सदानंद गुप्ता, राकेश राय, माधव कृष्ण, इरफान खान , विनोद कुमार सिंह, शशिभूषण राय, विद्याधर पांडे, संजय सिंह ,अवधेश साहू ,छोटूराम, कैलाशपति कुशवाहा मोहम्मद आसिफ गयासुद्दीन अंसारी जितेंद्र कुमार बिंद वीरेंद्र कुमार राय विभूति राम कमरुद्दीन जहीर अमीन, लाल मोहम्मद अक्षय कुमार बिंद अजय दुब संजय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

34 राज्यों के बीच होगी खिताबी भिड़न्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लम्बे अर्सों के बाद प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पहली बार देशभर के युवा हैण्डबॉल खिलाड़ी अपना जलवा बिखेरते नजर आयेंगे वाराणसी को 51वां0 राष्ट्रीय सीनियर महिला हैण्डबॉल चैम्पीयनशिप की मेजबानी मिली है इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन 15 मार्च से 19 मार्च 2023 तक होगा हैण्डबाल एसोसिएशन आफ इंडिया एवं यू0पी0 हैण्डबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जाने वाली इस टूनार्मेन्ट में देश के 34 राज्य (आन्ध्र प्रदेश, अरूणांचल प्रदेश, असम, बिहार, छत्तिसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमांचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, उड़ीसा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिल नाडू, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़, जम्मू काश्मिर, लद्दाख, पाण्डुचेरी, लक्ष्यद्विप) की टीम जोर आजमाइश करेगी इस प्रतियोगिता के सभी मुकाबले वाराणसी पब्लिक स्कूल केराकतपुर, लोहता के प्रांगण में होंगे इस सन्दर्भ में एक पत्रकार वार्ता हुई जिसमें जानकारी देते हुए यू0पी0 हैण्डबॉल एसोसिएशन के महासचित डॉ0 आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि इस चैम्पियनशिप की मेजबानी काफी समय बाद यू0पी0 को मिली और यू0पी0 ने मेजवानी वाराणसी को दी है इसके सफल आयोजन के लिए तैयारियाँ पूरी कर ली गई है उन्होंने बताया कि हमारे लिए बड़े गर्व की बात है ` ये राष्ट्रीय हैण्डबॉल प्रतियोगिता चैम्पियनशिप का आयोजन प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में होने जा रहा है जिसकी अध्यक्षता डा0 दयाशंकर मिश्र दयालु राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एवं मुख्य संरक्षक की भूमिका में अस्मिता चन्द प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा बी0जे0 पी0 उत्तर प्रदेश की देख रेख में होगी लीग-कम-नॉक-आउट के आधार पर होने वाली चैम्पियनशिप में कई राज्यों की टीमें अपना दमखम दिखाएंगी` इस अवसर पर अमित पाण्डेय अध्यक्ष, वाराणसी हैण्डबॉल संघ ने कहा कि खिलाड़ियों को ठहरने की व्यवस्था वाराणसी पब्लिक स्कूल केराकतपुर, लोहता के प्रांगण में की जाएगी` इस अवसर पर सचिव शम्स तबरेज शम्पू, उपाध्यक्ष उपमा पाण्डेय, विनीता सिंह, विभव सिंह, कोषाध्यक्ष राधेकान्त शुक्ला व विद्यालय की प्रधानाचार्या, उप प्रधानाचार्या, समन्वयक एवं समस्त खेल प्रशिक्षक मौजूद थे` उक्त जानकारी अमित पाण्डेय अध्यक्ष वाराणसी हैण्डबॉल संघ ने दी।

उप मुख्यमंत्री जनपद में भ्रमण कर कई योजनाओं का करेंगे निरीक्षण

प्रखर मिजार्पुर। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का जनपद भ्रमण कार्यक्रम कल दिनांक 07 फरवरी 2022 को निर्धारित है। मा0 उप मुख्यमंत्री द्वारा जनपद में चलाये जा रहे विभिन्न विकास कार्यो का निरीक्षण, धान क्रय केन्द्र तथा विद्यालयों सहित अस्पताल का निरीक्षण भ्रमण के दौरान किया जायेगा। तत्पश्चात स्व0 राहुल प्रकाश कोल मा0 विधायक छानबे के आवास पटेहरा कला पहुँचकर मा0 उप मुख्यमंत्री जी द्वारा श्रद्धांजलि भी अर्पित की जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मा0 उप मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 07 फरवरी 2023 को जनपद सोनभद्र से चलकर 10:30 बजे मीरजापुर बार्डर पहुँचेंगे, 10:35 बजे से 10:55 बजे तक ग्राम धनसिरिया विकास खण्ड पटेहरा में गो आश्रय स्थल, अनुसूचित बस्ती का भ्रमण, आपरेशन कायाकल्प-प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया जायेगा। 11:00 बजे से 11:15 बजे तक पी0सी0एफ0-धान क्रय केन्द्र, साधन सहाकरी समिति ददरा हिनौता का निरीक्षण, 11:35 बजे ग्राम पंचायत बसही विकास खण्ड पटेहरा कला में दोपहर 12:00 बजे तक मनरेगा पार्क का निरीक्षण, वृक्षारोपण तथा श्री अम्बरीश जी केन्द्रीय सहमंत्री विश्व हिन्दू परिषद के आवास पर पहुँचेंगे, तत्पश्चात 12:10 बजे से 12:25 बजे तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पटेहरा कला का निरीक्षण, 12:50 बजे से 13:05 बजे तक निमार्णाधीन स्पर्श राजकीय द्दष्टिबाधित बालिका इंटर कालेज (आवसीय) दीप नगर पटेहरा कला का निरीक्षण किया जायेगा। तत्पश्चात श्री पाठक जी द्वारा 13:15 बजे से 13:30 बजे तक स्व0 राहुल कोल, मा0 विधायक छानबे के आवास पटेहरा कला पहुँचकर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी। 14:00 बजे से 15:00 तक भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय पीली कोठी मीरजापुर पहुँचकर मा0 जन प्रतिनिधियों, पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के पश्चात 15:20 बजे अष्टभुजा निरीक्षण गृह पहुँचेंगे जहाँ पर 16:00 बजे तक आरक्षित कार्यक्रम रहेगा। 16:00 बजे से 16:15 बजे तक माँ विन्ध्यवासिनी मन्दिर पहुँचकर दर्शन पूजन करने के पश्चात, 16:30 बजे मण्डलायुक्त कार्यालय सभागार पहुँचकर 17:30 बजे तक जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी सहित जनपदीय के अधिकारियों के साथ बैठक कर सरकार द्वारा चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं व विकास कार्यो की समीक्षा मा0 उप मुख्यमंत्री जी द्वारा किया जायेगा।

उपरोक्त कार्यक्रमो व मा0 उप मुख्यमंत्री जी के भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं हेतु जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के द्वारा विभिन्न मजिस्ट्रेटों व पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी मा0 उप मुख्यमंत्री जी के बार्डर पर रिसीव करने के साथ ही प्रत्येक स्थानों पर अलग-अलग मजिस्ट्रेटी की तैनाती की गयी हैं। जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश में पुलिस अधीक्षक को इस आशय से प्रेषित किया गया हैं कि सभी मजिस्ट्रेट के साथ समकक्ष पुलिस अधिकारी एवं कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल लगाने तथा अनुमन्य प्रोटोकाल के अनुसार बार्डर टू बार्डर स्कोट पायलट, फुल प्रूफ सुरक्षा व्यवस्था, यातायात व्यवस्था अन्य आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करायी जाय। मुख्य चिकित्साधिकारी मीरजापुर को निर्देशित किया गया कि प्रोटोकाल के अनुसार आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करायें तथा फलीड के साथ एक एम्बुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित करायी जाय। अपर जिला मजिस्ट्रेट को उपरोक्तानुसार शान्ति एवं कानून व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने हेतु निर्देश दिये गये हैं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाशत नही की जायेगी।

इंडो –नेपाल राष्ट्रीय राजमार्ग के श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेतु हुआ जर्जर, भारी वाहनों का आवागमन रुका

क्षेत्रीय जनता व बाजारवासियों में दिखी उदासीनता, जिम्मेदार मौन, पुल के मरम्मत का कार्य जल्द शुरू नहीं हुआ तो हो सकती है विस्फोटक स्थिति

अरविंद यादव/ विनोद कुमार/ मेराज अंसारी

प्रखर चंदवक जौनपुर। आजमगढ़ वाराणसी एनएच 233 इंडो नेपाल राष्ट्रीय राजमार्ग पर बना श्यामा प्रसाद मुखर्जी सेतु चंदवक को इन दिनों एनएचवे द्वारा जर्जर घोषित कर बैरियर लगा दिया गया है जिससे भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दिया गया है।जिसको लेकर क्षेत्रीय जनता समेत बाजार में भी उदासीनता साफ देखा जा रहा है छोटे बड़े व्यापारियों के व्यापार पर भी असर होता दिख रहा है।हर कोई बस यही कह रहा है कि एनएचवे पर बैरियर लगने से कठिनाइयों का सामना करने के साथ ही वाराणसी पहुंचने के लिए अतिरिक्त खर्च का बोझ भी उठाने पड़ रहे है।जबकि इसी एनएचवे से होकर वाराणसी से नेपाल के काठमांडो बसों का संचालन होता है बाबजूद इसके भी एनएचवे द्वारा पुल के जर्जर होने का बोर्ड तो लगा दिया पर ना तो पुल का मरम्मत कार्य अभी तक शुरू किया गया और न ही कार्य कब शुरू किया जायेगा इसकी जानकारी भी एनएचवे के अधिकारियों ने साझा करने का प्रयास भी किया गया बहरहाल कब और कैसे पुल की मरम्मत की जायेगी ये तो जिम्मेदार ही तय करेंगे।

चंदवक पुल पर लग रहे लोहे के बैरियर

एनएचवे द्वारा पुल का निर्माण कराया जाता है और पुल बाइस साल बाद जर्जर हो जाता है ऐसे कौन से प्रोजेक्ट पर अधिकारी काम करते है की पुल बाइस साल तक ही चलते है जिसका खामियाजा क्षेत्रीय जनता को भुगतना पड़ता है वाराणसी जाने के लिए यात्रियों को अतिरिक्त खर्च का बोझ उठाना पड़ रहा है। पुल के मरम्मत का कार्य जल्द शुरू नही किये गये तो विस्फोटक स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। - **अजीत सिंह डोभी, समाजसेवी बोडसर खुर्द**

पुल के जर्जर घोषित होने से बड़ी तादात में वाराणसी जाने वाले यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वाराणसी से ही अन्य प्रदेश में जाने के लिये ट्रेनें मिलती है जिस कारण प्रतिदिन लाखो के तादात में क्षेत्रीय जनता समेत गैर जनपद के यात्री यात्रा करते है एनएच के अधिकारियों को जल्द से जल्द पुल की मरम्मत करवाना चाहिए जिससे जल्द ही आवागमन बहाल हो सके। - **जयप्रकाश राम, पूर्व ब्लाक प्रमुख डोभी**

पुल जर्जर घोषित होने से बाजार वासियों समेत क्षेत्रीय जनता पर अतिरिक्त खर्च का बोझ उठाने पड़ रहे है आम जनता में भारी आक्रोश है स्थिति को समझते हुए एनएच के अधिकारियों को जल्द से जल्द पुल की मरम्मत का कार्य शुरू कर देना चाहिए मगर आज बैरियर लगे लगभग पांच दिन बीत जाने के बाद भी पुल का कार्य शुरू नही किया गया। **-रामेश्वर सिंह, समाजसेवी हरिदासपुर**

एन एच के अधिकारियों द्वारा बकायदा साईन बोर्ड लगाकर फरमान तो जारी कर दिया गया पर यह बताना उचित नही समझे कि आखिर कब तक जर्जर पुल की मरम्मत की जायेगी एन एच के अधिकारियों का खामियाजा आखिर क्यों आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

सुजीत सिंह, युवा समाजसेवी डोभी

संक्षिप्त खबरें

आगे बढ़ने के लिए बच्चे पढ़ाई पर दें ध्यानः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों द्वारा चलाई जा रही निशुल्क प्रेरणा कोचिंग का सोमवार को देवकली गांव में स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। बच्चों ने इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के कुलपति और अधिकारियों को अपने बीच पाकर बच्चे और गांव वाले काफी प्रफुल्लित थे। इस अवसर पर गणित विभाग के विभागाध्यक्ष और प्रेरणा कोचिंग के समन्वयक डॉ राजकुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रेरणा कोचिंग की प्रगति आख्या प्रस्तुत की और कोचिंग के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो डी. डी. दुबे ने कहा कि विश्वविद्यालय के लोगों ने अपनी प्रतिभा की साझेदारी गरीब बच्चों में करके बड़ा ही नेक कार्य किया है। प्रेरणा कोचिंग के छोटे बच्चे देश के भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि प्रेरणा कोचिंग के शिक्षकों की लगनशीलता और सतत रूप परिश्रम से निश्चित रूप से अच्छे नागरिक का निर्माण होगा। बतौर अध्यक्ष विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि जीवन में मां से बड़ा कोई नहीं होता इसलिए सबसे पहले मां की बात को माननी चाहिए। मां को भी बच्चों को पढ़ाई की ओर ध्यान केंद्रित कराना चाहिए। उन्होंने बच्चों को पढ़ाई की ओर मन केंद्रित करने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि बच्चे समय का उपयोग कर अपना सभी समय पढ़ाई में लगाएं ताकि वह परिवार, समाज और देश के काम आ सके। कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि मनुष्य में बचपन की सीख और संस्कार अंतिम तक रहते हैं, इसलिए अच्छी सीख और संस्कार को अपने जीवन में उतारें ताकि समाज और देश के निर्माण में अच्छे ढंग से भागीदारी कर सकें। स्थापना दिवस पर वित्त अधिकारी संजय कुमार राय ने कहा कि शिक्षा का मतलब विद्यार्थियों को सभ्य और सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। प्रेरणा कोचिंग इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है । इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.बीबी तिवारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन कर उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। संचालन कौशलेंद्र कुमार और धन्यवाद ज्ञापन डॉ मनीष कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को कुलपति, कुलसचिव और वित्त अधिकारी ने मेडल पहना कर सम्मानित किया। समारोह में अंजलि यादव, शिवानी यादव, अंशिका की प्रस्तुति को कुलपति ने सराहा। इस अवसर पर प्रो.अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, प्रो. रवि प्रकाश, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, डा. प्रेमचंद यादव, डॉ सुनील कुमार, डा. सुधीर कुमार उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार सिंह, डा. इंद्रेश कुमार, मैलेश कुमार, अमरजीत कुमार, अभिषेक तिवारी, अमर सिंह, सैय्यद अजमत हुसैन आदि उपस्थित थे।

सद्भावन शिक्षण संस्था की मान्यता रद्द

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के डीह पर के एक विद्यालय के प्रबंधक को विद्यालय के छत से बच्चे को उल्टा लटकाना भारी पड़ गया। अहरौरा डीह स्थित सद्भावना शिक्षण संस्था में कक्षा दो का छात्र सोनू गोलगप्पा खाने के लिए स्कूल से बाहर चला गया था। इसकी जानकारी होने पर स्कूल प्रबंधक मनोज विश्वकर्मा ने बच्चे को छत से उल्टा लटका दिया था। मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना का वीडियो भी वायरल हुआ था। घटना को संज्ञान लेते हुए मानवाधिकार सी डब्लू ए, के जनरल सेक्रेटरी नरेंद्र सिंह चौहान ने मामले की शिकायत राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग में भेजकर विद्यालय की मान्यता रद्द करने और दोषी प्रबंधक के ऊपर कठोरतम कार्यवाई करने का अनुरोध किया था। आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष सचिव बेसिक एजुकेशन उत्तर प्रदेश सरकार को सम्मन जारी कर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का सख्त निर्देश दिया था। आयोग के निर्देश के बाद ऋषिकेश दुवे विशेष सचिव ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली को दिनांक 01/02/2023 को भेजे गये रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि प्रश्नगत प्रकरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मीरजापुर के पत्र दिनांक 24.01.2023 द्वरा आख्या उपलब्ध कराई गई। जिसमे स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि दिनांक 28.10.2021 को सायंकाल सोशल मीडिया पर एक बच्चे का पैर पकड़ कर छत के दूसरी मंजिल से उलटा लटकाने का फोटो वायरल हुआ था। इसकी जांच पड़ताल करने पर संज्ञान में आया कि यह घटना अहरौरा स्थित डीह के सद्भावना विद्यालय की है। जिलाधिकारी मीरजापुर द्वारा प्रदान किये गए निर्देश के क्रम में जिला बेसिक शिक्षाधिकारी मीरजापुर द्वरा खंड शिक्षा अधिकारी नगर क्षेत्र जमालपुर एवं सिटी के साथ उक्त घटना की स्थली जांच की गई। जांचोपरांत यह संज्ञान में आया कि सद्भावना शिक्षण संस्थान अहरौरा डीह जो नर्सरी से कक्षा- 8 तक अंग्रेजी माध्यम से मान्यता प्राप्त विद्यालय है। दिनांक 27.10.2021 को समय 11:45 बजे विद्यालय के प्रबंधक मनोज कुमार विश्वकर्मा द्वरा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र सोनू यादव पुत्र श्री रंजीत यादव निवासी बूढा देइ कस्बा अहिरौरा को छत के दूसरी मंजिल से पैर पकड़कर उलटा लटका दिया गया था। इस संबंध में विद्यालय के प्रबंध मनोज कुमार विश्वकर्मा के विरुद्ध अहरौरा थाने में धारा 352, 506 एवं जेजे एक्ट की धारा 75 के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत कराया गया था । जांच समिति द्वरा की गई संस्तुति एवं सचिव उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वरा मान्यता प्रत्याहरण हेतु प्रदान की गई संस्तुति के अनुपालन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मीरजापुर के पत्रांक बेसिक /16226-34/2022- 23 दिनांक 23.01.2023 द्वरा सद्भावना शिक्षण संस्थान अहरौरा डीह मीरजापुर की मान्यता तत्काल अनुवर्ती शैक्षणिक सत्र से प्रत्याहरित की जा चुकी है।

नाबालिक के साथ पकड़ा गया आरोपी, गया जेल

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर पुलिस ने सोमवार को अपहरण के अभियुक्त को गिरफ्तार उसके कब्जे से नाबालिग को बरामद करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस को उसे 3 माह से तलाश थी। इस बाबत इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने बताया कि पुलिस उपायुक्त के सख्त निर्देश पर पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने के प्रयास में काफी दिनों से प्रयास में जुटी थी। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर धारा 363 ,504 , 506 से संबंधित अभियुक्त विक्रम गौतम पुत्र कुलदीप निवासी इब्राहिमाबाद थाना लाइन बाजार जिला जौनपुर को सुबह 11 बजे करखियाँव स्थित औद्योगिक क्षेत्र के गेट से चौकी इंचार्ज अजय यादव ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से नाबालिक को भी बरामद किया । तत्पश्चात उसे जेल भेज दिया गया। इस बाबत नाबालिक के पिता ने शिकायत की थी कि फूलपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने मौसी के यहाँ उसकी बेटी रह रही थी। लेकिन उसके गांव के बगल के युवक ने उसे बहला फुसलाकर भगा ले गया था। गिरफ्तार करने वाली टीम में चौकी इंचार्ज करखियाव अजय कुमार यादव, एसआई कोमल यादव व महिला कांस्टेबल रीना रही।

गृहमंत्री शाह की त्रिपुरा में आज दो चुनावी रैलियां

अगरतला, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को त्रिपुरा में दो चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक गृहमंत्री शाह रविवार रात को 11.30 बजे एमबीबी हवाई अड्डे पहुंचेंगे और सोमवार को खोवाई जिले के खोवाई और दक्षिण त्रिपुरा जिले के संतिर बाजार में दो रैलियों को संबोधित करेंगे। वे अगरतला में एक रोड शो में शामिल होंगे। भाजपा नेता ने बताया कि गृह मंत्री की रैलियों से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने सीएम माणिक साहा ने युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष नबादल बनिक के साथ खोवाई और संतिर बाजार का दौरा किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया केंद्रीय गृह मंत्री के रोड शो के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है।

इंफोसिस के टेस्ट में फेल, 600 कर्मचारियों को किया बाहर

नई दिल्ली , (एजेंसी)। दुनिया की कंपनियां छंटनी कर रही हैं। भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस में भी छंटनी की खबर है। कंपनी ने इंटरनल फ्रेशर एसेसमेंट टेस्ट में फेल रहने के बाद सैकड़ों नए कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है। अगस्त 2022 में कंपनी में शामिल हुए एक फ्रेशर ने बताया कि मैंने पिछले साल अगस्त में इंफोसिस में काम करना शुरू किया था और मुझे स्ट्रीम के लिए ट्रेनिंग दी गई थी। मेरी टीम के 150 में से केवल 60 लोगों ने एग्जाम पास किया था, बाकी हम सभी को 2 हफ्ते पहले टर्मिनेट कर दिया गया था। पिछले कुछ महीनों में करीब 600 फ्रेशर्स को फ्रेशर एसेसमेंट टेस्ट में फेल होने के बाद टर्मिनेट कर दिया गया था।

चीन: 10 मिनट में 49 वाहन टकराए, 16 लोगों की मौत

बीजिंग, (एजेंसी)। मध्य चीन के हुनान प्रांत में 10 मिनट के अंदर 49 वाहनों के आपस में टकराने पर कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई और 66 अन्य लोग घायल हो गए। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई। यह दुर्घटना शनिवार शाम चांगशा शहर में शुचांग-गुआंगझू राजमार्ग पर हुई। सरकार संचालित सीजीटीएन के न्यूज पार्टल ने खबर दी कि कुल 49 वाहन 10 मिनट के अंदर आपस में टकरा गए। खबर में स्थानीय यातायात पुलिस विभाग के हवाले से कहा गया कि हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई और 66 अन्य घायल हो गए। इसमें कहा गया कि सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से आठ की हालत गंभीर है।

कोर्ट के फैसले से सिक्किम नागरिकता प्रभावित नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कानून मंत्री किरण रिजिजू ने सिक्किम के लोगों को आश्वासन दिया है कि हाल ही में आए सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का वहां की नागरिकता की स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रत्येक वास्तविक भारतीय की संवैधानिक स्थिति को महत्व देती है और किसी भी कीमत पर उसकी रक्षा की जाएगी। केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने यह बात राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग से मुलाकात के बाद ट्वीट कर कही। रविवार को उन्होंने कहा कि भारत के सॉलिसिटर जनरल के माध्यम से सिक्किम सरकार का समर्थन करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में एक समीक्षा याचिका दायर की जा रही है।

पाक समर्थित नारों का वीडियो लेब भेजा

सहारनपुर, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित ग्लोकल यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह द्वारा कथित रूप से पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगाए जाने के मामले में रविवार को नया मोड आ गया । पुलिस ने नारे लगाने संबंधी वीडियो में अस्पष्टता और संदेह को देखते हुए वीडियो को जांच के लिए भेजा है। रिर्पोट आने तक आरोपी छात्रों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि वीडियो को लेकर पुलिस को मिश्रित प्रतिक्रियाएं मिलने से भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है इसलिए वीडियो को वैज्ञानिक परीक्षण के लिए भिजवाया गया है। उसके बाद ही स्थिति साफ हो पाएगी।

नए कानून के खिलाफ सड़क पर लोग

इजराइल में सुप्रीम कोर्ट के अधिकारों को नियंत्रित करने वाले कानून के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। यहां बीते पांच सप्ताह से इस कानून के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। शनिवार को भी इजराइल के तेल अवीव की सड़कों पर हजारों प्रदर्शनकारी इकट्ठे हुए और बेंजामिन नेतन्याहू सरकार के विवादास्पद कानूनी सुधारों के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इजराइली झंडे लहराकर भीड़ ने शहर की केंद्रीय काल्पन स्ट्रीट को जाम कर दिया।

माघी पूर्णिमा पर करीब 37 लाख ने लगाई डुबकी

प्रयागराज, (ब्यूरो)। दुनिया के सबसे बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक माघ मेला के पवित्र माघी पूर्णिमा स्नान पर रविवार को करीब 37 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई।

कल्पवासियों का समाप्त हुआ कल्पवास

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम तट पर आधी रात के बाद से श्रद्धालुओं का हर-हर महादेव और हर-हर गंगे के उद्घोष से पूरा मेला गुंजायमान रहा। पुण्य की डुबकी लगाने के लिए शनिवार की रात संगम पर लाखों श्रद्धालु पहुंच गए। माघ मेले के पांचवें स्नान पर्व पर हर तरफ से रेला उमड़ पड़ा। संगम समेत गंगा के घाटों पर आधी रात के बाद से ही डुबकी लगने लगे। माघ मेले का अंतिम स्नान 18 फरवरी महाशिवरात्रि को होगा। उसके बाद मेले का समापन हो जाएगा। माह भर की साधना संयम, श्रद्धा और कायाशोधन का कल्पवास के बाद कल्पवासी स्नान के बाद मां गंगा से अगले वर्ष वापस आने का अनुनय विनय के बाद विदा ले रहे हैं। कल्पवास पौष पूर्णिमा से शुरू होकर माघी पूर्णिमा के साथ संपन्न होती है।

चालान पैमेंट की होड़ में वेबसाइट हो गई क्रैश

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार ने हाल ही 11 फरवरी तक के लिए ई-चालान के जुर्माने पर 50प्रतिशत की छूट की घोषणा की थी। छूट के पहले दिन, बेंगलुरु पुलिस को 2.01 लाख पैमेंट चालान के पैमेंट के साथ 5.61 करोड़ रुपए की भारी कमाई करने में कामयाब रही। ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त एमएन अनुचेथ ने बताया कि यह कलेक्शन बहुत बड़ा रहा है और औसतन, हमें लगभग हर 16 नैनोसेकंड पर एक चालान पैमेंट मिला। करीब 2 करोड़ से अधिक ट्रैफिक नियम तोड़ने के मामले में हुए चालान हैं जिनमें से 80 प्रतिशत सिर्फ बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने बनाएं हैं। चालानों का पैमेंट करने के लिए कर्नाटक वन नाम की वेबसाइट पर प्रदान की गई 50प्रतिशत छूट का उपयोग करने के लोगों में जमकर होड़ मची, जिसके बाद बीटीपी वेबसाइट शनिवार को क्रैश हो गई। जिसके बाद आधे से ज्यादा चालान का पेमेंट पेटीएम ऐप से किए गए।

राजस्थान में योग गुरु रामदेव पर धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के बाड़मेर जिले के चौहटन थाने में रविवार को एक स्थानीय व्यक्ति ने योग गुरु स्वामी रामदेव के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई है। चौहटन थानाधिकारी भुताराम ने बताया कि स्थानीय निवासी पठाई खान ने रविवार को योग गुरु बाबा रामदेव पर धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज करवाया है। दर्ज शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है। बाड़मेर में योग गुरु बाबा रामदेव ने हिंदू धर्म की तुलना इस्लाम और ईसाई धर्म से करते हुए मुस्लिमों पर आतंक का सहारा लेने और हिंदू लड़कियों का अपहरण करने का आरोप लगाया था।

आगरा में 40 अवैध बांग्लादेशी बंदी

आगरा, (एजेंसी)। उप्र के आगरा में पुलिस ने छापेमारी कर बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुफिया एजेंसी की सूचना पर कार्रवाई की। यह सीमा पार कराने के लिए एक व्यक्ति के हिसाब से 15-20 हजार रुपए देते थे। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

सिकंदरा थाना क्षेत्र के सेक्टर-14 स्थित खाली जमीन पर कुछ बांग्लादेशी परिवार झुग्गी झोपड़ी डालकर रह रहे थे। खुफिया एजेंसी की सूचना पर पुलिस ने रविवार को यहां छापेमारी की कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस ने 15 पुरुष और 13 महिलाओं को पकड़ा है। इनके साथ 12 साल से ऊपर के 4 और 3 माह से लेकर आठ साल तक के आठ बच्चे भी हैं। जांच के दौरान पुलिस को इनमें से कुछ लोगों के पास से आधार कार्ड, पैन कार्ड और वीजा भी बरामद हुए हैं। पूछताछ में पता चला कि ये सभी लोग बंगाल बॉर्डर पार करके भारत में आए हैं।

भारतीयों को अमेरिका का वीजा पाना होगा आसान

नई दिल्ली , (एजेंसी)। भारतीयों के लिए अमेरिकी वीजा का वेटिंग पीरियड कम नहीं हो रहा है। देश के कई हिस्सों में यह अब भी 500 दिनों से ज्यादा है। इसको देखते हुए अमेरिकन एंबेसी ने एक अहम कदम उठाया है। इसके तहत किसी अन्य देश की यात्रा कर रहे भारतीय वहां स्थित अमेरिकी दूतावास में जाकर यूएस वीजा के लिए अप्वॉइंटमेंट हासिल कर सकते हैं। अमेरिकन एंबेसी इंडिया की तरफ से इस बारे में जानकारी देते हुए एक ट्वीट भी किया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका पहले ही भारतीयों के लिए वीजा का बैकलॉग कम करने की कोशिश में जुटा हुआ है।

यूएस एंबेसी इंडिया ने इस ट्वीट में कहा है कि क्या आप कोई अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करने वाले हैं? अगर हां, तो आप जिस देश की यात्रा कर रहे हैं तो वहां स्थित अमेरिकी दूतावास में वीजा के लिए अप्वॉइंटमेंट पा सकते हैं। इस ट्वीट के मुताबिक बैंकॉक स्थित अमेरिकन एंबेसी ने आने वाले महीनों में थाइलैंड की यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए बी1/बी2 वीजा अप्वॉइंटमेंट की सुविधा दी है।

इससे पहले अमेरिका ने वीजा प्रॉसेसिंग में लगने वाले समय को कम करने के लिए भी खास कदम उठाए हैं। इसके तहत पहली बार अप्लाई करने वालों के लिए स्पेशल इंटरव्यू शिड्यूल किया जा रहा है। साथ ही दूतावासों में स्टाफ की संख्या भी बढ़ाई गई है। वहीं, 21 जनवरी को मुंबई, चेन्नई, कोलकाता और हैदराबाद के वाणिज्यिक दूतावासों में स्पेशल सैटरडे इंटरव्यू भी आयोजित किए गए थे।

प. बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में चुनावी तपिश, आरोप-प्रत्यारोप जारी

बंगाल में बम ब्लास्ट, टीएमसी के दो कार्यकर्ताओं की मौत

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव से पहले राज्य के बीरभूम जिले में मोटरसाइकिल पर सवार तृणमूल कांग्रेस के दो कार्यकर्ताओं की बम फेंकने से मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि विपक्षी भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस ने आरोप लगाया कि हत्याएं टीएमसी में आंतरिक कलह का नतीजा हैं, लेकिन सत्तारूढ़ दल ने कांग्रेस पर उंगली उठाई।

वहीं इस मामले में घटना के 24 घंटे के भीतर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) का तबादला कर दिया गया, लेकिन प्रशासन ने दावा किया कि यह कदम उससे जुड़ा हुआ नहीं है। पुलिस ने कहा कि टीएमसी कार्यकर्ता न्यूटन शेख और स्थानीय पंचायत प्रमुख का भाई लाल्टू शेख मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे, तभी कुछ बदमाशों ने उन पर बम फेंका। उन्होंने बताया कि इस घटना में न्यूटन की रात में मौत हो गई, जबकि लाल्टू ने कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में दम तोड़ दिया, जहां उसे जिले के रामपुरहाट अस्पताल से स्थानांतरित किया गया था।

दो दल भिड़े, छह वाहन जले, 16 घायल

त्रिपुरा, (एजेंसी)। त्रिपुरा के खोवाई और उनाकोटी जिलों में शनिवार शाम को आपस में विरोधी दलों के बीच हुई मारपीट में कम से कम 16 लोग घायल हो गए साथ ही छह मोटर बाइकों को आग। इसके अलावा विपक्षी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के दो बूथ कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई। शांतिपूर्ण चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा सुरक्षा बढ़ाने के बावजूद माकपा सचिव जितेंद्र चौधरी ने रविवार को आरोप लगाया कि स्थानीय पुलिस की असफलता के कारण, भाजपा कार्यकर्ताओं ने बेलोनिया, संतिरबाजार, जिरानिया, धनपुर, विशालगढ़, खोवाई और कैलाशहर में विपक्षी समर्थकों पर हिंसा और हमले जारी रखे हैं।

त्रिपुरा में अब तक 29 करोड़ नकद जब्त

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के दौरान दो सप्ताह में रिकॉर्ड 29 करोड़ रुपए नकद और प्रतिबंधित सामान जब्त किया गया है। मुख्य चुनाव अधिकारी किरण गिट्टे ने रविवार को यह दावा किया। चुनाव आयोग ने हिंसा मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने और चुनाव प्रक्रिया से धन और बाहुबल को दूर रखने के लिए सभी प्रयास किए हैं। नतीजतन, चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से तीन हफ्ते पहले केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां त्रिपुरा पहुंचीं और फ्लैग मार्च और संवेदनशील क्षेत्रों में गतिविधियां शुरू कीं। ईसीआई ने शिकायतों पर कड़ी कार्रवाई की है। हम इस चुनाव को चुनाव प्रबंधन के मामले में देश के लिए मॉडल बनाने के लिए मिशन मोड में काम कर रहे हैं।

समाधान यात्रा में सीएम नीतीश के नहीं मिलने से नाराज लोगों ने की आगजनी

पटना,(एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार की समाधान यात्रा में बवाल हो गया। कटिहार में मुख्यमंत्री से नहीं मिलने दिए जाने से नाराज लोगों ने सड़क पर आगजनी और हंगामा किया। लोगों का आरोप है कि सीएम नीतीश कुमार हम लोगों से नहीं मिले। इससे कुछ दिन पहले नीतीश कुमार को सारण जिले में एक युवक ने काले झंडे दिखाए थे। जब सीएम कार्यक्रम खत्म करके पटना लौट रहे थे तभी शहर के जोगनिया कोठी के पास एक युवक ने नीतीश को काला झंडा दिखाया। युवक नीतीश के काफिले की गाड़ी के सामने खड़ा हो गया। युवक ने जैसे ही नीतीश को काला झंडा दिखाया, वहां मौजूद पुलिस प्रशासन और पुलिसकर्मियों ने युवक को हिरासत में ले लिया। नीतीश कुमार की समाधान यात्रा 7 फरवरी तक चलेगी। यात्रा की शुरुआत पश्चिमी चंपारण से 5 जनवरी को हुई थी। यात्रा के दौरान नीतीश केवल जिले के अधिकारियों के साथ आंतरिक बैठक कर रहे हैं और विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। यात्रा पश्चिम चंपारण से शुरू होकर छह जनवरी को शिवहर और सीतामढ़ी, उसके बाद 7 जनवरी को वैशाली, 8 जनवरी को सिवान, 9 जनवरी को छपरा, 11 जनवरी को मधुबनी, 12 जनवरी को दरभंगा, 17 जनवरी को सुपौल, 18 जनवरी को सहरसा, 19 जनवरी को अररिया, 20 जनवरी को किशनगंज, 21 जनवरी को कटिहार, 22 जनवरी को खगड़िया, 28 जनवरी को बांका और 29 जनवरी को मुंगेर, लखीसराय और शेखपुरा पहुंची।

बाल आयोग को स्कूल में हिजाब पहने मिलीं शिक्षिकाएं-छात्राएं

देहरादून , (एजेंसी)। विकासनगर में शिकायतों के बाद जब बाल आयोग की टीम जीवनगढ़ स्थित ब्राइट एंजल स्कूल में निरीक्षण को पहुंची तो कई शिक्षिकाएं और छात्राएं हिजाब पहने मिलीं। टीम ने अभिलेखों की भी जांच की। इसमें स्कूल के कृषि भूमि पर बने होने सहित कई कमियां पाई गईं। इस पर बाल आयोग की अध्यक्ष ने उच्च स्तरीय जांच कमेटी बनाने के निर्देश दिए। स्कूल के खिलाफ मिली शिकायतों पर शनिवार को बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना के नेतृत्व में टीम ने स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने स्कूल के अभिलेख खंगाले।

पूर्व पाक पीएम इमरान खान के साथ फोटो

आयोग को मिली शिकायत में कहा गया है कि स्कूल के प्रस्ताव की तिथि, नियमावली पंजीकृत विधान के अनुसार नहीं है। भवन गैरकानूनी ढंग से बनाया गया है। भूमि उपयोग, शिक्षक-शिक्षिकाओं का वेतन संदेहास्पद है। मुस्लिम शिक्षकों को अधिक और हिंदू शिक्षकों को कम वेतन दिया जा रहा है। मुस्लिम छात्राएं हिजाब पहनकर आती हैं। कक्षा के बीच में नमाज पढ़ने के लिए बच्चों को पास के मदरसे में ले जाया जाता है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ विद्यालय प्रबंधन समिति के मुखिया की भारतीय सेना की वर्दी में फोटो, प्रबंधन समिति में सीमा पार के लोगों का उल्लेख होने, शिक्षा, लोनिवि, एमडीडीए से संबंधित अनियमितताओं की शिकायतें भी शामिल हैं।

राष्ट्रपति के न्योते पर सुप्रीम कोर्ट के जज अमृत उद्यान पहुंचे

नई दिल्ली , (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के विशेष आमंत्रण पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट के जज अमृत उद्यान पहुंचे। इस दौरान देश के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ भी मौजूद रहे। उन्होंने अमृत उद्यान का निरीक्षण किया और यहां के रंग-बिरंगे फूलों को देखा। राष्ट्रपति भवन की ओर से इसका एक वीडियो भी साझा किया गया है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के जज अपने परिवारों के साथ दिखाई दे रहे हैं। सीजेआई ने इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत भी किया। बता दें, पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान यहां हर्बल-1, हर्बल-2, टेक्टाइल गार्डन, बोंसाई गार्डन और आरोग्य वनम जैसे उद्यान विकसित किए गए।

26 मार्च तक आम जनता के लिए खुला रहेगा अमृत उद्यान : अमृत उद्यान को जनता के लिए 31 जनवरी को खोला गया था। राष्ट्रपति भवन के बयान के मुताबिक, यह 26 मार्च तक खुला रहेगा, जहां दर्शक सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक यहां घूम सकते हैं। इसमें कहा गया है कि यह उद्यान 28 से 31 मार्च तक विशिष्ट श्रेणी के लोगों के लिए खुलेगा। इसके तहक किसानों के लिए 28 मार्च को, दिव्यांगों के लिए 29 सेना व अर्धसैनिक बलों व पुलिसकर्मियों के लिए 30 और 31 मार्च को महिलाओं व स्वयं सहायता समूह की जनजातीय महिलाओं के लिए खुलेगा।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ पत्नी के साथ।

आज का इतिहास

- **1715:** स्पेन और पुर्तगाल के बीच युद्ध समाप्त हुआ।
- **1716:** ब्रिटेन और हालैंड के बीच गठबंधन का नवीनीकरण।
- **1819:** सर थॉमस स्टैमफ़र्ड रैफ़ेल्स ने सिंगापुर की खोज की।
- **1833:** ओट्टो आधुनिक समय में यूनान के पहले सम्राट बने।
- **1911:** अमेरिका के एरिजोना में पहला वृद्धाश्रम खोला गया।
- **1941:** ब्रिटिश सेना ने लीबिया के बेनगाजी शहर पर क़ब्ज़ा किया।
- **1942:** द्वितीय विश्वयुद्ध: यूनाइटेड किंगडम ने थाईलैंड से युद्ध घोषणा की।
- **2004:** तेरहवीं लोकसभा भंग।
- **2005:** ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हरा त्रिकोणीय एक दिनी श्रृंखला जीती।
- **2008:** पीएम मनमोहन सिंह ने आइसलैंड के राष्ट्रपति रैग्ना ग्रिमसन से बात-चीत की।

संबोधन ऊना में कार्यसमिति की बैठक में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा

भारत ने अमेरिका की सिलिकॉन वैली को पछाड़ा

शिमला, (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि भारत आईटी के क्षेत्र में अमेरिका की सिलिकॉन वैली को पीछे छोड़ते हुए सबसे आगे है। श्री ठाकुर ने रविवार को ऊना में भाजपा कार्यसमिति को संबोधित करते हुए इस आशय की बात कही। उन्होंने कहा कि अन्य बातों के अलावा यहां कोविड टीकाकरण प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से उपलब्ध है, जबकि बाकी देशों के पास अभी भी यह कागज पर है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज से नौ साल पूर्व जब कांग्रेस की सरकार केंद्र में सत्ता में थी तो 12 प्रतिशत महंगाई दर था, पूरे देश में भ्रष्टाचार का बोलबाला था और देश नीतिगत पक्षाघात की ओर अग्रसर था। उन्होंने कहा कि जब भाजपा ने श्री नरेंद्र मोदी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में चुनावी रण में उतारा और उन्होंने संकल्प लिया की वह ना खाएंगे, ना खाने देंगे और तब से अब तक भाजपा की केंद्र सरकार पर किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लग पाया है।उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता केवल झूठे आरोप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि पर चिपकाने का प्रयास करते है पर उनके सभी प्रयास फेल हो जाते है। केंद्र की मजबूत सरकार ने कोविड के कठिन समय में देश में 220 करोड़ कोरोना वैक्सीन जनता को मुफ्त में लगाई, 28 महीने तक 80 करोड़ गरीबों को अनाज मुफ्त में देने का कार्य किया और इसके लिए चार लाख करोड़ रुपए केंद्र सरकार ने खर्चे किया।श्री ठाकुर ने कहा कि भाजपा अंत्योदय को ध्यान में रखकर काम करती है और अंतिम पंक्ति में जो व्यक्ति खड़ा होता है उसकी सहायता के लिए योजना बनाती है।

आज अमेरिका जैसे देश महंगाई से जूझ रहे हैं और वहां की महंगाई दर 8.3 प्रतिशत है और भारत की महंगाई दर आज 5.7 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ने जा रही है, भारत में अगर कांग्रेस साशनकाल के समय के साथ तुलना की जाए तो फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट 2 गुना से भी ज्यादा बढ़ गई है और आज देश में 90 हजार स्टार्टअप चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश डिजिटल इकोनामी की ओर बढ़ रहा है चाहे वह चाय वाला हो या रेडी फड़ी वाला, सब गूगल पर के माध्यम से व्यापार कर रहे हैं। देश में 12 लाख 62 हजार करोड़ की डिजिटल ट्रांजैक्शंस रिकॉर्ड हुई है। आज हमारे देश की विश्वसनीयता पूरे विश्व में बढ़ रही है।

पीएम ने नव दंपति को दिया आशीष...

नई दिल्ली में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के पुत्र की शादी के समारोह में पहुंचे। भाजपा अध्यक्ष के बेटे हरीश नड्डा की शादी जयपुर के होटल व्यवसायी रमाकांत शर्मा की बेटी रिद्धी से हुई है। इस दौरान पीएम मोदी ने नव दंपति को आशीष प्रदान किया।

आरबीआई की मौद्रिक नीति का रहेगा असर

शेयर समीक्षा: कंपनियों के तिमाही परिणाम भी होंगे अहम

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह वैश्विक रुख के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा नीति और कंपनियों के तिमाही परिणाम का असर रहेगा।

यह बात विशेषज्ञों ने कही। विशेषज्ञों के अनुसार, हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद पिछले दो सप्ताह में अडानी समूह के शेयरों में आई 50 प्रतिशत की गिरावट शेयर बाजार के लिए कठिन सप्ताह रहा। हालांकि बीते गुरुवार और शुक्रवार को एफएमसीजी, बैंक और आईटी समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली ने बाजार को संभाल लिया। आरबीआई की इस वर्ष की पहली द्विमासिक समीक्षा 08 फरवरी को है, जिसमें दुनिया के केंद्रीय बैंकों की तरह भारतीय केंद्रीय बैंक के भी नीतिगत दरों में बढ़ोतरी करने की प्रबल संभावना है, जिसका असर बाजार पर स्पष्ट दिखाई देगा। अगले सप्ताह भारती एयरटेल, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडालको, महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के परिणाम भी जारी होने वाला है। बाजार को दिशा देने में इन कारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। अमेरिका के मैक्रोइकॉनॉमिक डाटा अगले सप्ताह जारी होंगे। निवेशकों की अगले सप्ताह अमेरिकी बाजार की दिशा पर बारीकी से नजर रहेगी। साथ ही एफआईआई का रुख भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे वर्ष 2023 की शुरुआत से ही बाजार में भारी बिकवाली कर रहे हैं और यह अडानी समूह के संकट के बाद और तेज हो गया है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतें और रुपए का उतार-चढ़ाव भी शेयर बाजार की चाल प्रभावित कर सकती है। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 1510.98 अंक अर्थात 2.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 60841.88 अंक और एनएसई का निफ्टी 229.85 अंक यानी 1.3 प्रतिशत की तेजी के साथ 17854.05 अंक पर पहुंच गया।

फरवरी में अब तक बिकवाल रहे एफआईआई

एफआईआई ने जनवरी में कुल 155,345.35 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 196,810.08 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। उन्होंने बाजार से 41,464.73 करोड़ रुपए निकाल लिए। इसी तरह फरवरी में अबतक 2,212.58 रुपए निकाल चुके हैं। हालांकि, जनवरी में घरेलू संस्थागत निवेशकों डीआईआई की निवेश धारणा मजबूत रही है। उन्होंने बाजार में कुल 143,909.70 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 110,497.85 करोड़ रुपए निकाल लिए, जिससे वह 33,411.85 करोड़ रुपए के लिवाल रहे। उनका फरवरी में भी 4,165.57 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश रहा है।

विदेशी निवेशकों की जनवरी में सात माह में सबसे ऊंची निकासी

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने जनवरी में भारतीय शेयर बाजारों से 28852 करोड़ रुपए निकाले हैं। यह पिछले सात माह का एफपीआई निकासी का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। यह जून 2022 के बाद से एफपीआई की निकासी का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उस समय उन्होंने शेयरों से 50203 करोड़ रुपए निकाले थे। जनवरी में निकासी के बाद फरवरी के पहले सप्ताह में शेयरों से एफपीआई की निकासी 5700 करोड़ रुपए से अधिक रही है। चीन का आकर्षण बढ़ने के बीच एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाली कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पहले दिसंबर में एफपीआई ने शेयरों में 11119 करोड़ रुपए डाले थे। नवंबर में उन्होंने शेयर बाजारों में 36238 करोड़ रुपए का निवेश किया था। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में ऋण या बॉन्ड बाजार में 3531 करोड़ रुपए डाले हैं।

टॉप 9 कंपनियों की बाजार पूंजी 1.88 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1.88 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में आईटीसी रही। समीक्षाधीन सप्ताह में आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 43321.81 करोड़ रुपए बढ़कर 472353.27 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 34043.38 करोड़ रुपए बढ़कर 672935.25 करोड़ रुपए रही। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 32239.66 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 602749 करोड़ रुपए पर और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस का 26143.92 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 1274026.80 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 23900.84 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 925188.45 करोड़ रुपए तथा भारती एयरटेल का 10432.23 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 442015.45 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 7988.61 करोड़ रुपए बढ़कर 621678.35 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। एचडीएफसी की बाजार हैसियत 6503.28 करोड़ रुपए की वृद्धि के साथ 492313.07 करोड़ रुपए रही। भारतीय स्टेट बैंक एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 3792.96 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 485900.49 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 5885.97 करोड़ रुपए घटकर 1575715.14 करोड़ रुपए रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही।

मार्च तक पैन से आधार जुड़ना अनिवार्य

नहीं तो बंद हो जाएंगे कर लाभ: सीबीडीटी प्रमुख

नई दिल्ली । कुल 61 करोड़ स्थायी खाता संख्या पैन में से करीब 48 करोड़ को अबतक विशिष्ट पहचान संख्या आधार से जोड़ा जा चुका है और 31 मार्च तक ऐसा नहीं करने वाले लोगों को कारोबार एवं कर संबंधी गतिविधियों में लाभ नहीं मिल पाएंगे। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सीबीडीटी के चेयरपर्सन नितिन गुप्ता ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि अब भी कई करोड़ पैन को आधार से नहीं जोड़ा गया है लेकिन 31 मार्च की समयसीमा खत्म होने तक इस काम के भी पूरा हो जाने की उम्मीद है। सरकार ने पैन को आधार से जोड़ना अनिवार्य कर दिया है। इसके लिए 31 मार्च, 2023 की समयसीमा तय करते हुए कहा गया है कि आधार से नहीं जोड़े गए व्यक्तिगत पैन इस तारीख के बाद निष्क्रिय घोषित कर दिए जाएंगे। इसके साथ ही सरकार ने कहा है कि मौजूदा समय से 31 मार्च के बीच पैन को आधार से जोड़ने के लिए 1000 रुपए का शुल्क देना होगा। सीबीडीटी प्रमुख ने कहा, पैन को आधार से जोड़ने के बारे में कई जागरूकता अभियान चलाए गए हैं और हमने इस समयसीमा को कई बार बढ़ाया है। अगर तय समय तक पैन को आधार नहीं जोड़ा जाता है, तो उस धारक को कर लाभ नहीं मिल पाएगा क्योंकि उसका पैन ही मार्च के बाद वैध नहीं रहेगा। सीबीडीटी पिछले साल जारी एक परिपत्र में यह साफकर चुका है कि पैन के निष्क्रिय हो जाने के बाद संबंधित व्यक्ति को आयकर अधिनियम के तहत निर्धारित सभी परिणामों का सामना करना होगा। इसमें आयकर रिटर्न न दाखिल कर पाना और लंबित रिटर्न का प्रसंस्करण न हो पाने जैसी स्थितियां शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पैन को साझा पहचानकर्ता बनाने की बजट घोषणा कारोबारी जगत के लिए फायदेमंद होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में ऐलान किया है कि सरकारी एजेंसियों की डिजिटल प्रणालियों में पैन को कारोबारी प्रतिष्ठान अब एक साझा पहचानकर्ता के तौर पर इस्तेमाल कर सकेंगे।

सरकार ने अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया

घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल के टैक्स में भारी वृद्धि

नई दिल्ली । सरकार ने कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में तेजी के अनुरूप घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल के साथ डीजल और विमान ईंधन एटीएफ के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर में वृद्धि कर दी है। सरकार की ओर से तीन फरवरी को जारी आदेश में कहा गया है कि ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन ओएनजीसी जैसी कंपनियों द्वारा उत्पादित कच्चे तेल पर इस कर को 1900 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 5050 रुपए प्रति टन कर दिया गया है।

कच्चे तेल को जमीन और समुद्र के नीचे से निकाला जाता है। इसे बाद में पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन में बदला जाता है। सरकार ने डीजल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर पांच रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 7.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। एटीएफ के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर 3.5 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर छह रुपए प्रति लीटर किया गया है। नई दरें चार फरवरी से प्रभाव में आ गई हैं। इस तरह घरेलू कच्चे तेल और ईंधन के निर्यात पर कर की दरें अपने निचले स्तर से ऊपर आ गई हैं। पिछले महीने कर की दरें अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। पिछली पखवाड़ा समीक्षा में 17 जनवरी को कर दरों में कटौती की गई थी।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचेगा मोबाइल निर्यात

दिसंबर में 10000 करोड़ रुपए के मोबाइल निर्यात

नई दिल्ली। भारत पिछले कुछ वर्षों से इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण में बड़ा हो रहा है। दिसंबर 2022 में एप्पल एक महीने में एक बिलियन अमरीकी डालर के स्मार्टफोन का निर्यात करने वाली देश की पहली कंपनी बन गई। दिसंबर में 10000 करोड़ रुपए से अधिक के मोबाइल फोन निर्यात के साथ उद्योग के लिए रिकॉर्ड महीना था।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि 2023 के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण भारत से शीर्ष 10 निर्यात श्रेणी में आने वाले खंड के साथ मोबाइल फोन निर्यात करना है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सभी उपाय करेगी। 2023 में, सरकार मोबाइल फोन निर्माण से परे विनिर्माण आधार को व्यापक बनाने पर विचार करेगी। चंद्रशेखर ने कहा, 2023 के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का विजन एक लाख करोड़ रुपए के मोबाइल फोन का निर्यात है, जिसमें शीर्ष 10 निर्यात श्रेणी में मोबाइल फोन शामिल हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स विश्वस्तर पर सबसे तेजी से विकसित होने वाले उद्योगों में से एक है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों ने डिजिटल दुनिया में भारत के लोगों की जीवन शैली को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित और आकार दिया है।

कोविड-19 महामारी से प्रेरित डिजिटल धक्का से दुनिया भर में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अपनाने में लगातार वृद्धि होने का अनुमान है और यह प्रमुख वैश्विक आर्थिक चालकों में से एक बना हुआ है। भारत से मोबाइल फोन का निर्यात लगभग 45000 करोड़ रुपए का था जिसमें एप्पल और सैमसंग का दबदबा था।

एप्पल की भारत में रिकॉर्ड सेल

दुनियाभर में टेक कंपनी एप्पल को घाटे का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सिर्फ भारत में ही कंपनी को अच्छी सेल मिली है। ऐप्पल कंपनी के सीईओ टिम कुक ने खुशी जाहिर की है। टिम कुक का कहना है कि कंपनी ने भारतीय बाजार से आय में एक और नया रिकॉर्ड बनाया है। एप्पल ने भारत में सिर्फ एक महीने के अंदर करीब 8000 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन बेचकर नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है। सीएमआर के डाटा के अनुसार, पिछले साल 2022 की चौथी तिमाही में एप्पल की बिक्री में काफी तेजी आई है। कंपनी ने करीब 20 लाख आईफोन की बिक्री की है। भारत में सिर्फ एक महीने में करीब 8000 करोड़ रुपए के स्मार्टफोन सेल किए है। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 11 फीसदी बढ़कर 5.5 फीसदी पर पहुंच गई है। एप्पल को दुनिया भर में सबसे ज्यादा भारत में ही मुनाफा हुआ है। इसी कारण एप्पल कंपनी भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करने की योजना बना रही है।

तेल व गैस अन्वेषण का काम तेज करेगी ओएनजीसी

भागीदारों की भी तलाश कर रही कंपनी: चेयरमैन

नई दिल्ली । देश की शीर्ष तेल एवं गैस उत्पादक कंपनी ओएनजीसी के चेयरमैन अरुण कुमार सिंह ने कहा है कि कंपनी खोज या अन्वेषण कार्यों में तेजी लाने के लिए चार आयाम वाली रणनीति पर चल रही है। सिंह ने कहा कि ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन ओएनजीसी ने खोजे गए संसाधनों को उत्पादन स्तर तक तेजी से पहुंचाने, मौजूदा तेल गैस क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने और उत्पादन में गिरावट के रुझान पर काबू पाने के लिए विशेषज्ञों के साथ सहयोग बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की अग्रणी तेल एवं गैस खोज फर्मों को गहरे समुद्र जैसे मुश्किल इलाकों में रणनीतिक भागीदार बनाने की भी मंशा है। इसके अलावा ओएनजीसी मुंबई हाई जैसे पुराने क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने में मदद के लिए भी जानकारों को अपने साथ जोड़ने की योजना बनाई है। देश के कुल घरेलू तेल एवं गैस उत्पादन में करीब 71 प्रतिशत का योगदान देने वाले सार्वजनिक उपक्रम ओएनजीसी का उत्पादन पिछले एक दशक में लगातार गिरता गया है। इसकी मुख्य वजह मौजूद तेल एवं गैस क्षेत्रों का पुराना पड़ना है। ओएनजीसी ने 2.17 करोड़ टन कच्चे तेल का उत्पादन किया, जबकि उसका प्राकृतिक गैस उत्पादन 21.68 अरब घन फुट रहा।

उत्पादन बढ़ाने पर काम कर रही ओएनजीसी

सिंह ने कहा कि अपने परंपरागत उत्पादन आधार को बरकरार रखने के साथ ही ओएनजीसी नए क्षेत्रों के विकास और परिपक्व हो चुके क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने से जुड़ी संभावनाओं पर काम कर रही है। कंपनी के नए मुखिया के तौर पर सिंह ने कहा कि अब इसके उत्पादन को बढ़ाने के तौर-तरीकों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम गहरे समुद्र में अन्वेषण, खोजे जा चुके क्षेत्रों के मौद्रीकरण और उत्पादक क्षेत्रों से उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दे रहे हैं। इस दिशा में गहरे समुद्री क्षेत्रों में खोज के लिए सहयोग पर जोर है। इसके अलावा अन्य दो मामलों में भी हम साझेदारी के लिए तैयार हैं।

अडानी के शेयरों में गिरावट सिर्फ एक कंपनी से जुड़ा मामला

सीतारमण ने कहा, सेबी व आरबीआई चौकस

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अडानी समूह के शेयरों में आई भारी गिरावट को एक कंपनी तक केंद्रित मामला बताते हुए कहा है कि शेयर बाजार को स्थिर रखने के लिए सेबी और रिजर्व बैंक जैसे नियामकों को हमेशा चौकस रहना चाहिए। सीतारमण ने कहा है कि बैंक एवं बीमा कंपनियों ने किसी एक कंपनी में हद से अधिक निवेश नहीं किया है।

इसके साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि भारतीय बाजारों का नियामक बहुत अच्छी तरह प्रबंधन करते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंक एवं बीमा कंपनियां खुद ही आगे आकर अडानी समूह को लेकर अपनी स्थिति साफ कर रही हैं। उन्होंने कहा, इनका किसी भी एक कंपनी में अधिक पैसा नहीं लगा है। यह बात खुद वही सामने आकर कह रहे हैं। उन्होंने कहा, हां, बाजार में कभी-कभार छोटे-मोटे झटके लगते रहे हैं लेकिन ये नियामक इस तरह के मुद्दों का ध्यान रखते हैं। मेरी स्पष्ट राय है कि हमारे नियामक इस मसले में लगे हुए हैं। अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में बीते 10 दिन में भारी गिरावट आई है। हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट में शेयरों के भाव बढ़ाने के लिए गलत तरीके अपनाने के आरोप लगने के बाद इस समूह का बाजार पूंजीकरण 100 अरब डॉलर से अधिक गिर चुका है। इस मामले में नियामकों की भूमिका के बारे में पूछे जाने पर सीतारमण ने कहा, मेरी राय बस यही है कि नियामकों, चाहे वह आरबीआई हो या सेबी, को समय पर काम करना चाहिए

और बाजार को स्थिर रखने के लिए काम करना चाहिए। वित्त मंत्रालय में रहते हुए मेरा यही मत है कि नियामकों को हमेशा ही चौकस रहना चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि अडानी समूह के शेयरों में जारी गिरावट क्या सिर्फ एक समूह तक ही सीमित मामला है तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा ही लगता है। मुझे इस मामले का भारत में विदेशी पूंजी प्रवाह पर कोई असर पड़ता हुआ नहीं दिख रहा है। पिछले कुछ दिनों में विदेशी मुद्रा भंडार आठ अरब डॉलर बढ़ गया है।

आयकर की पुरानी प्रणाली हटाने की कोई समय सीमा नहीं

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि आयकर की पुरानी प्रणाली को खत्म करने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। सरकार ने सिर्फ नई और सरल टैक्स प्रणाली पेश की है जो कम आय वर्ग के लिए प्रोत्साहन की तरह है। वित्त मंत्री ने मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने इन आरोपों को खारिज किया कि कर की नई प्रणाली निजी बचत को हतोत्साहित करेगी और इसका देश की अर्थव्यवस्था पर असर होगा।

राजेश एक्सपोर्ट्स का सरकार के साथ समझौता

मुंबई। राजेश एक्सपोर्ट्स ने मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज भारत सरकार, डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स कर्नाटक सरकार और एसीसी एनर्जी स्टोरेज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता किया है। राजेश एक्सपोर्ट्स को भारत सरकार द्वारा पीएलआई योजना के तहत उन्नत रसायन प्रकोष्ठों के उत्पादन के लिए 18100 करोड़ रुपए के तीन सफल प्रतिभागियों में से एक के रूप में चुना गया है। पीएलआई योजना की आवश्यकता के अनुसार राजेश एक्सपोर्ट्स ने लिथियम लोन बैटरी के निर्माण के लिए उन्नत रसायन लिथियम आयन सेल के निर्माण द्वारा परियोजना के निष्पादन के लिए एसीसी एनर्जी स्टोरेज के नाम से 100 फीसदी सहायक कंपनी को शामिल किया है। राजेश एक्सपोर्ट्स के अध्यक्ष राजेश मेहता ने कहा कि, समझौते में मिनिस्ट्री ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज ने 5 जीडब्ल्यूएचआर गीगा फैक्ट्री की स्थापना के लिए सभी जरूरी सहायता का आश्वासन दिया है।

ब्याज दरों में बढ़ोतरी से मांग प्रभावित होगी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि से उपभोक्ताओं के लिए वित्त की लागत बढ़ेगी, जिससे भविष्य की मांग प्रभावित हो सकती है। जगुआर लैंड रोवर जेएलआर ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाले ब्रिटेन के इस ब्रांड का लक्ष्य अगले दो साल में एक पूर्ण बैटरी इलेक्ट्रिक खिलाड़ी बनने का है। जेएलआर ने कहा कि यूक्रेन संघर्ष की वजह से मुद्रास्फीति के उच्चस्तर पर पहुंचने, ऊर्जा के दाम बढ़ने और कोविड बाद आपूर्ति में अड़चनें क्षेत्र के लिए अन्य नकारात्मक कारक हैं। रिपोर्ट में कहा, 2022 में ब्याज दरों में बढ़ोतरी ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोप सहित उपभोक्ताओं के लिए वित्तपोषण लागत को प्रभावित करेगी।

दमानी ने की रियल एस्टेट की बड़ी डील

नई दिल्ली । दिग्गज निवेशक और डी-मार्ट के फाउंडर राधाकिशन दमानी देश में रियल एस्टेट के प्रापर्टी बाजार में सबसे बड़ी डील करके एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राधाकिशन दमानी के पारिवारिक सदस्य और एसोसिएट्स ने मुंबई में 1238 करोड़ रुपए में 28 हाउसिंग यूनिट्स खरीदी हैं। दस्तावेजों के अनुसार, कुछ प्रॉपर्टीज कंपनियों के नाम पर भी खरीदी गई हैं। भारत के टॉप रिटेलर्स में से एक राधाकिशन दमानी, उनके एसोसिएट्स और कंपनियों द्वारा खरीदा गया टोटल कारपेट एरिया 182084 स्क्वायर फीट है, जिसमें 101 कार पार्किंग की जगह भी शामिल है। इस डील से जुड़े सभी ट्रांजेक्शंस 3 फरवरी 2023 को रजिस्टर्ड किए गए थे। बायर्स ने मुंबई के वर्ली में एनी बेसेंट रोड पर स्थित थ्री सिक्सटी वेस्ट के टॉवर में अपार्टमेंट्स खरीदे हैं।

बिरला कॉर्पोरेशन का राजस्व बढ़ा

कोलकाता। बिरला कॉर्पोरेशन की दिसंबर तिमाही राजस्व तुलनात्मक आधार पर 9 फीसदी की दर से बढ़कर 1911 करोड़ रुपए रहा, लेकिन उच्च ईंधन लागत के चलते कंपनी की लाभप्रदता प्रभावित हुई। कंपनी का 2024 करोड़ रुपए का कुल राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 15 फीसदी अधिक था, जिसमें मुकुटबन इकाई सहायक कंपनी आरसीसीपीएल की बिक्री शामिल है, जिसने चालू वित्त वर्ष में कमर्शियल उत्पादन शुरू किया था। तिमाही के लिए मात्रा के हिसाब से कंसोलिडेटेड सीमेंट की बिक्री साल-दर-साल आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 3.72 मिलियन टन हो गई। दिसंबर तिमाही के लिए सीमेंट की उत्पादन लागत मुख्य रूप से बिजली और ईंधन के कारण पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 12 फीसदी अधिक थी, जिससे तुलनात्मक आधार पर कम नकद लाभ हुआ, जो कि पिछले साल से 32 फीसदी कम होकर 115 करोड़ रुपए रहा।

टाटा पावर शुरू करेगी सौर सेल संयंत्र

नई दिल्ली। टाटा पावर ने इस साल दिसंबर के अंत तक तमिलनाडु स्थित अपने सौर सेल और मॉड्यूल संयंत्र को चालू करने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने यह जानकारी दी। टाटा पावर ने जुलाई, 2022 में राज्य के तिरुनेलवेली जिले में 3000 करोड़ रुपए के निवेश से इस संयंत्र की स्थापना के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ एक समझौता किया था। इस संयंत्र का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। सिन्हा ने बताया कि इस साल दिसंबर के अंत तक संयंत्र को चालू करने का लक्ष्य है।

ब्याज दरें बढ़ा सकता है आरबीआई

एक-चौथाई प्रतिशत की वृद्धि संभव, आज से होगी समिति की बैठक

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर आने वाले दिनों में कुछ हद तक उदार रुख अपना सकता है। खुदरा मुद्रास्फीति में नरमी के संकेत दिखने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा अपनी प्रमुख ब्याज दर में बढ़ोतरी की गति को धीमा करने से ऐसे संकेत मिल रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस सप्ताह अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा में केंद्रीय बैंक रीपो रेट में 0.25 प्रतिशत की मामूली वृद्धि कर सकता है। आरबीआई ने दिसंबर की मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख ब्याज दर को 0.35 प्रतिशत बढ़ा दिया था। इससे पहले लगातार तीन बार इसमें 0.5-0.5 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। आरबीआई ने पिछले साल मई से महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रेपो दर में कुल 2.25 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यवधान के चलते करनी पड़ी। आरबीआई की दर निर्धारण करने वाली मौद्रिक नीति समिति एमपीसी सोमवार को तीन दिन के विचार-विमर्श की शुरुआत करेगी। एमपीसी का निर्णय आठ फरवरी को सुनाया जाएगा। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति में नरमी आ रही है, हालांकि महंगाई दर अब भी प्रत्येक केंद्रीय बैंक के लक्ष्य से काफी ऊपर है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगले कुछ महीनों में मुद्रास्फीति में और नरमी आने की संभावना है। इसके साथ ही 2023 की पहली छमाही तक दर वृद्धि का दौर खत्म हो जाएगा। इसके बाद 2023 के अंत या 2024 की शुरुआत में दरों में कटौती शुरू हो सकती है। सरकार ने आरबीआई को मुद्रास्फीति को छह प्रतिशत दो प्रतिशत ऊपर या नीचे के स्तर पर रखने की जिम्मेदारी दी हुई है।

महंगाई से मिली कुछ राहत

महंगाई दर जनवरी, 2022 से तीन तिमाहियों तक लगातार छह प्रतिशत से ऊपर बनी रही। इसमें नवंबर और दिसंबर 2022 में कुछ राहत मिली। हाउसिंग डॉट कॉम के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी ध्रुव अग्रवाल ने एमपीसी से अपनी उम्मीदों पर कहा कि आरबीआई शायद आगामी नीति घोषणा में रीपो रेट में मामूली वृद्धि पर कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि 2023 में आगे चलकर दरों में बढ़ोतरी का क्रम थम सकता है। मुंबई स्थित सरला अनिल मोदी स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की निदेशक अमिता वैद्य ने भी कहा कि मौद्रिक नीति समिति अपने सख्त रुख में कुछ ढील दे सकती है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य का नकारात्मक रुख अब भी जारी है, लेकिन घरेलू अर्थव्यवस्था में तेजी और जुझारूपन दिखाई दे रहा है। उन्होंने आगामी समीक्षा में नीतिगत दर में 0.25 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया।

विदेशी शेयरों में निवेश घटने की आशंका

नई दिल्ली । महामारी के बाद अंतरराष्ट्रीय शेयरों में सीधे निवेश में आई तेजी प्रभावित हो सकती है। उदारीकृत धन प्रेषण योजना एलआरएस का इस्तेमाल कर भारत से बाहर भेजे गए धन पर बजट में 20 प्रतिशत स्रोत पर कर संग्रह टीसीएस का प्रावधान किए जाने के बाद ऐसा होने की संभावना है। इस धन का बाद में समायोजन हो सकता है, लेकिन कर दाखिल करने तक के लिए 20 प्रतिशत पूंजी ब्लॉक करने की वजह से विदेशी शेयरों में प्रत्यक्ष निवेश प्रभावित होने की संभावना है। जीरोधा के सह संस्थापक ने कहा, साल के अंत में आयकर रिटर्न दाखिल करते समय टीसीएस का दावा किया जा सकता है। लेकिन ऐसी संभावना कम है कि तब तक के लिए 20 प्रतिशत पूंजी ब्लॉक किए जाने को लेकर लोग सहज होंगे। इसका विपरीत असर उन सभी प्लेटफॉर्मों पर पड़ेगा, जो अंतरराष्ट्रीय स्टॉकों और अंतरराष्ट्रीय क्रिप्टो एक्सचेंज की पेशकश कर रहे हैं। ध्रुव एडवाइजर्स में पार्टनर मेहुल भेडा ने कहा, इस कदम से अंतरराष्ट्रीय इक्विटी में सीधे धन लगाने से निवेशक हतोत्साहित होंगे। इससे सीधे बड़े पैमाने पर नकदी बाहर जाती है। अंतरराष्ट्रीय शेयरों में निवेश 2020 में बढ़ना शुरू हुआ। साथ ही घरेलू शेयरों और क्रिप्टोकरेंसी में भी कारोबार बढ़ा। इसकी वजह इसमें आई सरलता और शेयरों के विविधीकरण की जरूरत है। फिनटेक प्लेटफॉर्म अंतरराष्ट्रीय शेयरों की पेशकश कर रही हैं, जिसमें ग्लोबलाइज, स्टॉकल और इंडमनी आदि शामिल हैं। इन्हें हाल के वर्षों में महत्व मिला है।

वैश्विक स्तर पर जनवरी में एक लाख लोगों ने नौकरी गंवाई

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर जनवरी के महीने में करीब 1 लाख लोगों ने नौकरी खो दी, जिसमें अमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, सेल्सफोर्स और अन्य जैसी कंपनियों ने छंटनी की है। यानी कि दुनिया भर में 288 से अधिक कंपनियों द्वारा प्रतिदिन औसतन 3,300 से अधिक तकनीकी कर्मचारियों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा। एप्पल को छोड़कर हर दूसरी बड़ी टेक फर्म ने जनवरी में नौकरियों में कटौती की है, अमेजॉन के नेतृत्व में 18,000 नौकरियों में कटौती हुई, इसके बाद जनवरी में गूगल ने 12,000 और माइक्रोसॉफ्ट ने 10,000 नौकरियों में कटौती की।

सेल्सफोर्स 7,000, आईबीएम 3,900 और एसएपी 3,000 अन्य तकनीकी कंपनियां थीं, जिन्होंने पिछले महीने छंटनी की घोषणा की थी। छंटनी ट्रैकिंग साइट लेऑफ.फाई के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में, 1,000 से अधिक कंपनियों ने 154,336 कर्मचारियों की छंटनी की। तो कुल मिलाकर, 2.5 लाख से अधिक तकनीकी कर्मचारियों ने 2022 और अब में नौकरी खो दी है। 11,000 कर्मचारियों की छंटनी के बाद मेटा के संस्थापक और सीईओ मार्क जुकरबर्ग अब चाहते हैं कि 2023 दक्षता का वर्ष हो। बड़े पैमाने पर छंटनी के मौसम में शामिल होकर ऑनलाइन मार्केटप्लेस ओएलएक्स ग्रुप ने वैश्विक मंदी और मंदी की आशंकाओं के बीच पुनर्गठन के हिस्से के रूप में भारत सहित वैश्विक स्तर पर अपने कर्मचारियों के 15 प्रतिशत या 1,500 से अधिक कर्मचारियों को घटा दिया। एडटेक प्रमुख बाईजूस ने अपनी इंजीनियरिंग टीमों के 15 प्रतिशत कर्मचारियों को और निकाल दिया है। सूत्रों के मुताबिक छंटनी के एक नए दौर में कंपनी ने 1,000 से अधिक कर्मचारियों को जाने के लिए कहा, जिनमें से ज्यादातर इंजीनियरिंग टीमों से थे।

एथलेटिक्स में प्रदेश का दबदबा

शिवकन्या और अजीत कुमार को गोल्ड, मध्यप्रदेश के पुरुष वर्ग की टीम ने जीता ओवरऑल चैंपियनशिप

भोपाल। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में अंतिम दिन मध्य प्रदेश के एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और तीन कांस्य सहित पांच पदक जीते। शिवकन्या और अजीत कुमार ने अपने अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीते, भोपाल के अभय सिंह, अभिषेक कुमार मोर्य और एकता प्रदीप डे को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मप ने छह स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य सहित कुल 14 पदक जीते।

एथलीटों के शानदार प्रदर्शन से मप्र ने 21 स्वर्ण, 13 रजत और 19 कांस्य सहित कुल 52 पदकों के साथ पदक तालिका में तीसरा स्थान बरकरार है। तात्या टोपे नगर स्टेडियम पर आयोजित एथलेटिक्स चैपियनशिप में 12 फाइनल मुकाबले आयोजित हुए। बालिका वर्ग की 200 मीटर दौड़ में मप्र की शिवकन्या मुकाती ने स्वर्ण पदक जीता, हरियाणा की तमन्ना ने रजत और केरल की मेघना एस ने कांस्य पदक जीता। बालक 2000 मीटर स्टीपल चेस में मप के अजित कुमार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

इस इवेंट में हरियाणा के सुमित राठी ने रजत और उत्तराखंड के सोहेल बेग ने कांस्य पदक जीता। बालकों की 200 मीटर दौड़ में मप्र के अभय सिंह ने भी कांस्य पदक जीता। इस इवेंट में तमिलनाडु के वरुण ओरी मनोहर ने स्वर्ण और उत्तर प्रदेश के मंगल कुमार यादव ने रजत पदक जीता। बालक वर्ग के 800 मीटर दौड़ में मप्र के आदर्श कुमार मोर्य ने प्रदेश को कांस्य पदक दिलाया।

दीपेश व घनश्याम ने जिम्नास्टिक में दिलाया गोल्ड

ग्वालियर। मप के 18 वर्षीय जिमनास्ट दीपेश लश्करी ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में तीन पदक जीतकर अपने आप को निश्चित रूप से शहर में चर्चा का विषय बना लिया है। रविवार को युवा जिम्नास्ट ने अपने नाम दो और पदक जोड़े, पहला पुरुषों की कलात्मक जिमनास्टिक समानांतर बार्स में 12.033 अंकों के साथ फिर से रजत और पुरुषों की कलात्मक जिमनास्टिक क्षैतिज बार में एक स्वर्ण के साथ दबदबा बनाया। मध्य प्रदेश की जिम्नास्टिक टीम के लिए यह एक अच्छा दिन था क्योंकि घनश्याम बिल्लोरे स्वर्ण पदक और दीपेश लश्करी के साथ समृद्धि भोकरदनकर ने रिदमिक जिम्नास्टिक क्लब फाइनल्स में कांस्य पदक जीता। मध्य प्रदेश ने जिम्नास्टिक में पांच पदक अपने नाम कर लिए हैं।

बालिका फुटबाल में मप्र ने केरल को हराया

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 में बालाघाट के मुलना स्टेडियम में मध्यप्रदेश और केरल के बीच बालिका फुटबाल स्पर्धा के दूसरे मैच में दो मजबूत दावेदारों के बीच कांटे की टक्कर देखी गई। मध्यप्रदेश की टीम शुरू से ही इस मुकाबले में आक्रामक नजर आई। पहले हाफ में दोनों टीम कोई भी गोल नहीं कर सकीं। दूसरे हाफ में मेजबान टीम लय पकड़ती हुई दिखी और 65वें मिनट में हर्शीला दहारे ने गोल दाग कर मध्यप्रदेश को बढ़त दिला दी। केरल की टीम इस चोट से उभर पाती उससे पहले वंदना यादव ने 80वें मिनट में गोल दाग कर मेहमान टीम की मुकाबले में वापसी कठिन कर दी।

कबड्डी में मध्य प्रदेश की बेटियां जीतीं लेकिन बेटे हारे

इंदौर। अभय प्रशाल इंडोर हाल में रविवार से कबड्डी के मुकाबले शुरू हुए। मप्र की लड़कियों ने ग्रुप-ए के अपने पहले मुकाबले में तेलंगाना को 46-28 से हराया लेकिन लड़कों के वर्ग में मेजबान टीम को अपने पहले मैच में राजस्थान के हाथों 33-55 से हार मिली। इसी तरह फुटबाल में भी मध्य प्रदेश की टीम को हार मिली। उसे केरल ने 5-0 से हराया। दिन के पहले मैच में मप्र ने महिलावर्ग में तेलंगाना को 46-28 से हराया।

मेरी प्राथमिकता जूते खरीदना नहीं, परिवार की मदद करना है : धार स्थित खारपुरा गांव की रहने वाली एथलीट शिवकन्या मुकाती ने बताया कि वे गरीब परिवार से आती हैं। उनके पास यदि पैसे आए तो वे अपने परिवार की मदद करेंगे। शिवकन्या ने बताया कि मेरे पास नए जूते नहीं थे तो मैं फटे जूते से प्रैक्टिस की। शिवकन्या ने बताया कि मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरा उत्साह बढ़ाया है। हालही में मेरे पिता बहुत बीमार थे। इलाज के लिए जमीन भी बेचनी पड़ी। उस दौरान भी पिता मुझे खेल के लिए प्रेरित करते थे। मेरे परिवार में मेरे माता-पिता व एक बड़ा भाई तथा एक छोटी बहन है। जिन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढ़ाते हुए मुझे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

हॉकी में मप्र ने झारखंड को हराया

मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी में खेली जाने वाली हॉकी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने वाले ग्वालियर में मेजबान टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, जहां पुरुष टीम ने झारखंड को 5-1 से जबकि महिला टीम ने ओडिशा को 5-0 से हराया। मध्य प्रदेश की पुरुष हॉकी टीम के लिए जो झारखंड का सामना कर रही थी, मोहम्मद जैद खान ने 27वें मिनट में मेजबान टीम के लिए पहला गोल दागा। छह मिनट बाद श्रेयस धूपे ने मेजबानों के लिए इसे दोगुना कर दिया। अली अहमद 36 मिनट और सत्यम बार्डे 39 मिनट के त्वरित अंतराल पर दो और गोलों ने मेजबान टीम को 4 गोल की आसान बढ़त दिला दी।

अलिशा इंटरप्राईजेज एवं डीजीपी 11 की जीत के साथ शुभारंभ

भोपाल। चैलेन्जर स्पोर्टस एंड कल्चरल सोसायटी के तत्वावधान में स्व. रतनलाल चौधरी स्मृति में 15वीं टी-20 एवं प्रथम अखिल भारतीय क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ बाबेअली क्रिकेट ग्राउंड पर हुआ। आर्किटेक्ट इलेवन एवं अलिशा इन्टरप्राईजेज के मध्य पहला मैच हुआ। जिसमें अलिशा इंटरप्राईज ने निर्धारित 20 ओवर में 231 रन बनाये, जिसमें प्रशांत सिंह ने 103रन बनाये। जबावी पारी खेलते हुए आर्किटेक्ट इलेवन की पूरी टीम 101 रन ही बना पाई। अलिशा इन्टरप्राईज ने यह मैच 130 रनों से जीता। अलिशा के प्रशांत को दोहरे अच्छे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरा मैच डीजीपी इलेवन एवं नगर निगम के मध्य खेला गया, जिसमें डीजीपी ने 172 रन बनाये। जबाबी पारी में नगर निगम की पूरी टीम 142 रनों पर ही ऑल आउट हो गई। डीजीपी इलेवन के अरुण सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए। डीजीपी इलेवन ने 30 रनों से मैच अपने नाम किया। अरुण सिंह मैन ऑफ द मैच रहे। टूर्नामेंट का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अरूणेश्वर सिहदेव, ऋषि अरोरा, डायरेक्टर रियान ग्रुप, सार्थक ताम्रकर, धनंजय गुप्ता, मनोज राठौर सहित आयोजक समिति के अध्यक्ष प्रदीप चौधरी एवं समिति के अन्य पदाधिकारी देवेन्द्र सिंह बना, रूपेश करोसिया, नरेश चौधरी, महेश चौधरी, जीतू बलुआ, राजा करोसिया, भरत यादव, भूरा पारोचे उपस्थित रहे।

सुआरेज ने ग्रेमियो के लिए दागा गोल

ब्राजील। पूर्व लिवरपूल और बार्सिलोना के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने एइमोर पर 3-0 की घरेलू जीत में दो गोल कर ब्राजील के ग्रेमियो के लिए अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। रिपोर्ट के अनुसार, 36 वर्षीय स्ट्राइकर ने हेडर के साथ अपना खाता खोला और फिर एक गलत डिफेंडर पास का फायदा उठाते हुए गोल किया। सुआरेज ने अब ग्रेमियो के लिए पांच मैचों में सात बार गोल किया है, जिसके साथ वह पिछले महीने उरुग्वे के नैशनल टीम से जुड़े थे। सुआरेज ने कहा, जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं। मैं खुश हूं और फॉर्म में आ रहा हूं, और हम एक-दूसरे को थोड़ा और जान रहे हैं। सुआरेज ने ग्रेमियो के प्रशंसकों की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, प्रशंसकों और खिलाड़ियों के बीच एक संबंध है, जिसने मुझे पहले दिन से ही बेहतर महसूस करा दिया है।

मुंबई इंडियंस में झूलन को बड़ी जिम्मेदारी

मजबूत कोचिंग स्टाफ के साथ मैदान पर उतरेगी टीम

मुंबई । दिग्गज महिला तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को मुंबई इंडियंस ने आगामी महिला प्रीमियर लीग डब्ल्यूपीएल के शुरुआती सत्र के लिए टीम का मेंटोर मार्गदर्शक और गेंदबाजी कोच की दोहरी भूमिका सौंपी है।

इंग्लैंड की महिला टीम की पूर्व कप्तान और महिला वनडे और टेस्ट में दूसरी सबसे ज्यादा रन बनाने वाली चार्लोट एडवर्ड्स को मार्च में होने वाले उद्घाटन सत्र के लिए फ्रेंचाइजी का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। भारत की पूर्व ऑलराउंडर देविका पल्शिकर बल्लेबाजी कोच होंगी, जबकि तृप्ति चंदगडकर भट्टाचार्य टीम मैनेजर होंगी। इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम की सीरीज के बाद पिछले साल संन्यास लेने वाली पद्मश्री झूलन के नाम दो दशकों से अधिक के करियर में 350 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं। वह महिला वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उनके नाम दर्ज है। झूलन जनवरी 2016 में आईसीसी महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची थी। संन्यास के बाद वह वह बंगाल की महिला टीम का मार्गदर्शन कर रही हैं। एडवर्ड का करियर भी लगभग दो दशक का रहा है। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप खिताब जीता है। संन्यास के बाद 43 साल की यह खिलाड़ी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया में कई टीम के साथ कोच के तौर पर काम कर चुकी है।

भारत की संभावना शीर्ष क्रम पर निर्भर

टी20 विश्वकप में भारत के प्रदर्शन पर बोलीं मिताली राज

केपटाउन । भारत की दिग्गज बल्लेबाज मिताली राज का मानना है कि हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम के लिए महिला टी20 विश्व कप जीतने की संभावना काफी हद तक शीर्ष क्रम के फॉर्म पर निर्भर करेगी। मिताली ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद आईसीसी से कहा, भारत की संभावना काफी हद तक शीर्ष क्रम पर निर्भर करेगी।

स्मृति मंधाना अच्छा खेल रही हैं और मैच विजेता हैं। हरमनप्रीत कौर भी अच्छी फॉर्म में दिख रही हैं, लेकिन हमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को हराना है, आपको बड़ी टीमों के खिलाफ जीतने के लिए अन्य बल्लेबाजों की जरूरत है। मिताली ने यह भी महसूस किया कि अंडर19 महिला टी20 विश्व कप में विजेता भारतीय टीम की सदस्य युवा शेफाली वर्मा और ऋचा घोष को दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में टूर्नामेंट खेलने के बाद अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए और गेंदबाजों को इस अवसर पर आगे बढ़ना होगा। गेंदबाजी का परीक्षण किया जाएगा और यहीं हमें सुधार देखने की जरूरत है। मिताली ने कहा कि मेग लैनिंग के नेतृत्व में

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 विश्व कप खिताब की हैट्रिक पूरी करने के लिए प्रबल दावेदार है।

शेफाली व ऋचा करेंगे बेहतर प्रदर्शन

उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि शेफाली वर्मा और ऋचा घोष का भी विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन होगा क्योंकि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में परिस्थितियों का इतना अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने आगे कहा, मैं कुछ युवा खिलाड़ियों के आने से उत्साहित हूं और अंडर19 टीम में निश्चित रूप से कुछ प्रतिभा हैं, जिसे मुझे पहले आईसीसी अंडर19 महिला टी20 विश्व कप में खेलते हुए देखने का मौका मिला था।

महिला भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत ने कहा

अंडर-19 महिला टी20 विजेता टीम से मिली प्रेरणा

केपटाउन। भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम को महिला अंडर19 टी20 टीम ने विश्व कप विजेता बनकर टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। दक्षिण अफ्रीका में महिला टी20 विश्व कप शुरू होने में सिर्फ एक हफ्ते का समय बाकी है। 29 जनवरी को महिला क्रिकेट में पहली बार विश्व खिताब के लिए भारत का शानदार अभियान रहा, जब शेफाली वर्मा की अगुआई वाली टीम ने पहले आईसीसी अंडर19 महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से हरा दिया। शेफाली और ऋचा घोष 10 से 26 फरवरी तक होने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए हरमनप्रीत की अगुवाई वाली टीम में शामिल हो गई हैं। भारत ने पिछली बार 2020 महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बनाई थी, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजी में जीता था। उन्होंने कहा, अंडर-19 विश्व कप देखने के बाद हम अच्छा करने के लिए प्रेरित हुए हैं। उन्होंने हमें अच्छा करने के लिए प्रेरित किया है।

एक बार फिर भारतीय जर्सी पहनने को उत्साहित : जडेजा

पांच माह बाद टीम में होगी वापसी

नागपुर। घुटने की चोट और सर्जरी के कारण पांच महीने से ज्यादा समय तक क्रिकेट से दूर रहे भारतीय हरफनमौला रवींद्र जडेजा ने रविवार को कहा कि वह एक बार फिर भारतीय जर्सी पहनने के लिये उत्साहित हैं। जडेजा ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई की ओर से जारी एक वीडियो में कहा, मैं करीब पांच महीने बाद एक बार फिर भारतीय जर्सी पहनने को लेकर उत्साहित और खुश हूं। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे एक बार फिर यह मौका दिया गया है।

यहां तक पहुंचने का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा। अगर आप क्रिकेट नहीं खेलते हैं, तो आपके लिये यह स्थिति बहुत निराशाजनक हो जाती है। मैं जल्द से जल्द फिट होने और भारत के लिये खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। जडेजा ने भारत के लिये अपना आखिरी मैच अगस्त 2022 में एशिया कप में खेला था, जिसके बाद घुटने की चोट ने उन्हें सर्जरी करवाने के लिये मजबूर कर दिया था। जडेजा इस सर्जरी के कारण टी20 विश्व कप में भी हिस्सा नहीं ले सके थे। जडेजा ने अपनी चोट के बारे में बताया, मेरे घुटने में परेशानी थी और मुझे कभी न कभी सर्जरी करवानी ही थी। मुझे निर्णय लेना था कि मैं यह टी20 विश्व कप के बाद करवाऊं या पहले। डॉक्टर ने मुझे सलाह दी कि मुझे

पहले ही सर्जरी करवा लेनी चाहिये क्योंकि ऐसे भी मेरे विश्व कप में खेलने के आसार बहुत कम हैं। मैंने आखिकार सर्जरी करवाने का निर्णय लिया। इस सर्जरी के बाद जडेजा को बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में लंबे समय तक रिहैब से गुजरना पड़ा।

सर्जरी के बाद का समय काफी मुश्किल गुजरा

जडेजा ने बताया कि एनसीए के ट्रेनर उनके घुटने पर तो काम करते ही थे, साथ ही वे जडेजा को अपने शब्दों से प्रेरित भी करते थे। जडेजा ने कहा, सर्जरी के बाद का समय काफी मुश्किल था क्योंकि आपको लगातार अभ्यास और रिहैब में लगे रहना होता है। जब मैं टीवी पर मैच देखता था, जैसे अगर मैं विश्व कप देख रहा होता था, तो मेरे मन में खयाल आता कि काश मैं वहां होता।

इफ्तिखार ने जड़े एक ओवर में छह छक्के

नई दिल्ली। पाकिस्तान के 32 वर्षीय बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद ने रविवार को अपना नाम एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की खास लिस्ट में शामिल कर लिया है। खास बात यह है कि इफ्तिखार ने क्वेटा में जिस मैच में यह छह छक्के लगाए, उसी मैच के दौरान नवाब अकबर बुगती स्टेडियम से कुछ दूरी पर विस्फोट हुआ था, जिसमें कम से कम पांच पुलिसकर्मी भी घायल हुए थे। क्वेटा में रविवार को पाकिस्तान सुपर लीग का एक प्रदर्शनी मैच खेला गया, जिसमें बाबर आजम और शाहिद अफरीदी समेत कई स्टार खिलाड़ी मौजूद थे। क्वेटा ग्लैडिएटर्स से खेल रहे इफ्तिखार ने पारी के 20वें ओवर में वहाब रियाज के ओवर में छह छक्के जड़ दिए। इससे पहले तक वहाब ने तीन ओवर में 11 रन देकर तीन विकेट लिए थे, लेकिन एक ओवर में छह छक्के खाने के बाद वहाब का बॉलिंग फिगर चार ओवर में 47 रन देकर तीन विकेट रहा। इफ्तिखार ने 50 गेंदों में 94 रन की नाबाद पारी खेली। इफ्तिखार से पहले नौ पुरुष खिलाड़ियों ने लगातार छह गेंदों पर छह छक्कों का रिकॉर्ड बनाया है। इनमें गैरी सोबर्स और रवि शास्त्री ने घरेलू क्रिकेट में ऐसा किया था। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ओपनर हर्शल गिब्स अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी थे। इसके बाद युवराज सिंह, रॉस व्हीटेली, हजरतुल्लाह जजई, लियो कार्टर, कीरोन पोलार्ड और थिसारा परेरा ऐसा कर चुके हैं।

ग्रीको-रोमन पहलवान आशु ने जीता कांस्य

जाग्रेब। ग्रीको-रोमन पहलवान आशु ने जाग्रेब ओपन 2023 रैंकिंग सीरीज में पुरुषों के 67 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। उन्होंने कांस्य प्ले-ऑफ में लिथुआनिया के एडोमास ग्रिगलियुनस को 5-0 से हराया। शनिवार देर रात रेपचेज में प्रवेश करने के लिए क्वालिफिकेशन राउंड में ईरान के रेजा महदी अब्बासी के हाथों आशु को 0-9 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय पहलवान ने इसके बाद हंगरी के एडम फोइलेक पर 8-0 की प्रभावशाली जीत दर्ज की और नॉर्वे के हावर्ड जोर्जेसन को 9-0 से हराकर कांस्य पदक मैच में जगह बनाई। आशु की कांस्य पदक जीत चल रही रैंकिंग श्रृंखला में भारत का दूसरा पदक था। इससे पहले अंडर-23 विश्व चैंपियन फ्रीस्टाइल पहलवान अमन सहरावत ने पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। एक अन्य ग्रीको रोमन बाउट में सागर 63 किग्रा ब्रैकेट में प्रतिस्पर्धा करते हुए ईरान के अरेफ हुसैन खौन मोहम्मदी के खिलाफ 0-6 से अपना क्वार्टर फाइनल बाउट हार गए। इससे पहले दिन में, एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता सुषमा शौकीन महिलाओं के 53 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में कनाडा की पहलवान सामंथा स्टीवर्ट से हारकर बाहर हो गईं।

अदिति ने केन्या ओपन एलईटी खिताब जीता

नैरोबी। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक ने केन्या ओपन में रविवार को अपने करियर का चौथा लेडीज यूरोपीय टाइटल एलईटी जीत लिया। टोक्यो ओलंपिक में पदक के बेहद करीब आकर चूकने वाली अदिति ने अंतिम दो होल में दो बोगी खेलीं, लेकिन फिर भी वह नौ शॉट के साथ खिताब जीतने में सफल रहीं। सिर्फ 18 साल की उम्र में पहला एलईटी जीतने वाली अदिति ने दिन की शुरुआत छह शॉट की बढ़त के साथ की। उन्होंने सहजता के साथ खेलते हुए पहले होल पर बर्डी मारी। आठवें होल पर उन्होंने वह बढ़त खो दी, लेकिन 11वें होल पर अदिति पुनः बर्डी मारने में सफल रहीं। अदिति ने दिन का अंत होने से पहले 15वें और 17वें होल पर बोगी खेली, लेकिन यह उनकी जीत को प्रभावित नहीं कर सका। अदिति महिला पेशेवर गोल्फ संघ (एलपीजीए) की प्रतियोगिताओं में पर खेलना शुरू कर चुकी हैं। यहां उन्होंने कई बार शीर्ष-10 में जगह बनायी है, हालांकि उन्हें अपनी पहली जीत का इंतजार है। इसी बीच, भारत की शौकिया खिलाड़ी अवनि प्रशांत ने अंतिम दिन एक-अंडर 72 के स्कोर के साथ नौवां स्थान हासिल किया, जबकि अमनदीप द्राल (77) 55वें स्थान पर रहीं। अदिति का पहला एलईटी खिताब 2016 में आया था, जब उन्होंने हीरो महिला इंडियन ओपन जीता था। उसी वर्ष उन्होंने कतर लेडीज ओपन जीता, जबकि 2017 में वह अबू धाबी में फातिमा बिंत मुबारक लेडीज ओपन जीतकर अपना तीसरा खिताब हासिल करने में कामयाब रही थीं।

जॉश हेजलवुड पहले टेस्ट से बाहर

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, चोट से नहीं उबर पाए हेजलवुड

बेंगलुरु । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड भारत के खिलाफ नौ फरवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से चोट के कारण बाहर हो गये हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यह जानकारी दी। सीए ने बताया कि हेजलवुड पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गये टेस्ट मैच के दौरान लगी एड़ी की चोट से जूझ रहे हैं। हेजलवुड इसके कारण यहां अभ्यास सत्र में भी हिस्सा नहीं ले सके हैं और कम से कम पहले टेस्ट से बाहर रहेंगे। उल्लेखनीय है कि हेजलवुड से पहले वामहस्त तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी पहले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं, जबकि हरफनमौला कैमरन ग्रीन भी उंगली की चोट के कारण गेंदबाजी नहीं कर सकेंगे। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के

पास नागपुर टेस्ट के लिये स्कॉट बोलैंड और लांस मॉरिस के ही विकल्प रह जाते हैं। हेजलवुड ने अपनी चोट के बारे में कहा, सिडनी टेस्ट मैच की चोट अब भी बरकरार है। मैं घर पर भारत दौरे से पहले काफी हद तक गेंदबाजी कर रहा था। यह चोट शायद ठीक नहीं हो रही थी जैसा कि मैं प्रत्येक सत्र के बीच चाहता था। इसी बीच, बोलैंड ने रविवार को कप्तान पैट कमिंस के साथ अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। हेजलवुड का मानना है कि बोलैंड उनकी कमी बखूबी पूरी करेंगे। हेजलवुड ने कहा, बोलैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड दक्षिण अफ्रीका टेस्ट पर भी अच्छी गेंदबाजी की जहां पिच सपाट थी। वहां गेंद ज्यादा स्विंग नहीं हो रही थी तो उन्हें पता है कि लंबे समय तक कसी हुई गेंदबाजी कैसे करनी है। उन्होंने कहा, हमारे पास लांस मॉरिस भी है जो पिछले एक महीने से रिवर्स स्विंग पर काम कर रहे हैं और यहां भी कुछ सत्रों में अच्छी मेहनत की है। यह खिलाड़ी भारतीय उपमहाद्वीप में खेलने के लिये उत्साहित हैं। यह इससे पहले यहां नहीं खेले लेकिन काबिलियत जरूर रखते हैं।

पिछली बार सीरीज के सभी मैच में खेले थे हेजलवुड

जोश हेजलवुड ने 2017 की टेस्ट सीरीज के चारों टेस्ट मैच खेले थे और सभी मैच में उन्होंने विकेट चटकाए थे। उनका सबसे बढ़िया प्रदर्शन दूसरे टेस्ट की दूसरी पारी में था। उन्होंने स्पिन की मददगार पिच पर उस पारी में छह विकेट लेकर भारतीयों को चौंका दिया था। उन्होंने शीर्ष क्रम के चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा था जिसमें पुजारा और कोहली भी शामिल थे। नागपुर में पहले टेस्ट के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दिल्ली, धर्मशाला और अहमदाबाद में भी एक-एक टेस्ट खेलेंगे। भारत को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिये यह सीरीज जीतना जरूरी है।

सीरीज से पहले फील्डिंग की खास तैयारी कर रही टीम इंडिया

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का 9 फरवरी से चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला मुकाबला नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होगा। इससे पहले भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही टेस्ट सीरीज में टीम का फोकस क्षेत्ररक्षण खासकर स्लिप में कैचिंग पर होगा। अतीत में स्लिप में भारत का क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय रहा है और द्रविड़ ने कहा कि टीम इसमें

सुधार की कोशिश कर रही है। अजिंक्य रहाणे के ड्रॉप होने के बाद टीम इंडिया स्लिप फील्डिंग में जूझ रही है। बांग्लादेश दौरे पर विराट कोहली समेत टीम के कई खिलाड़ियों ने कैच छोड़े थे। राहुल द्रविड़ ने सोशल मीडिया पर शेयर किये गए बीसीसीआई के वीडियो में कहा, हर कोई फिट है और टेस्ट टीम को फिर साथ में देखकर अच्छा लग रहा है। हमने पिछले कुछ महीने में सफेद गेंद से काफी क्रिकेट खेला है। इनमें कुछ खिलाड़ी सफेद गेंद के प्रारूप से टेस्ट खेलने आये हैं और नेटपर उन्हें अतिरिक्त अभ्यास करते देखकर अच्छा लगा। भारतीय टीम वीसीए स्टेडियम पर नेट अभ्यास कर रही है। पहला टेस्ट वीसीए जामथा स्टेडियम पर खेला जायेगा। द्रविड़ ने कहा, फील्डिंग काफी महत्वपूर्ण है। करीबी कैचिंग पर ध्यान देना होगा क्योंकि सीरीज में इसकी भूमिका अहम होगी। स्लिप फील्डिंग और कैचिंग पर काफी फोकस रहेगा। उन्होंने कहा, इस सप्ताह अभ्यास के लिये समय मिल पाना अच्छा रहा। कोचिंग स्टाफ इसके लिये एक महीने से तैयारी कर रहा था। मुझे खुशी है कि सब कुछ ठीक चल रहा है। द्रविड़ ने कहा, मेरे हिसाब से तो यह छोटा ही शिविर था।

महिला टी20 विश्व कप के लिए आत्मविश्वास से भरी है श्रीलंकाई टीम : चमारी अथापथ्थु

कोलंबो। श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान चमारी अथापथ्थु ने कहा है कि उनकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है और वह दक्षिण अफ्रीका में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2023 में अच्छा प्रदर्शन करेगी। अथापथ्थु के अनुसार उनकी टीम में अभी जैसा आत्मविश्वास दिख रहा है वैसा पहले कभी नहीं था। उन्होंने कहा कि हमारी महत्वाकांक्षाएं टूर्नामेंट जीतने से कम नहीं हैं। यह हमारा अंतिम लक्ष्य है। हमारा आत्मविश्वास हाल के परिणामों, हमारे खिलाड़ियों के कौशल और खेल से भी बना है। हमने एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ही भारत के खिलाफ फाइनल में जगह बनाने में भी सफलता हासिल की है। हमने फाइनल में पहुंचने के लिए शुरूआती चरण में बांग्लादेश और फिर सेमीफाइनल में पाकिस्तान सहित कई टीमों को हराया था। कप्तान ने कहा, आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के लिए हमारी तैयारी अच्छी रही है। हमने एशिया कप सहित हाल के महीनों में कई अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। हमें एक तरह से लय मिल गई है और मुझे लगता है कि हम सही संयोजन भी तलाश रहे हैं। इस क्रिकेटर ने यह भी कहा कि महिला टी20 विश्व कप में श्रीलंकाई टीम मुख्य कोच के बिना टूर्नामेंट में जाने के बाद भी दक्षिण अफ्रीका के हालातों को ध्यान में रखते हुए विशेष तैयारी के साथ जा रही है। हम इस टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसके लिए हर तरह से काम कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के हालातों को ध्यान में रखते हुए हमारे पास कुछ विशेष प्रशिक्षण सत्र हैं।

बच्चे में उत्साह की कमी है तो पेरेंटिंग में सुधार करें

अगर आपको ऐसा लगता है कि आपके बच्चे में उत्साह की कमी है वह अपनी इच्छा से आगे बढ़कर कोई भी नया काम करने को तैयार नहीं होता पढ़ाई या छोटे-छोटे घरेलू कार्यों के लिए उसे बार-बार टोकना पड़ता है तो आपको अभी से सचेत हो जाना चाहिए। बच्चे के व्यवहार में ऐसी परेशानी इस बात का संकेत है कि आपको अपनी पेरेंटिंग के तरीके में सुधार की जरूरत है। कुछ बच्चे दूसरों को देखकर बहुत जल्दी उनके गुणों को अपनाने की कोशिश करते हैं पर कुछ ऐसा नहीं कर पाते। ऐसे बच्चों को प्रेरित करने की जरूरत होती है ताकि वे जल्द से जल्द अच्छी आदतें सीख सकें। बच्चों के पहले शिक्षक माता-पिता ही होते हैं और वे उन्हीं के व्यवहार का अनुसरण करते हैं।

अगर अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या में आप हमेशा सक्रिय उत्साही और ऊजार्वान रहेंगे तो आपको देखकर छोटी उम्र से ही आपके बच्चे में भी स्वतः ऐसी अच्छी आदतें विकसित होंगी। अगर आप किसी काम को लेकर उत्साहित नहीं हैं तो बच्चे में भी उत्साह की कमी होगी। इसलिए जरूरी है कि जब भी आप कुछ नया सीखें उसे बच्चे के साथ साझा करें। इसके अलावा नियमित रूप से उसके साथ खेलने और प्यार भरी बातें करने के लिए थोड़ा समय जरूर निकालें। अपने घर में ऐसा खुशनुमा मा माहौल बनाए रखें कि आपका बच्चा निडर

होकर आपसे अपने दिल की बातें शेयर कर सके । इससे वह स्वतः प्रेरित होना सीख जाएगा।

कामयाबी की अहमियत समझाएं- रोजमर्रा के छोटे-छोटे कार्यों के बहाने उसे कामयाबी की अहमियत समझाएं। शुरूआत में उसे कोई भी जिम्मेदारी सौपें। मसलन स्टडी टेबल को सही ढंग से व्यवस्थित करना पौधों को पानी देना गणित के सवाल हल करना अपनी हैंडराइटिंग सुधारना आदि। कार्य चाहे छोटा हो या बड़ा अगर आपका बच्चा उसे सही ढंग से पूरा करने की कोशिश करता है तो उसके इस प्रयास की सराहना जरूर करें। इससे उसका उत्साह दोगुना हो जाएगा और वह कामयाबी हासिल करने की दिशा में कड़ी मेहनत करेगा। जब भी उसे सफलता मिले उसे भरपूर शाबाशी दें ताकि वह हमेशा आगे बढने. के लिए प्रेरित हो।

उसकी भी सुनें- हर बच्चा अपने आप में खास होता है। हमें अपने बच्चे की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। हमेशा उपदेश देने के बजाय उसकी बातें भी ध्यान से सुननी चाहिए। बेहतर यही होगा कि आप अपने परिवार से जुड़े छोटे-छोटे मुद्दों पर उसे भी अपनी राय रखने का अवसर दें। मसलन लंच या डिनर का मेन्यू क्या हो वीकेंड पर कहां घूमने जाएं उसके कमरे की दीवारों का रंग कैसा हो जैसे विषयों पर उसकी राय जरूर मांगे। इससे उसे ऐसा लगेगा कि उसके सुझाव भी आपके लिए अहमियत रखते हैं। आपकी यह छोटी सी कोशिश उसका आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मददगार होगी।

होमवर्क के लिए उत्साहित करें- बच्चे के भीतर जिम्मेदारी की भावना विकसित करें ताकि वह रोजाना सही समय पर अपना होमवर्क पूरा कर सके। होमवर्क पूरा करने के बाद ही उसे टीवी देखने की इजाजत दें। उसके पढने. के लिए एक अलग जगह बनाएं। जहां उसकी बुक शेल्फ रीडिंग लैंप कुछ पोस्टर आदि हों। इससे घर में पढ़ाई का माहौल बना रहेगा तो वह स्वयं ही होमवर्क करने के लिए प्रेरित होगा।

किताबों को पढ़ने प्रेरित करें- इंटरनेट और मोबाइल के इस दौर में बच्चे किताबों से दूर होते जा रहे हैं। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि आप उन्हें किताबें पढने.के लिए प्रेरित करें। इसके लिए उनकी रुचि से जुड़ी किताबें खरीदें। मसलन अगर बच्चे को कोई जानवर या कार्टून कैरेक्टर पसंद हो तो उसके लिए उसी से संबंधित किताबें लाएं। बच्चे को साथ लेकर लाइब्रेरी या किसी बुक स्टोर में जाएं। वहां उसी को किताबें चुनने को कहें। ध्यान रखें कि अगर वह खुद किताबों का चुनाव करेगा तो उसे पढना भी अच्छा लगेगा। बच्चे के साथ बैठकर खुद भी पढने. की कोशिश करें। उसे कहानियां सुनाएं। इससे आप दोनों अच्छा महसूस करेंगे। अगर आप किताबों को एंजॉय करती हैं तो आपका बच्चा भी पढने. के लिए उत्साहित होगा।

सबक सहयोग का- बच्चे उसी स्थिति में आपकी मदद करना चाहते हैं जब उन्हें ऐसा महसूस होता है कि वाकयी आपको उनकी मदद की जरूरत है। अगर उनसे आदेशात्मक लहजे में कोई काम करने को कहा जाए तो वे उसे पूरे मन से करने को तैयार नहीं होते। घर की सफाई के दौरान उन्हें प्यार से समझाएं कि हमें मिलजुलकर अपने घर को साफ और सुंदर बनाना चाहिए।

बच्चा जरूरत से ज्यादा टीवी देखता है तो संभल जाएं

अगर आपका बच्चा भी जरूरत से ज्यादा टीवी देखता है तो संभल जाएं। छोटी उम्र में ज्यादा टीवी देखने से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा आने लगती है और उनका रूझान गलत आदतों की तरफ बढ़ने लगता है. ऐसा माना जाता है कि बचपन में हम जो आदतें सीखते हैं उनका अनुसरण जीवनभर करते रहते हैं। आजकल बच्चों में बाहर खेलने की जगह घंटों एक जगह बैठकर टीवी देखने की आदत बढ़ रही है। यूं तो टीवी देखना कोई बुरी बात नहीं है लेकिन हर चीज की अति बुरी होती है। जिसके भविष्य में बेहद नुकसान उठाने पड़ सकते हैं। हाल ही में हुई एक स्टडी में बताया गया कि छोटी उम्र में ज्यादा टीवी देखने से बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास पर असर पड़ता है।

अध्ययन के मुताबिक बचपन में ज्यादा टीवी देखने से बच्चों के शारीरिक मानसिक सामाजिक और आर्थिक विकास पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा टीवी देखने की आदत की वजह से बच्चों में जंक फूड की तरफ आकर्षण भी बढ़ रहा है। अगर बच्चों को छोटी उम्र में ही उनका एक पर्सनल टीवी दे दिया जाए तो इससे उनके शारीरिक मानसिक और सामाजिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। अध्ययन में शोधकताओं ने लगभग उन 1859 बच्चों का डेटा लिया। इसमें 13 साल तक के बच्चों की सेहत का भी एक अध्यन किया। इन बच्चो का अध्यन करते समय कुछ जरूरी पहलुओं पर जोर दिया गया है. उदाहरण के लिए बच्चों का बॉडी मास देखा गया उनकी खाने की आदतों पर गौर किया गया और उनकी टीचर से उनके व्यवहार के बारे में जानकारी भी ली गई। बता दें बच्चों की संगति भी उनके व्यक्तित्व पर काफी प्रभाव डालती है इसलिए उस पहलू को भी स्टडी का हिस्सा बनाया गया. इस व्यापक स्टडी के परिणाम बिल्कुल भी संतोषजनक नहीं दिखे। इसके मुताबिक जिन घरों में लोगों ने अपने छोटे बच्चों के बेडरूम में उनके लिए एक पर्सनल टीवी लगवा रखा था उन बच्चों के विकास पर गलत प्रभाव पड़ रहा था. उन बच्चों में भविष्य में हाई बीएमआई जंक फूड की तरफ रुझान अवसाद आदि की समस्या देखी गई। आप अपने घर पर टीवी कहां रखते हैं इसका भी आपके बच्चों के जीवन पर बहुत गहरा असर पड़ता है।

बच्चे की पसंद का टिफिन बनायें

आम तौर पर देखा गया है कि बच्चे टिफिन पूरा नहीं खाते और इससे मां परेशान हो जाती है क्योंकि भूखे रहने से बच्चे पौष्टिक तत्वों की कमी से बीमार भी हो जाते हैं। अगर आप भी बच्चे के टिफिन न खाने से परेशान हैं और चाहती हैं कि आप जो बनाये वह उन्हें पसंद आये तो ये व्यंजन बनायें। ये बच्चे को पसंद आने के साथ ही स्वास्थ्य के लिये भी पौष्टिक रहेंगे।

ओट्स इडली- ओट्स की इडली आपके बच्चे की टिफिन में रखने का सबसे पौष्टिक आहार है जो काफी स्वादिष्ट भी है। इसमें काबोर्हाइड्रेट प्रोटीन विटामिन आयरन और मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसके अलावा इसमें सही मात्रा में फाइबर भी होता है जो बच्चों की पाचन क्रिया को मजबूत बनाने का काम करता है। इस प्रकार का किया गया नाश्ता आपके परिवार के साथ-साथ आपके बच्चे के स्वास्थ के लिये भी हितकर साबित होगा।

चिकन सैंडविच- जो लोग मांसाहारी होते हैं उनके घर में चिकन तो बनाता ही है। यदि आपके खाने के बाद चिकन बच जाता है तो उसे फेंकने की अपेझा इसे फ्रिज में रख दें और सुबह के समय सैंडविच बना कर अपने बच्चे को दे दें। इसके अलावा सैंडविच में ताजा सब्जियों के साथ पनीर को भी मिलाकर डाल सकती हैं।

केला अखरोट मफिन - आपके बच्चे के टिफिन में रखने का यह काफी स्वादिष्ट और स्वास्थ्यप्रद खाद्य पदार्थ है। यह मफिन केला और अखरोट से बनी हुई होती है। केले में मैग्नीशियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है और अखरोट में ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है। दोनों का यह मिश्रण आपके बच्चे के स्वस्थ विकास के लिए आवश्यक है। इससे आपके बच्चे को अतिरिक्त ऊर्जा की प्राप्ति होती है और आपका बच्चा स्वस्थ और तंदरुस्त रहता

है।

स्टफ पराठा- आप अपने बच्चे को नाश्ते या खाने में उन पोषक तत्वों को दें जो उसकी सेहत के लिये सही हो। इसके लिये आप आलू प्याज गोभी या फिर अन्य ताजी सब्जी को तैयार कर पराठे में भरकर दें। साथ ही में दही या सॉस भी साथ में दें। आपका बच्चा इस पाकार के खाने को बड़े ही पसंद के साथ और खुश होकर खायेगा। उसके शरीर में सभी पोषक तत्वों का मात्रा भरपूर मिलेगी।

फ्रेंच टोस्ट के साथ फलों का सलाद- रोज एक ही तरह का नाश्ता देखकर बच्चे उस खाने से ऊब जाते हैं। उनमें इसके प्रति नीरसता आ जाती है। इसलिये बच्चों को अलग-अलग तरह का खाना दिया जाये तो वो काफी खुश होकर इसे खाते हैं। इसी तरह से उनके टिफिन में रखने की समस्या भी खत्म हो जाती है। इसे यदि आप अपने बच्चे को देंगी तो वो इसे काफी पसंद करते हैं। इसके साथ आप फलों का सलाद भी दे सकते हैं।

बच्चों को टिफिन में फ्रूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं लेकिन सलाद में केवल एक ही फल ककड़ी या गाजर काटकर न दें बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीजें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीजों को देखकर बच्चे खुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना काबुली चना कॉर्न बादाम किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को ब्रेन फूड कहते हैं जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट स्ट्रॉबेरी कीवी फ्रूट सोयाबीन्स फूलगोभी पालक ब्रोकोली फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज और रोल्स में सब्जियां सलाद और चीज आदि भरकर उन्हें अधिक पौष्टिक बनायें।

रुबीना ने बताया कौन होगा बीबी 16 का विनर !

छोटे परदे का फेमस शो बिग बॉस 16 के फिनाले में बहुत कम दिनों का समय बचा है। इसी बीच बिग बॉस 14 की विनर रुबीना दिलाइक ने बताया कि उनके मुताबिक इस बार बिग बॉस 16 की ट्रॉफी कौन अपने नाम करने वाला है। रुबीना दिलाइक ने बताया कि शो का फिनाले शिव और प्रियंका के बीच होगा और इससे जीतने की उम्मीद की प्रियंका की ज्यादा है। बता दें, रुबीना से पहले शेखर सुमन, अली गोनी जैसे कई स्टार्स भी प्रियंका चाहर चौधरी के विनर बनने के कयास लगा चुके हैं। बता दें, सुम्बुल तौकीर खान, शिव ठाकरे और एमसी स्टैन इस हफ्ते घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हैं। इस सबके बीच खबर आ रही है कि इस बार सुम्बुल तौकीर शो से बाहर होने वाली है क्योंकि उन्हें घर में सबसे कम वोट मिले हैं। मालूम हो शो के कंटेस्टेंट ट्रॉफी के लिए अपना-अपना गेम खेलने में लगे हैं। वहीं लोग भी शो के विनर को लेकर लोग लगातार कयास लगा रहे हैं।

फिल्म गुमराह 7 अप्रैल को होगी रिलीज- फिल्म गुमराह को रिलीज डेट सामने आ गई है। यह फिल्मअभिनेता आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर की आगामी फिल्म है। यह क्राइम थ्रिलर फिल्म 7 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए तैयार है। नवोदित निर्देशक वर्धन केतकर द्वारा अभिनीत फिल्म का निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और मुराद खेतानी के सिने1 स्टूडियो द्वारा किया जा रहा है।आदित्य पहली बार दो बिल्कुल अलग अवतारों में डबल रोल भूमिका में नजर आएंगे और मृणाल एक पुलिस वाले की भूमिका में नजर आएंगी। यह थ्रिलर फिल्म आदित्य रॉय कपूर और मृणाल ठाकुर को अलग रुप में आमने-सामने प्रदर्शित करेगी।

टाइगर और अक्षय ने किया सेल्फी के गाने पर डांस- जैकी श्राफ के सुपुत्र

एवं बालीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ और अक्षय कुमार ने अपकमिंग फिल्म सेल्फी के गाने मैं खिलाड़ी पर डांस किया। दोनों अभिनेताओं ने एक साथ डांस किया और इसका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में, दोनों सितारों को मैचिंग काला चश्मा और काले कपड़े पहने मैं खिलाड़ी का हुक स्टेप करते हुए देखा जा सकता है, जो अक्षय के 1994 के गीत मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी का रीमेक है। बगीचे में डांस करते हुए वीडियो पोस्ट करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा, तो टाइगर जैकी श्रॉफ ने मेरे साथ हैशटैग मैन खिलाड़ी के साथ खेल खेला और यह हो गया!! आप अपनी बेस्टी के साथ मैन खिलाड़ी रील कैसे बनाते हैं? मैं दोबारा पोस्ट करूंगा। हैशटैग सेल्फी। मालूम हो कि सेल्फी 24 फरवरी को रिलीज होने वाली है। बड़े मियां छोटे मियां अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित है और अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन प्रतिपक्षी के रूप में नजर आएंगे। अपकमिंग फिल्म बड़े मियाँ छोटे मियाँ की शूटिंग भी शुरू कर दी गई है।

पामेला ने पार्टी में बिखेरा जलवा- न्यूयॉर्क के पेरिस थिएटर में एक पार्टी होस्ट की गई थी, जिसमें एक्ट्रेस पामेला एंडरसन ने जमकर जलवा बिखेरा। यह पार्टी पामेला एंडरसन की नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री पामेला, ए लव स्टोरी की रिलीज से पहले होस्ट की गई। पार्टी में पामेला अपने लुक का खूब जलवा बिखेरती नजर आईं। अब उनकी ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। अपने मिलियल डॉलर लुक से फैंस को इम्प्रेस करते हुए पामेला कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 55 की पामेला एंडरसन ऑफ व्हाइट साटिन गाउन में बेहद स्टनिंग दिखीं। गाउन के ऊपर से एक्ट्रेस ने ब्लैक एंड व्हाइट धारीदार कोट कैरी किया। खुले बाल, मिनिमल मेकअप और न्यूड लिपस्टिक से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कंप्लीट किया है।

केट मॉस की भूमिका निभाएंगी एली बंबर- अपनी एक नई फिल्म में हॉलीवुड स्टार एली बंबर केट मॉस की भूमिका निभाने जा रही हैं। एली बंबर सर्पेंट और नॉक्टर्नल एनिमल्स जैसी सुपरहिट फिल्मों के लिए जानी जाती है। इस फिल्म की कहानी केट मॉस और लुसियन फ्रायड के साथ रिश्तों पर आधारित होगी। वह फिल्म मॉस एंड फ्रायड में ब्रिटिश सुपरमॉडल केट मॉस की भूमिका निभाएंगी, वहीं फ्रायड का किरदार डेरेक जैकोबी द्वारा निभाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट जेम्स लुकास द्वारा निर्देशित है। ताजा जानकारी के अनुसार, कॉर्नरस्टोन आगामी यूरोपीय फिल्म बाजार में विश्वव्यापी बिक्री को संभाल रहा है। रीसेट कलेक्टिव ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में रिलीज को संभालेगा। लुकास सैली हॉकिन्स और जिम ब्रॉडबेंट अभिनीत ऑस्कर विजेता लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म द फोन कॉल के लिए जाने जाते हैं। मॉस लुसियन फ्रायड आर्काइव के समर्थन से एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस करेगी।

रस बनारस के स्वर ताल में सजी शास्त्रीय संगीत की महफिल

रुद्राक्ष में गूंज उठी शहनाई, गायन और नृत्य पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाई

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सिडबी व स्पिक मैके उत्तर प्रदेश के द्वारा सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में शास्त्रीय संगीत के कार्यक्रम रस बनारस का आयोजन हुआ जिसमें शहनाई की मधुर धुन के साथ स्वर ताल के अद्भुत संगम में श्रोताओं ने खूब गोते लगाए कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वाराणसी के जिलाधिकारी एस. राजलिंगम विशिष्ट अतिथि सिडबी के सीएमडी एस.रमण सहित अतिथि कलाकारों ने दीप प्रज्वलित कर किया गया मुख्य अतिथि का स्वागत एवं सम्मान स्पिक मैके के चेयरपर्सन यू.सी. सेठ एवं डॉ मधु शुक्ला ने माल्यार्पण एवं अंगवस्त्रम ओढ़ाकर किया जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि वाराणसी एवं भारतीय संस्कृति को सहेजने के प्रति प्रधानमंत्री जी के सराहनीय पहल में सभी संस्थाओं एवं नागरिकों के योगदान देने की जरूरत है स्पिक मैके की ओर से वर्ष भर चल रहें कार्यशाला की

झलक को वृत्तचित्र के माध्यम से शांभवी शुक्ला द्वारा प्रस्तुत किया गया कृष्ण मूर्ति फाउंडेशन राजघाट, बसंता कॉलेज और सनबीम लहरतारा के बच्चों ने तबला वादन एवं शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देकर खूब वाहवाही लूटी` कार्यक्रम की शुरूआत पं संजीव शंकर एवं पं अश्विनी शंकर बन्धुओं के शहनाई के मधुर धुन के साथ हुई उन्होंने शहनाई की लोकप्रिय मध्य लय तीन ताल में राग मधुवंती की एक रचना बजाई राग बसंत तीन ताल में राग पीलू पर आधारित बोल मृगनयनी तोरी आंख क्या किसी को मारेगी गोरिया पर शहनाई बजाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया अपने दादा गुरु स्व. पं महादेव प्रसाद मिश्र द्वारा बनाई गई बनारसी धुन को भी बजाकर सुनाया उनके साथ तबले पर श्रुतिशील उद्धव, शहनाई पर आनंद शंकर एवं दुक्कड़ पर कांता प्रसाद ने संगत की तत्पश्चात पद्मभूषण पं साजन मिश्र एवं पं स्वरांश मिश्र का शास्त्रीय गायन हुआ शुरूआत पं स्वरांश मिश्र के अघोरी चालीसा से हुआ तत्पश्चात पं साजन मिश्र ने राग झिँझोटी में हे महादेव महेश्वर जटाजूट त्रिनैन भोलेनाथ सुनाया` तत्पश्चात हे माँ बसंत आयो री सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया उनके साथ तबले पर पं संजू सहाय, सारंगी पर विनायक सहाय हारमोनियम पर पं धर्मनाथ मिश्र ने संगत की कार्यक्रम के अंत में विशाल कृष्ण के कत्थक नृत्य ने सभी के मन को मोह लिया उन्होंने कत्थक नृत्य की शुरूआत शिव वंदना शंकर महादेव देव से की जब उन्होंने तीन ताल में होरी डरूंगी नन्द के लालन पे प्रस्तुति पर पूरा सभागार होली मय हो गया जिसपर खूब तालियां बजी उनके साथ गायन पर त्रिलोकी नाथ मिश्र, तबले पर उदय शंकर मिश्र एवं सितार पर नीरज मिश्र ने संगत किया स्पिक मैके की स्टेट कोर्डिनेटर डॉ मधु शुक्ला ने सभी कलाकारों को अंगवस्त्रम ओढ़ाकर सम्मानित किया कार्यक्रम की रूपरेखा सिडबी के सीजेएम डॉ आरके सिंह विषय प्रवर्तन सीएमडी एस. रमण, संचालन सौरभ चक्रवर्ती एवं धन्यवाद ज्ञापन स्पिक मैके के चेयर पर्सन उमेश चंद्र सेठ ने व्यक्त किया उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से पं कामेश्वर नाथ मिश्र, पद्मश्री रजनीकांत, प्रो. शारदा वेलंकर, विदुषी प्रो. कमला शंकर, प्रो. प्रवीण उद्धव, प्रो. संगीता घोष, पं कुबेर नाथ मिश्र का अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मान किया गयाे कार्यक्रम में डॉ नीरजा शुक्ला, डॉ शुभा सक्सेना, डॉ विभा सिंह, पवन सिंह, श्रेयस, सलोनी पाण्डेय,मेदना कश्यप सहित काशी के संगीत से जुड़े कलाकार, संगीत प्रेमी विद्यार्थियों सहित विभिन्न स्कूल कॉलेज के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

लाखों के समान पर चोरों ने किया हाथ साफ

प्रखर चंदवक जौनपुर। स्थानीय थाना अंतर्गत बगेरवा गांव में चोरों ने बीती रात विल्डिंग मैटेरियल की दुकान में लाखो के समान पर हाथ साफ कर चंपत हो गये सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी। गौरतलब हो कि आशुतोष चौबे पुत्र हृदय शंकर चौबे निवासी हटवा अपनी रोजी रोटी के लिए बगेरवा में चौबे विल्डिंग मैटेरियल के नाम से दुकान चला रहे थे। बीती रात चोरों ने दुकान में रखा दस टन सरिया,चैनल एक टन,खिड़की दरवाजा तीन टन, पिलर रिंग एक टन,ट्राली रिंग आठ पीस, बेल्डिंग मशीन तीन पीस, चपसा, गलेंडर,ट्राली जग,वर्कशाप के टूल्स के साथ छोटे बड़े लोहे के औजार लेकर चोर चंपत हो गए।सुबह जब दुकान खोली गई तो दुकान से सामान गायब देख पीड़ित के पैरो तले से जमीन खिसक गई पीड़ित थाने पर पहुंच तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई पुलिस तहरीर के आधार पर जांच पड़ताल में जुट गई।पीड़ित के अनुसार कुल सामानों की कीमत लगभग 12 लाख बताई जा रही है।

सामाजिक बुराइयों एवं उनके उन्मूलन हेतु कैडेटों ने निकाली रैली

प्रखर पराऊगंज जौनपुर। भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे पुनीत सागर अभियान के अन्तर्गत कर्नल निकेत सिंह नेगी, कमान अधिकारी, 98 यूपी बटालियन, एनसीसी जौनपुर के निदेर्शानुसार कुटीर पीजी कालेज चक्के के एनसीसी कैडेटों ने लेफ्टिनेंट चित्रसेन गुप्ता के नेतृत्व में सामाजिक जन जागरूकता हेतु रैली निकाली। रैली को महाविद्यलय के यशस्वी प्राचार्य मेजर डॉ रमेश मणि त्रिपाठी ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। कैडेटों ने महाविद्यालय के आस-पास के गांव में जाकर लोगों को अनुशासित जीवन जीना तथा अपने आसपास साफ सफाई एवं सामाजिक बुराइयों एवं उनके उन्मूलन हेतु विशेष रुप से संदेश दिया।

बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संत रविदास की प्रथम उपदेश स्थली मैदागिन से निकली शोभायात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रविदास जयंती के अवसर पर ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन के तत्वावधान में संत रविदास महाराज की 610 वी जयंती समारोह बड़ी श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया जिसके तहत एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन संत रविदास के प्रथम उपदेश स्थली मैदागिन से निकाला गयाे जिसका उद्घाटन व नेतृत्व ऑल इंडिया आदि धर्म मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सतगुरु रविदास जन्म स्थान मंदिर के गद्दी नशीन आचार्य महंत भारत भूषण दास के द्वारा किया गया जिसमें मुख्य रुप से संत कमल दास ब्रह्मचारी, संत बलबीर दास , संत मुनि , संत जीवन दास, संत राजनाथ, संत त्यागी , संतलाल , चौथी राम , बसंत जोशी, मनहरण विजय बार, छोटेलाल लांजी वार, हरबरा सिंह, सुखविंदर सिंह सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने किया स्थानीय थाना का आकस्मिक निरीक्षण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। सोमवार को पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के द्वारा अहरौरा थाने का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने थाना कार्यालय परिसर, साइबर हेल्प डेस्क, महिला हेल्प डेस्क, जन शिकायत प्रकोष्ठ का निरीक्षण किया, जहां पर अभिलेखों के रखरखाव के साथ-साथ शिकायतों के आकलन करने को लेकर निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने थाना परिसर में रखे वाहनों, बैरक, मेस आदि का भी निरीक्षण किया, जहां पर थाना प्रभारी को साफ सफाई व्यवस्था बेहतर करने को लेकर भी निर्देशित किया। एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने कहा कि रात्रि में गस्त करते हुए वाहनों की चेकिंग की जाए, जहां पर संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी किया जाए। थाना परिसर में रखें हथियारों को भी वहां पर मौजूद आरक्षियों के द्वारा खुलवाया गया। थाना परिसर का निरीक्षण करने के बाद पुलिस अधीक्षक परिसर में आयोजित सैनिक सम्मेलन में भी भाग लिया।

डोभी क्षेत्र के लाल को कबीर कोहिनूर पुरस्कार से किया गया सम्मानित

प्रखर चंदवक जौनपुर। क्षेत्र के इटहरा गांव निवासी शिक्षक लेखक, कवि, मोटीवेशन स्पीकर, और स्वतंत्र पत्रकार डॉ आर सी यादव "शौर्य" को साहित्य, शिक्षा और हिंदी के प्रचार प्रसार में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए उन्हें दिल्ली में कबीर कोहिनूर अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है।अवार्ड मिलने की खबर होते ही इटहरा गांव ने खुशी का माहौल छा गया परिवारों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी बाते दे कि सम्राट सद्गुरु कबीर साहेब के 505 वें महानिर्वाण दिवस पर आयोजित महोत्सव के शुभ अवसर पर सद्गुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान, बड़ी खाटू जायल नागौर, राजस्थान और अखिल भारतीय कबीर मठ धाम मगहर, गाजीपुर उप्र द्वारा सम्मानित किया गया । सम्मान समारोह मगहर धाम के गादीपति पीठाधीश्वर महंत आचार्य विचार दास जी महाराज एवं महंत

भारत भूषण महंत डॉ नानक दास जी महाराज, पूर्व केन्द्रीय टी बोर्ड सदस्य भारत सरकार के नेतृत्व में सद्गुरु कबीर आश्रम सेवा संस्थान बड़ी खाटू, नागौर, राजस्थान द्वारा आयोजित किय गया। यह सम्मान देश के उन असाधारण व्यक्तियों को दिया गया जो अखंड भारत, सामाजिक एकता, समरसता, सद्भावना, समभाव एवं जनकल्याणकारी कार्यों में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। डॉ आर सी यादव शिक्षक के साथ साथ एक ख्यातिप्राप्त कवि और लेखक हैं और वे हिंदी के प्रचार प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। स्वतंत्र पत्रकार डॉ आर सी यादव के 15 साझा काव्य संग्रह और तीन एकल काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। साहित्य के क्षेत्र में डॉ आर सी यादव को 80 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुका है। यह सम्मान समारोह विश्व वंदनीय सम्राट सद्गुरु कबीर साहेब के 505 वें महानिर्वाण दिवस 5 फरवरी, 2023 को डॉ अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र जनपथ रोड नई दिल्ली पर आयोजित कार्यक्रम में दिया गया है।

उत्तम स्वास्थ्य की कुंजी है रक्तदान: मानव रक्त फॉउंडेशन

समाजसेविका मीरा जी के सालगीरह पर हुआ रक्तदान शिविर : अतुल जय मानव रक्त फाउडेशन

प्रखर वाराणसी। काली महाल, मुगलसराय के इंटीरियर इलाके में लगाया गया सफल रक्तदान शिविर। मानव रक्त फॉउंडेशन की जागरूकता मुहिम के अंतर्गत मीड इंडिया चैरिटबल ट्रस्ट के सहयोग से हुआ 15 यूनिट रक्तदान। समाजसेवी पति की याद में पत्नी मीरा मसीह की अनूठी पहल देखने को मिली। शादी के सालगिरह पे दिवंगत पति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भावुक पत्नी ने रक्तदान शिविर का प्रबंध सोचा। मानव रक्त फॉउंडेशन के सहयोग से वार्ड नं 2 हनुमानपुर, काली महाल, दीनदयाल उपाध्याय नगर में फोर्ड हॉस्पिटल के ब्लड बैंक की मौजूदगी में कुल 15 यूनिट रक्तदान हुआ। विशेष बात यह रही कि सभी रक्तदाताओं का यह पहला अनुभव था। वरिष्ठ समाजसेवी फादर आनंद, स्वच्छ भारत मिशन

के ब्रांड अम्बेसडर शाकिब भारत की प्रेरणादायक उपस्थिति में रक्तदाताओं का उत्साह देखने लायक रहा। मानव रक्त फॉउंडेशन के प्रतिनिधि अतुल जय ने कहा कि जब तक रक्तदान खानदानी शान का द्योतक न बन जाए, मुहिम नही रुकेगी। अंत मे मीरा मसीह जी ने सबको धन्यवाद ज्ञापित किया और पुनः जुटान के आश्वासन के साथ सबलोग विदा हुए।

धूमधाम से मनाया संत अतुलानंद रचना परिषद के सचिव राहुल सिंह का जन्मदिन नन्हे मुन्ने बच्चों कों बांटा पेंसिल और कापी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। संत अतुलानंद रचना परिषद के सचिव व यूपी कालेज के पुरातन छात्र राहुल सिंह का जन्म दिवस यूपी कॉलेज के छात्र नेताओं ने धूमधाम से मनाया छात्र नेता विवेकानंद सिंह ने बताया की राम सिंह पुर हरहुआ ग्राम सभा में मलिन बस्तियों के लगभग 200 नन्हे-मुन्ने छात्रों में कॉपी किताब रबड़ पेंसिल कलम व मिठाई फल केक वितरित कर व शिवपुर स्थित विकलांग आश्रय केंद्र में सैकड़ों विकलांगता वासियों को फ्रूट, जूस ,केक ,फल ,कॉपी ,रबड़, कलम ,पेंसिल वितरित कर युवाओं के प्रेरणा स्रोत राहुल सिंह का जन्मदिवस मनाया गया उक्त अवसर पर कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष व प्रधान भरथरा कला अमित सिंह सैनी ने बताया कि राहुल सिंह विलक्षण प्रतिभा के धनी व नौजवानों में सकारात्मक ऊर्जा भरने के प्रेरक हैं भारतीय सनातन संस्कृति के रक्षक के रूप में आप वाराणसी में जाने जाते हैं काशी ही नहीं पूरे पूर्वांचल में शिक्षा जगत में आपका अतुलनीय योगदान है विनम्रता सहजता शालीनता को देखने मात्र से झलकती है शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा के क्षेत्र में भी आपका योगदान सदैव देखने को मिलता है` उक्त अवसर पर अमित सिंह नीलू प्रधान रामसिंह पुर,

दिग्विजय सिंह भाजपा नेता , विवेकानंद सिंह छात्र नेता, शिवम सिंह बाबू महामंत्री सचिन सिंह , उपाध्यक्ष विकास ठाकुर ,अनिकेत सिंह ,अंबुज , प्रवीण राय , शोभित , उत्तम सिंह , अभिषेक , सनी ,जुगनू सिंह, काशी नीलेश आदि सैकड़ों छात्र एवं नौजवान उपस्थित रहे।

कुलपति द्वारा शिक्षण सामाग्री पाकर चहक उठे देवकली आँगनवाड़ी के बच्चे

प्रखर जौनपुर। कुलपति के निर्देश पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए देवकली गाँव के बल्ली का पूरा,आंगनबाड़ी केंद्र पर कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने 100 बच्चों को शिक्षण सामाग्री एवं मिष्ठान का वितरण किया।अपने संबोधन में कुलपति ने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया।कुलसचिव महेंद्र कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए उन्हें बड़ा होकर नेक इंसान बनने का आह्वान किया। शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ राहुल सिंह ने भी बच्चों को संबोधित किया।कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव ने किया।इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका श्रीमती मिथिलेश शर्मा, सहायक अध्यापिका श्रीमती अर्चना यादव,रिंका यादव,स.अ.जीतेंद्र कुमार यादव,शिक्षा मित्र दया नाथ, आंगनबाड़ी रेखा मिश्रा, गौरी मिश्रा, अनीता यादव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ विनय कुमार वर्मा,निजी सचिव डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, प्रबंधक मुन्ना यादव,अजय यादव,आलोक मौर्य,विजय, संदीप गुडडू,प्रियांशु प्रधान,हर्ष साहू,रिंसू सिंह सहित एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर भारत से आये यात्रियों ने दिया राष्ट्रीय एकता के संदेश

प्रखर कुशीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रायोजित कल्प 'राष्ट्रीय एकात्मता यात्रा' के तहत पूर्वोत्तर भारत के 8 राज्यों अरुणाचल, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, आसाम, एवं सिक्किम से आए कुल 30 शील यात्रियों ने कुशीनगर का भ्रमण किया। कुशीनगर में यात्रियों का स्वागत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ निगम मौर्य के नेतृत्व में जनपद के कार्यकताओं ने किया। महापरिनिर्वाण मंदिर में दर्शन पूजन और रामाभार स्तूप का दर्शन करने के पश्चात शील यात्रियों पुलिस अधीक्षक कुशीनगर धवल जायसवाल के यहाँ चाय पर गए। जहां सभी यात्रियों ने पुलिस कप्तान के साथ अपने अनुभव साझा किये। धवल जायसवाल जी ने जनपद की स्थिति और कानून व्यवस्था की जानकारी दी और यात्रियों के साथ देश के बारे में अपना अनुभव साझा किया। पुलिस अधीक्षक ने छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी काफी पूरी तन्मयता से जवाब दिया। सायं काल में वापसी के समय जनपद के गणमान्य लोगों के साथ सील यात्रियों की बैठक

जिसमें सभी को स्मृति चिन्ह अंग वस्त्र देकर विदा किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक मणि त्रिपाठी ने अपने अनुभवों को बताया। आपने छात्रों को राष्ट्रधर्म के निर्वाहन की भी सीख दी। समाजसेवी राकेश जायसवाल ने राष्ट्र की एकता और अखंडता हेतु इन यात्राओं को महत्वपूर्ण बताया। विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकर्ता सुमित त्रिपाठी शील यात्रा के समय पूर्वोत्तर भारत के अपने अनुभवों के बारे में बताया।आपने कहाकि पूर्वोत्तर भारत की प्राकृतिक छटा जितनी निराली है उतना ही आत्मीय और मनमोहक वहाँ की संस्कृति और लोग हैं।शील यात्रियों में अपोत्सो चिकरो, रबिकिरन रविचंद्रन, प्रांजल राभा और अनूप राभा आदि ने कुशीनगर जनपद के अपने अनुभवों को लोगों से साझा किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कुशीनगर की तरफ से प्रान्त उपाध्यक्ष डॉ निगम मौर्य के नेतृत्व में सभी यात्रियों को स्मृतिचिह्न और अंगवस्त्र प्रदान कर भावुक हृदय से उत्सवधर्मी माहौल में विदा किया गया। सभी यात्री 6 फरवरी को गोरखपुर से अपने गंतव्य हेतु रवाना होंगे।

मोदी योगी की सरकार में पसमांदा मुस्लिम को राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक लाभ मिला : जावेद

प्रखर बिजनौर। पसमांदा मुस्लिम सम्मेलन में को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा पश्चिम उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष व अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जावेद मलिक ने सम्बोधित करते हुए कहा कि अभी तक किसी भी प्रधानमंत्री ने पसमांदा मुसलमानों की सुध नहीं ली। नरेंद्र मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने पसमांदा मुसलमानों के दर्द को समझा। राजनितिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से पिछड़े हुए पसमांदा मुसलमानों को सभी राजनितिक दलों ने अपने फायदे के लिए इस्तेमाल किया। पसमांदा मुसलमानों को उनके हाल पर छोड़ दिया। भाजपा ने ही सच्चे अर्थों में पसमांदा मुसलमानों की हितैषी साबित हुई है।

जावेद मलिक ने रविवार को पसमांदा मुस्लिम सम्मेलन में हजारों की संख्या में आये पसमांदा मुसलमानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पसमांदा मुसलमान

हाशिये पर आप आ चुका था पर जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज को लेकर अपनी चिंता जाहिर की है तबसे पसमांदा समाज का भरोसा मोदी में और गहरा हुआ है। आजादी के बाद से पिछले सत्तर साल में देश व प्रदेश में कांग्रेस, सपा समेत अन्य विपक्षी दलों ने पसमांदा मुस्लिमों को गुमराह किया है। इन दलों ने अपने फायदे के लिए मुस्लिम समाज का भरपूर इस्तेमाल किया है। सिर्फ वोट बटोरने के लिए मुस्लिम समाज को गुमराह किया जाता है। अब सही समय है अपने खोए हुए राजनीतिज्ञ सम्मान को वापस लाने का, पिछड़ेपन को दूर करने का, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डबल इंजन की सरकार ने बिना भेदभाव किए सबका साथ सबका विकास का नारा देते हुए पिछड़े मुस्लिम समाज को सभी योजनाओं का लाभ पहुंचाते हुए पिछड़ेपन को दूर करने का काम किया है। जावेद मलिक ने कहा कि पसमांदा मुस्लिम समाज को अब किसी विपक्षी दल के बहकावे में नहीं आना है। यह पार्टियां सिर्फ. गुमराह करके अपने फायदे के लिए सिर्फ मुस्लिम समाज का इस्तेमाल करते हैं और अपनी राजनीतिज्ञ रोटियां सेकते हैं। ये दल कभी भी आपके पिछड़ेपन को दूर नहीं कर सकते हैं। इन दलों को सिर्फ आपकी वोट चाहिए उसके बाद मुस्लिम समाज को भूल जाते हैं। मोदी सरकार ने बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मुफ्त राशन, मुफ्त घर, मुफ्त शौचालय और पाँच लाख तक के मुफ्त इलाज की सुविधा दी है। जावेद मलिक ने कहा कि आपकी भी ज़िम्मेदारी बनती है कि जिस तरह बिना भेदभाव के सरकार में पसमांदा मुसलमानों को हिस्सेदारी मिली है। सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिला है। उसी तरह पसमांदा मुस्लिम समाज को भी आने वाले चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करने का काम करना चाहिए। इससे यह सन्देश मोदी तक पहुंचे कि पसमांदा समाज की चिंता अगर आपने की है तो पसमांदा समाज ने भी वोट देकर आपका हक अदा किया है।

तमंचा व कारतूस के साथ एक युवक गिरफ्तार

प्रखर खेतासराय (जौनपुर) । स्थानीय थाने की पुलिस ने रविवार की देर रात एक बदमाश को तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नवागत पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा के निर्देशन में जिले की पुलिस टीम अपराधियों के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। शाहगंज के तेजतर्रार डिप्टी एसपी चोब सिंह के निर्देशन में थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा रात्रि में सोंगर पुलिया के पास पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिग कर रही थी । उसी समय मुखबिर से सूचना मिली कि एक बदमाश अवैध असलहा के साथ सोंगर पुलिया की तरफ जा रहा है । सूचना मिलते ही पुलिस टीम अलर्ट हो कर पुलिया पर घेराबंदी कर ली। पुलिस को देखकर युवक भागने लगा। जिसे पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम तबरेज उर्फ बब्बन पुत्र स्व0 सरदार निवासी सोंगर थाना खेतासराय बताया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुआ। एसपी सिटी डॉ संजय कुमार ने बताया कि नवागत पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियो के खिलाफ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। अपराधी खुले में नही जेल के सलाखों में होंगे ।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं